@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 19 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 158 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जो इतिहास खाई पैदा करे, उसे इतिहास ही रहने दो: अखिलेश

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 18 अप्रैल। अमर उजाला संवाद के दूसरे दिन समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कार्यक्रम में शिरकत की। औरंगजेब को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने कहा, जो इतिहास हमें सही दिशा न दिखा सके, हमें प्रोग्रेसिव रास्ते पर न ले जा सके, जो हमारे बीच में खाई पैदा करे उस इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए। हमें किसी भी तरह की धार्मिक टिप्पणी नहीं करनी है। इसके साथ-साथ कोई ऐसी बात नहीं करनी है, जो नकारात्मक चीजें पैदा करे, क्योंकि भाजपा मौके की तलाश में रहती है। उसका लक्ष्य है कि मुख्य मुद्दों से हमारा ध्यान हटाकर रखे। अखिलेश यादव ने कहा, आगरा में हमने मुगल म्यूजियम बनवाया। मुख्यमंत्री जी गए बोले मुगल म्यूजियम नहीं होगा, ये छत्रपति शिवाजी

के नाम से होगा। मैंने कहा बहुत अच्छी बात है। छत्रपति शिवाजी के नाम से कर दो और उनकी मां की भी प्रतिमा यहां पर लग जाएगी। आप नाम बदल रहे हो, राजनीतिक लाभ लेना चाहते हो। लेकिन दुनिया का वन ऑफ द बेस्ट आर्किटेक्ट म्यूजियम जो बन रहा था, आज भी आपने उसका बजट नहीं दिया। आठ-नौ साल हो गए बंद पड़ गया। अखिलेश ने कहा, दुनिया के 100 इन्फ्लुएंसर की सूची आई है। इस सूची में भारत का कोई इन्फ्लुएंसर नहीं है, वो इसलिए नहीं क्योंकि दुनिया जान रही है कि यहां की डेमोक्रेसी खतरे में है। नकारात्मक काम हो रहे हैं यहां पर, बुल्डोजर चल रहे हैं यहां पर, यहां पॉलिटिकल लोगों को झूंठा फंसाया जा रहा है। दुनिया देख रही है कि फ्रीडम ऑफ प्रेस में हम कहां खड़े हैं, इक्वलिटी ऑफ इंडेक्स में हम कहां खड़े हैं, भूखमरी के इंडेक्स में हम कहां खड़े हैं, हमारा रुपया दूसरे की तुलना में कहां है ये तमाम मानक हैं। भाजपा के काम करने के तरीके की वजह से हम लोग दुनिया में कहीं दिखाई नहीं दे रहे।

पार्टियों को तोड़ने और पुराने मामलों का पता लगाने के लिए हो रहा पुलिस का इस्तेमाल: उद्धव

मुंबई, 18 अप्रैल। पुलिस का उपयोग प्रतिद्वंद्वी सियासी दलों को तोड़ने और उनके खिलाफ पुराने मामलों को खोलने के लिए किया जा रहा है। पुलिस को काम करने की पूरी आजादी दी जानी चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने यह बात क्राइम रिपोर्टर प्रभाकर पवार की किताब थरार के विमोचन के मौके पर कही। ठाकरे ने कहा, कांग्रेस के समय (शासनकाल में) पुलिस शिवसैनिकों को धमकी देती थी कि कांग्रेस में शामिल हो जाइए, वरना उन पर आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधि अधिनियम (टाडा) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। यह बात अब भी हो रही है। पुलिस को इस्तेमाल राजनीतिक दलों को तोड़ने या पुराने मामलों का पता लगाने और प्रतिद्वंद्वी दलों को खत्म करने के लिए किया जा रहा है। क्या इसका

अंत होगा? उन्होंने कहा कि अगर पुलिस अपने राजनीतिक आकाओं के अनुचित आदेशों को मानेगी तो इससे अराजकता पैदा होगी। उद्धव ठाकरे ने इस हफ्ते शहर में पानी की कमी को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं की ओर से किए गए विरोध प्रदर्शन का जिक्र किया और कहा कि पुलिस को इसलिए तैनात किया गया था, ताकि वे विरोध प्रदर्शन न कर सकें। पूर्व मुख्यमंत्री ने पूछा कि अगर सत्तारूढ़ दल यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस का उपयोग करते हैं कि शहर में पानी की कमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन न हो तो लोगों को क्या करेंगे। बदलापुर दुष्कर्म मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की हत्या का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि इस कृत्य में शामिल पुलिस कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिन्होंने आदेश जारी किया था। इस महीने की शुरुआत में बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपी शिंदे की हिरासत में मौत के मामले में पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी का आदेश दिया था, जिन्होने कथित तौर पर शिंदे को पुलिस वाहन में गोली मारकर हत्या कर दी थी, साथ ही एक एसआईटी गठित करने का भी आदेश दिया था।

राणा प्रताप, शिवाजी महाराज असली राष्ट्रीय नायक: राजनाथ सिंह

सिम्मी कौर बब्बर

छत्रपति संभाजीनगर, 18 अप्रैल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्रीय नायक हैं, न कि मुगल शासक औरंगजेब। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में मेवाड़ के शासक की आदमकद प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक समारोह में बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप साहस और देशभक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज ने विशेष रूप से गुरिल्ला युद्ध रणनीति के लिए महाराणा प्रताप से प्रेरणा ली थी। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि स्वतंत्रता के बाद वामपंथी विचारधारा वाले इतिहासकारों ने राणा प्रताप और शिवाजी महाराज दोनों को उचित श्रेय नहीं दिया, बल्कि औरंगजेब की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जो लोग औरंगजेब को नायक मानते हैं, उन्हें पंडित जवाहरलाल नेहरू को पढ़ना चाहिए, जिन्होंने लिखा था कि मुगल बादशाह एक क्रूर, कट्टरपंथी शासक था। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि महाराणा प्रताप ने अपने आत्मसम्मान को बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और मुगल बादशाह अकबर के प्रभुत्व को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अपनी अनुकरणीय बहादुरी के अलावा, महाराणा प्रताप ने समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया। उन्होंने कहा,

आदिवासी और मुसलमान उनकी सेना का हिस्सा थे। हकीम खान सूरी ने मुगलों के खिलाफ लड़ते हुए हल्दीघाटी की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दी। एक मुस्लिम युवक शिवाजी महाराज का अंगरक्षक था। मंत्री ने कहा कि जो लोग औरंगजेब की प्रशंसा करते हैं, वे मुसलमानों का अपमान करते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, सरकार ने कई ऐसी वस्तुओं की घोषणा की है जो स्वदेशी रूप से निर्मित होंगी। अब इनका आयात नहीं होगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में पहले ही कई कदम उठाए जा चुके हैं। छत्रपति संभाजीनगर में उद्योगजगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा, भारत का रक्षा निर्यात 2014 के 600 करोड़ रुपये से बढ़कर 24,000 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य 2029-30 तक 50,000 करोड़ रुपये का निर्यात हासिल करना है। वर्तमान में रक्षा उत्पादन 1.60 लाख करोड़ रुपये है और इसे बढ़ाकर 3 लाख करोड़ रुपये करने का लक्ष्य है। छत्रपति संभाजीनगर की क्षमता का उल्लेख करते हुए राजनाथ ने कहा, एक उत्पादन केंद्र के रूप में वे यहां अच्छी संभावनाएं देखते हैं।

चुनाव नियम संशोधन को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव संचालन नियम 1961 में किए गए संशोधनों को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट ने कांग्रेस सचिव जयराम रमेश और अन्य की याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए चुनाव आयोग को तीन सप्ताह का वक्त दिया है। 15 जनवरी को इस मामले में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। गुरुवार को जब याचिका पर सुनवाई शुरू हुई तो चुनाव आयोग की ओर से आए वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने जवाब दाखिल करने के लिए तीन और सप्ताह का समय मांगा। पीठ ने सिंह की प्रार्थना स्वीकार कर ली और सुनवाई के लिए 21 जुलाई का सप्ताह तय किया। इस मामले को लेकर जयराम रमेश के अलावा श्याम लाल पाल और कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज ने जनहित याचिका दायर की है। सुनवाई के दौरान जयराम रमेश की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी ने कहा है कि 1961 के चुनाव नियमों में संशोधन बहुत चालाकी से किए गए थे। सीसीटीवी फुटेज तक किसी भी पहुंच को रोक दिया गया था। सिंघवी ने कहा कि मतदान के विकल्प कभी उजागर नहीं किए गए और सीसीटीवी फुटेज से वोटों का पता नहीं चल सकता और पीठ से आग्रह किया कि वह चुनाव आयोग और केंद्र से सुनवाई की अगली तारीख से पहले अपने जवाब दाखिल करने को कहे।

कांग्रेस ने वक्फ बिल से की वोट बैंक राजनीति: सीएम नायब सैनी

रोहतक, 18 अप्रैल। कांग्रेस ने वक्फ बिल से वोट बैंक की राजनीति की। भाजपा ने इसमें सुधार किया है। यह कहना है मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का। वे शुक्रवार को किलोई में तीसरी अखिल भारतीय शिवकुमार बास्केटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ करने के बाद

पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले 101 घरों से जुटा दूध मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बाल्टी से मुंह लगाकर पीया व सभी का आभार जताया। यहां समाज ने पगड़ी पहना कर उनका स्वागत किया। सीएम ने कहा कि वक्फ बोर्ड को लेकर विधानसभा में बिल आया है। इसका लाभ पूरे मुस्लिम समाज को भी मिलेगा। कांग्रेस ने जिस प्रकार आनन-फानन में 2013-14 में लोकसभा में बिल लेकर आए, इसके कई नकारात्मक पहलु रहे। मुस्लिम समाज को भी नुकसान हुआ। भाजपा ने अब इसे दुरुस्त किया है। मुस्लिम समाज को भी लाभ मिलेगा। घटिया राजनीति करने व हड़बड़ाहट में वोट बैंक को ध्यान में रख कर बिल लाने वालों को तकलीफ है। सुप्रीम कोर्ट भी इस बिल को देख रहा है। यह बिल मुस्लिमों के हक में है। सीएम सैनी ने कहा कि नेशनल हेराल्ड का मामला लंबे समय से चल रहा है। कांग्रेस पदाधिकारियों को इसी के तहत ही ईडी ने बुलाया है। उन्हें जाना चाहिए। कोई गलती नहीं है तो बताना चाहिए। यह मामला प्रदर्शन का नहीं है। सीबीआई व सरकार के गलत इस्तेमाल पर सीएम ने कहा कि ये तो सभी बोल रहे हैं। केजरवाल भी कह रहे थे। पार्टी निस्वार्थ भाव से प्रदेश व जन हित में कार्य कर रही है।

नेशनल हेराल्ड कांग्रेस का है तो प्रदेश की जनता की समस्याएं किसके हैं?: जयराम ठाकुर

सौरभ शर्मा

शिमला, 18 अप्रैल। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू कह रहे हैं कि नेशनल हेराल्ड उनका अखबार है और वह आगे भी उसको खूब विज्ञापन देते रहेंगे। तो मुख्यमंत्री महोदय यह बात समझ लें कि सरकार उनकी है और नेशनल हेराल्ड अखबार उनका है, लेकिन प्रदेश की संपत्ति, प्रदेश का संसाधन उनका नहीं है। जिसे वे अपनी सहूलियत और इच्छा के अनुसार जिस पर चाहे उस पर लुटा सकें। मुख्यमंत्री महोदय को यह समझना चाहिए कि सरकार नियम, कायदे और कानून से चलती है, अपने पराए के भेदभाव के साथ नहीं। जयराम ठाकुर ने कहा कि अगर नेशनल हेराल्ड अखबार उनका है तो प्रदेश के लोग प्रदेश के लोगों की समस्याएं, प्रदेश के लोगों के दुख दर्द क्या उनके नहीं है? क्या प्रदेश के लोगों की समस्याओं का समाधान सरकार का काम नहीं है? क्या मुख्यमंत्री प्रदेश के लोगों को इसी तरह उनके हाल पर छोड़ देंगे और घोटाले में लिप्त एक कंपनी और अपने पार्टी के अखबार को बचाने के लिए प्रदेश की संपत्ति उन पर

लुटाते रहेंगे। प्रदेश में लोग इलाज के लिए तरस रहे हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि अस्पताल में डायबिटीज जैसी बीमारी की जांच की किट तक उपलब्ध नहीं हो रही है, आईजीएमसी में एमआरआई के लिए चार-चार महीने बाद की तारीख है मिल रही है। सहारा और शगुन जैसी योजना का भुगतान बंद है। प्रदेश भर में ठेकेदार अपने दो-दो साल पुराने भुगतान के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं, काम का बहिष्कार कर रहे हैं। पेंशनर और कर्मचारियों को दो साल से इलाज का पैसा नहीं मिल रहा है। क्या इन समस्याओं का समाधान करना मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी नहीं है? प्रदेश के लोगों ने कांग्रेस की सरकार को प्रदेश के विकास के लिए चुना था या नियमों की अनदेखी करके नेशनल हेराल्ड को मनमाना विज्ञापन देने के लिए चुना था? जयराम ठाकुर ने कहा कि बजट सत्र के दौरान विधानसभा में एक सवाल के जवाब में सुक्खू सरकार ने बताया है कि पिछले सवा दो साल में सुक्खू सरकार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया को अपने कार्यकाल में लगभग 5 करोड़ 82 लाख रुपए का विज्ञापन के लिए दिया गया है। जिसमें से अकेले कांग्रेस के अखबार नेशनल हेराल्ड और नवजीवन को लगभग 2 करोड़ का विज्ञापन दिया गया है।

सीलमपुर में हत्या के बाद सीएम रेखा बोलीं-परिवार के साथ न्याय होगा

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। सीलमपुर में बृहस्पतिवार शाम बदमाशों ने नाबालिग लड़के की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त कुणाल (17) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल को बुला लिया गया। छानबीन के बाद शव को मोर्चरी भेज दिया गया। वहीं, हत्या के बाद लोगों में दहशत है। हिंदुओं के पलायन की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि लोगों ने अपने घरों के बाहर ये मकान बिकाऊ है के पोस्टर चस्पा कर दिए हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। वहां भारी संख्या में पुलिसबल तैनात है। परिजन और स्थानीय लोग न्याय की मांग करते हुए सड़क जाम कर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, गुस्साए लोगों ने सड़क पर उतकर जाम लगा दिया और न्याय की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रधनामंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मदद की गुहार लगाई है। प्रदर्शन में शामिल लोग दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथों में पर्चे दिख रहे हैं। जिस पर लिखा है कि हिंदू समुदाय के लोग पलायन कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद

से आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। शुरुआती जांच के बाद पुलिस आशंका जता रही है कि रंजिश की वजह से वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस कुणाल के दोस्तों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि कुणाल न्यू सीलमपुर के जे ब्लॉक में रहता था। परिवार में पिता राजवीर, मां परवीन, तीन भाई व एक बहन है। पिता ऑटो चालक है। कुणाल एक दुकान पर काम करता था। गुरुवार शाम को कुणाल घर से दूध लेने के लिए निकला था। इस बीच जे ब्लॉक चौक पर चार-पांच लड़कों ने उसे घेरकर चाकू मार दिया। वारदात का पता चलते ही परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुष्पेंद्र कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त, पूर्वी रेंज, दिल्ली ने कहा, कल शाम सीलमपुर के जे-ब्लॉक में एक 17-18 वर्षीय युवक की चाकू से हत्या कर दी गई थी। आरोपियों की पहचान हो गई है। जल्द गिरफ़्तारी कर ली जाएगी। जांच जारी है। 2 लोगों के नाम सामने आए हैं जिनकी गिरफ़्तारी जल्द की जाएगी। अगर किसी अन्य व्यक्ति का नाम सामने आता है, उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मामले को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, मेरी खुद पुलिस कमिश्नर से बात हुई है। जिन लोगों के नाम सामने आए हैं उनकी खोज पुलिस कर रही है। हमें उम्मीद है कि उन्हें जल्द से जल्द आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना रिपोर्ट का नहीं हुआ विरोध

बंगलूरू, 18 अप्रैल। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को कहा कि गुरुवार शाम हुई राज्य मंत्रिमंडल की विशेष बैठक में सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट (जिसे जाति जनगणना के नाम से भी जाना जाता है) का कोई विरोध नहीं हुआ। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बैठक में मंत्री न ही आपस में तेज आवाज में बोले और न ही कोई बहस हुई। सिद्धारमैया ने कहा, कल मंत्रिमंडल में रिपोर्ट पर चर्चा हुई थी। रिपोर्ट पूरी नहीं थी, इसलिए इसे अगली बैठक तक के लिए टाल दिया गया है। किसी ने इसका विरोध नहीं किया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने मीडिया की उन खबरों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि कुछ मंत्री आपस में भिड़ गए थे। वहीं, उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने भी कहा कि बैठक में कोई बहस या ऊंची आवाज में बातचीत नहीं हुई। उन्होंने कहा, हमने बस अपनी राय साझा की। न कोई बहस हुई, न किसी ने ऊंची आवाज में बात की। बस, सुझाव दिए। इसके अलावा, कुछ भी तय नहीं हुआ है। राज्य के कानून मंत्री एच.के.पाटिल ने बताया कि बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि सर्वेक्षण के लिए कौन-कौन से मापदंड इस्तेमाल किए गए। मंत्रियों ने तकनीकी जानकारी और विवरण मांगा है और मंत्रिमंडल की अगली बैठक दो मई को होगी।

कभी किसी उपराष्ट्रपति को ऐसी राजनीतिक टिप्पणी करते नहीं देखा: सिब्बल

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। उपराष्टपति जगदीप धनखड़ ने राष्टपति और राज्यपालों को विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय सीमा निर्धारित करने वाले सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले की आलोचना की थी। उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि, यह असंवैधानिक है और उन्होंने कभी किसी राज्यसभा के सभापति को इस तरह का राजनीतिक बयान देते नहीं देखा। कपिल सिब्बल ने कहा कि उपराष्टपति को राष्टपति और राज्यपाल के बारे में पता होना चाहिए, जिन्हें मंत्रियों की सहायता और सलाह पर काम करना होता है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिब्बल ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से विधेयकों को रोकना वास्तव में विधानमंडल की सर्वोच्चता में दखलंदाजी है। यह धनखड़ जी (उपराष्टपति) को पता होना चाहिए, वे पूछते हैं कि राष्टपति की शक्तियों को कैसे कम किया जा सकता है, लेकिन शक्तियों को कौन कम कर रहा है? कपिल सिब्बल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच समान दूरी बनाए रखते हैं और वे पार्टी के प्रवक्ता नहीं हो सकते। उन्होंने आगे कहा, सभी जानते हैं कि लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी दोनों के बीच में होती है। वह सदन के अध्यक्ष होते हैं, किसी एक पार्टी के अध्यक्ष नहीं। वे भी मतदान नहीं करते, वे केवल तब मतदान करते हैं जब बराबरी होती है। यही बात उच्च

सदन के साथ भी है। आप विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी के बीच समान दूरी पर होते हैं। इस दौरान कपिल सिब्बल ने जोर देते हुए कहा, आप जो भी कहते हैं, वह समान दूरी पर होना चाहिए। कोई भी अध्यक्ष किसी पार्टी का प्रवक्ता नहीं हो सकता। मैं यह नहीं कहता कि वह हैं, लेकिन सिद्धांत रूप में कोई भी अध्यक्ष किसी भी पार्टी का प्रवक्ता नहीं हो सकता। अगर ऐसा लगता है तो कुर्सी की गरिमा कम हो जाती है। उपराष्टपति धनखड़ ने गुरुवार को न्यायपालिका की तरफ से राष्टपति के लिए निर्णय लेने और सुपर संसद के रूप में कार्य करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने पर सवाल उठाते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता। उन्होंने न्यायपालिका के लिए ये कड़े शब्द राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहे, कुछ दिनों पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्टपति और राज्यपाल की तरफ से विचार के लिए रखे गए विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समयसीमा तय करने की मांग की थी। इस पर उपराष्टपति ने कहा, इसलिए, हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता। न्यायिक दखल को लेकर उपराष्टपति जगदीप धनखड़ की तरफ से जताई गई नाराजगी से असहमति जताते हुए कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता तो सत्ता में बैठे लोगों के मनमाने कार्यों और निर्णयों के खिलाफ लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए एक परमाणु मिसाइल की तरह है। भारतीय लोकतंत्र में कोई सांविधानिक पद नहीं, बल्कि संविधान सर्वोच्च है। उपराष्टपति ने सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण शक्ति देने वाले संविधान के अनुच्छेद 142 को लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए न्यायपालिका के पास चौबीसों घंटे उपलब्ध परमाणु मिसाइल करार दिया था। कांग्रेस महासचिव रणजीत सुरजेवाला ने इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मैं माननीय उपराष्टपति का उनकी बुद्धिमत्ता और वाक्पटुता के लिए बहुत सम्मान करता हूं लेकिन मैं उनके शब्दों से ससम्मान असहमत हूं। उन्होंने कहा कि राज्यपालों और राष्टपति की शक्तियों पर सांविधानिक बंधन लगाने वाला उच्चतम न्यायालय का निर्णय सामयिक, सटीक, साहसी हैं और इस धारणा को दुरुस्त करता है कि उच्च पदों पर रहने वाले लोग अपनी शक्तियों के उपयोग में किसी भी बंधन या नियंत्रण और संतुलन लगाने से ऊपर हैं। हमारे लोकतंत्र में भारत का संविधान ही सर्वोच्च है। कोई भी कार्यालय, चाहे वह राष्टपति या प्रधानमंत्री या राज्यपाल का हो, इतना ऊंचा नहीं है कि वह सांविधानिक औचित्य के दायरे से ऊपर हो। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने भी उपराष्टपति धनखड़ की टिप्पणी पर असहमति जताई है।

क्या राज्यों के अधिकारों की मांग करना गलत है: स्टालिन

तिरुवल्लूर (तमिलाडु), 18 अप्रैल। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार ध्यान भटकाने के लिए नीट और परिसीमन जैसे मुद्दों पर जोर दे रही है। उन्होंने शाह को चुनौती दी कि अगर द्रमुक सरकार वास्तव में ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है तो वह राज्य के लोगों को स्पष्ट जवाब दें। स्टालिन यहां विभिन्न सरकारी योजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के मौके पर आयोजित एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु और द्रमुक ही नीट सहित अन्य मुद्दों पर आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, चाहे वह नीट हो या तीन भाषा नीति, वफ्फ संशोधन अधिनियम हो या परिसीमन..केवल हम ही इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं। अमित शाह ने कहा था कि हम ध्यान भटकाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि तमिलनाडु भारत के सभी राज्यों के लिए संघर्ष कर रहा है। क्या राज्यों के अधिकारों की मांग करना गलत है। द्रमुक प्रमुख ने राज्य विधानसभा से पारित विधेयकों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि राज्य ने शीर्ष कोर्ट का रुख किया और राज्य के राज्यपाल के खिलाफ ऐतिहासिक फैसला आया, क्योंकि उन्होंने कुछ नहीं किया। उन्होंने आगे कहा कि यह द्रमुक की ताकत है और इसका एहसास पूरे देश को हो चुका है। स्टालिन ने केंद्रीय गृह मंत्री से पूछा, अगर हम लोगों का ध्यान भटका रहे हैं, तो आप इन सवालों का साफ-साफ जवाब दीजिए। क्या आप नीट से छूट दे सकते हैं? क्या आप गारंटी दे सकते हैं कि हिंदी थोपी नहीं जाएगी? क्या आप बता सकते हैं कि केंद्र ने तमिलनाडु को कितनी निधि (फंड) दी है और क्या आप आश्वासन दे सकते हैं कि परिसीमन के बाद संसद में हमारी सीटें कम नहीं होंगी? शाह ने 11 अप्रैल को द्रमुक पर निशाना साधा था।

अमेरिका में पांच लाख का इनामी खालिस्तान समर्थक आतंकी पासिया गिरफ्तार

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में खालिस्तान समर्थक संदिग्ध आतंकी व गैंगस्टर हैप्पी पासिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर भारत के चंडीगढ़ के साथ ही पंजाब में कई हमले करने का आरोप है। उसे इमिग्रेशन एंड कस्टम इंफोर्समेंट ने कस्टडी में ले लिया है। उसकी गिरफ्तारी पर भारतीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पांच लाख रुपये का इनाम रखा था। गिरफ्तारी रात को की गई। जांच एजेंसियों को पता चला है कि पासिया पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक वह पाकिस्तान में छिपे खालिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा के लिए भी काम करता था। इसके निशाने पर पंजाब के जालंधर के एक पूर्व पुलिस अधीक्षक और उनका परिवार था। उसे जल्द ही भारत लाया जाएगा।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान से की 1971 के अत्याचारों पर सार्वजनिक माफी की मांग

ढाका। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच 15 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद विदेश सचिव स्तर की वार्ता आयोजित हुई, जिसमें बांग्लादेश ने ऐतिहासिक और संवेदनशील मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विशेष रूप से, बांग्लादेश ने 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तान सेना द्वारा किए गए अत्याचारों के लिए औपचारिक और सार्वजनिक माफी की मांग दोहराई। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि बैठक में अब भी मौजूद कई असुलझे मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें सबसे अहम 1971 के युद्ध के दौरान हुई घटनाएं रहीं, जिनमें लाखों लोगों की जान गई और हजारों महिलाओं को शोषण का शिकार होना पड़ा। बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन ने बैठक के बाद बताया कि पाकिस्तान के साथ स्थायी और सकारात्मक रिश्ते स्थापित करने के लिए पुराने विवादों का समाधान आवश्यक है। उन्होंने 4.32 अरब डॉलर के वित्तीय दावे के साथ-साथ 'फंसे हुए पाकिस्तानियों' की वापसी और 1970 के चक्रवात के दौरान मिली अंतरराष्ट्रीय मदद के वितरण जैसे विषयों को भी उठाया। पाकिस्तान की ओर से विदेश सचिव अमना बलूच ने बैठक में हिस्सा लिया। हालांकि पाकिस्तान ने फिलहाल इन मुद्दों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन दोनों पक्षों ने वार्ता जारी रखने की इच्छा जताई है।

पोखरा हवाईअड्डा निर्माण में एक हजार करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का खुलासा, संसदीय जांच समिति ने सौंपी रिपोर्ट

काठमांडू। चीन से महंगा ऋण लेकर बनाए गए पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण में एक हजार करोड़ रुपये के घोटाला होने का खुलासा संयुक्त संसदीय समिति की जांच में हुआ है। संसद की इस जांच समिति ने 11 बिंदुओं में अनियमितता होने और इससे संबंधित दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की है। आरपीपी अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन के संयोजकत्व में गठित इस समिति ने जांच रिपोर्ट संसद की लेखा समिति को सौंप दी है। जांच रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया है कि इस परियोजना की प्रारंभिक अनुमानित लागत 1272 करोड़ रुपये थी, जिसे बाद में भ्रष्टाचार की नीयत से बढ़ाकर 2200 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया गया। निर्माण कार्य पूरा होने पर कुल 2600 करोड़ का भुगतान किए जाने का प्रमाण मिला। राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि सिर्फ टैक्स छूट के नाम पर 200 करोड़ रुपये से अधिक का भ्रष्टाचार हुआ है और महालेखा परीक्षक ने भी रिपोर्ट के माध्यम से इस मामले को सार्वजनिक किया है। निर्माण प्रक्रिया के दौरान हजारों करोड़ रुपये का गबन किया गया है। लिंगदेन ने कहा कि इस मामले में मुकदमा चलाने के लिए एंटी करप्शन ब्यूरो को सिफारिश करने का निर्णय लिया गया है। जांच समिति के एक सदस्य तथा पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री प्रेम आले के अनुसार पोखरा हवाई अड्डे के निर्माण में अनियमितताएं देश में सबसे बड़े भ्रष्टाचार मामलों में से एक हैं।

नेपाल में राजशाही के पक्ष में आंदोलित नेताओं की रिहाई के लिए आरपीपी 20 अप्रैल को करेगी प्रदर्शन

काठमांडू। राजशाही के पक्ष में आंदोलित राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने अपने गिरफ्तार नेताओं की रिहाई के लिए काठमांडू में 20 अप्रैल को प्रदर्शन करने की घोषणा की है। आरपीपी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि इनकी बिना शर्त रिहाई की मांग करते हुए जरूरत हुई तो उनके पार्टी के नेता कार्यकर्ता गिरफ्तारी भी दे सकते हैं। पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक के बाद आरपीपी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि राजशाही के पक्ष में आंदोलन के दौरान उनकी पार्टी के दो बड़े नेताओं की गिरफ्तारी हुई है, जिसके विरोध में उनकी पार्टी ने 20 अप्रैल को प्रदर्शन करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने काठमांडू के अधिकांश स्थानों को निषेधित क्षेत्र घोषित किया हुआ है।

नेपाल के 'लिटिल बुद्ध' राम बहादुर बमजन यौन शोषण के मामले में निर्दोष साबित

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में लिटिल बुद्ध के नाम से मशहूर आध्यात्मिक नेता राम बहादुर बमजन को जनकपुर हाई कोर्ट ने बाल यौन शोषण के एक मामले में बरी कर दिया है। जस्टिस खेमराज भट्ट और नरिश्वर भंडारी की खंडपीठ ने जिला अदालत के फैसले को दोषपूर्ण बताते हुए तर्क दिया कि तय सीमा की समाप्ति के बाद बमजन के खिलाफ मामला दायर किया गया था। लिटिल बुद्ध के नाम से मशहूर बमजन 2005 में भोजन या पानी के बिना ही महीनों तक ध्यान में रहने के बाद अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आए थे। विदेशी मीडिया खास कर भारत के मीडिया में बमजन के बारे में लगातार खबर आने के बाद तपस्या करते बमजन का दर्शन करने दूर-दूर से लोग नेपाल के उस जंगल में जाने लगे।वह पिछले कुछ समय से अपने ही आश्रम में रहने वाले बालकों के यौन शोषण और अपने चार शिष्यों के

गायब होने सहित विभिन्न आरोपों की जांच के घेरे में हैं। उन पर अगस्त, 2016 में सर्लाही में अपने पठारकोट आश्रम में 15 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार करने और उसे चुप रहने की धमकी देने का आरोप था। सर्लाही की जिला अदालत ने एक जुलाई, 2024 को इसी मामले में बमजन को यौन शोषण का दोषी ठहराया था, जिसे जनकपुर हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी।हाई कोर्ट ने जिला अदालत के फैसले को पलटते हुए लिटिल बुद्ध को यौन शोषण के आरोपों से बरी कर दिया। बुधवार को हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सर्लाही जिला अदालत से तपस्वी बमजन के खिलाफ दी गई 10 साल की जेल की सजा और 5 लाख रुपये का जुर्माना लागू नहीं किया जा सकता है, क्योंकि फैसले में ही त्रुटि है। हाई कोर्ट ने कहा कि मामला 1 फरवरी, 2017 तक दायर किया जाना चाहिए था, जबकि यह माला 5 फरवरी, 2017 को दायर किया गया था। बमजन पर दस बच्चों का यौन शोषण करने का आरोप लगाया गया था। कथित तौर पर उनके एक आश्रम में रहने के दौरान किए गए अपराध प्रारंभिक सजा बाल अधिनियम, 2018 पर आधारित थी, लेकिन हाई कोर्ट ने माना कि इस मामले में बाल अधिनियम को पूर्वव्यापी रूप से लागू नहीं किया जा सकता, क्योंकि कानूनी समय सीमा पारित होने के बाद शिकायत दर्ज की गई थी।

बंधक छोड़ने व इजरायली सेना की वापसी पर हमास युद्ध बंद करने को तैयार

एजेंसी

गाजा शहर। गाजा में इजरायल द्वारा की जा रही ताबड़तोड़ हमले की कार्रवाई से फिलीस्तीनी कट्टरपंथी संगठन हमास बैचेन हो गया है। उसने शर्त रखी है कि गाजा से इजरायली सेना पूरी तह से वापस हो। साथ ही फिलिस्तीनी बंदियों को भी छोड़ा जाए तो बदले में इजरायली बंदियों को भी रिहा कर देंगे। इसके बाद युद्ध भी समाप्त कर दिया जाएगा। हालांकि हमास के इस नए प्रस्ताव पर इजरायल की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।हमास के वरिष्ठ पदाधिकारी खलील अल हैया ने गुरुवार की रात एक टेलीविजन पर कहा कि यह प्रस्ताव उनकी ओर से दिया जा रहा है। यदि इस पर सहमति बनती है तो पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म किया जा सकता है। हालांकि हमास ने यह भी साफ किया है कि वह इजरायल की उस मांग को मंजूर नहीं करेंगे, जिसमें हमास को अपने हथियार डालने होंगे। गौरतलब है कि बीते दिनों इजरायल द्वारा 45 दिन के अस्थाई संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा था। इसमें शर्त रखी गई थी कि हमास को पूरी तरह से हथियार डालने होंगे। इसे हमास ने खारिज दिया था।

पाकिस्तान : अफगान शरणार्थियों का जबरन निर्वासन जारी, 2,239 भेजा गया स्वदेश

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों को जबरन वापस भेजने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी के तहत 2,239 से ज्यादा अफगानों को तोरखम बॉर्डर के रास्ते अफगानिस्तान भेजा दिया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, 31 मार्च की तय समय सीमा खत्म होने के बाद भी बड़ी संख्या में लोगों को वापस भेजने की प्रक्रिया जारी रही। एक्सप्रेस ट्रिब्यून से बात करते हुए खैबर के डिप्टी कमिश्नर बिलाल शाहिद ने बताया कि जो शरणार्थी वापस भेजे जा रहे हैं, वे पंजाब और खैबर-पख्तूनख्वा के अलग-अलग जिलों में रह रहे थे। ट्रांजिट कैंप में पहुंचे लोगों में से 894 अफगान नागरिकों के पास कोई दस्तावेज नहीं थे, जबकि 636 के पास अफगान सिटीजन (एसीसी) कार्ड थे। इसके अलावा 709 अफगानों को पंजाब और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के अलग-अलग इलाकों से सीधे तोरखम बॉर्डर लाया गया।

अफगानिस्तान के उद्योग और व्यापार मंत्री नूरुद्दीन अजीजी की अगुवाई में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान गया। जारी

एक बयान में मंत्री ने कहा कि अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने के मामले में किसी प्रभावी समाधान के लिए पाकिस्तान के साथ बातचीत करना बहुत जरूरी है। अफगान सरकारी बख्तर समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्री ने शरणार्थियों की स्वैच्छिक वापसी की वकालत की और कहा कि इसमें यूएनएचसीआर (संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी) के तय किए गए नियमों का पालन किया जाना चाहिए, ताकि यह प्रक्रिया सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से हो। पाकिस्तान से लौट रहे अफगान लोगों की संख्या बढ़ रही है। हाल ही में तोरखम बॉर्डर से अफगानिस्तान पहुंचे कई लोगों ने कहा कि अब उनके पास न तो रहने के लिए कोई घर है और न ही घर बनाने के लिए जमीन। अफगान मीडिया चैनल टोलो के मुताबिक, पाकिस्तान से निकाले गए प्रवासी मोहम्मद नबी ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे लिए रोजगार के मौके पैदा किए जाएं। हमारे पास न घर है, न जमीन। हमारा सारा सामान पीछे छूट गया है। हमारे पास न कोई काम है और न ही किसी ने हमारे लिए रोजगार की व्यवस्था की है। लेकिन इस वक्त हमारी सबसे बड़ी ज़रूरत एक ठिकाना है।

साझेदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एलन मस्क की फोन पर चर्चा

एजेंसी

न्यूयार्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्होंने टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क के साथ फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग को बढ़ाने के बारे में चर्चा की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'एलन मस्क से बात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान उठे विषय भी शामिल थे। हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर बातचीत की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।' टेस्ला देश में मैन्युफैक्चरिंग बेस स्थापित करने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। वहीं मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने मार्च में भारत में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं लाने के लिए मस्क की स्पेसएक्स के साथ एक समझौते की घोषणा की थी। टेलीकॉम टाइकून सुनील भारती मित्तल की भारती एयरटेल ने भी स्पेसएक्स के

साथ इसी तरह की साझेदारी की है। प्रधानमंत्री मोदी और मस्क की इससे पहले फरवरी में पीएम मोदी की अमेरिका की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान मुलाकात हुई थी। दोनों ने इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग के बारे में आशा व्यक्त की थी। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने एलन मस्क के तीन बच्चों को किताबें भेंट कीं। उन्होंने उन्हें रवींद्रनाथ टैगोर की 'द क्रिसेंट मून', 'द ग्रेट आरके नारायण कलेक्शन' और पंडित विष्णु शर्मा की 'पंचतंत्र' किताब भेंट कीं। प्रधानमंत्री ने बाद में बच्चों की तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वे किताबें पढ़ते हुए दिखाई दे रहे थे।

प्रधानमंत्री ओली की माओवादी को चेतावनी, कहा-द्वंदकाल के दौरान किए गए अपराधों को माफ नहीं किया जाएगा

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने विपक्षी दल माओवादी को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि नेपाल के दशकों तक लंबे सशस्त्र संघर्ष के दौरान तत्कालीन विद्रोही समूह माओवादी द्वारा किए गए जघन्य अपराधों को किसी भी बहाने माफ नहीं किया जा सकता है। नेपाल के पूर्व सैनिकों और पुलिस संगठन के छठे राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सशस्त्र संघर्ष के कारण पीड़ित हुए एक-एक नेपाली नागरिक को न्याय दिलाने के लिए उनकी सरकार कटिबद्ध है। माओवादी विद्रोहियों द्वारा आम नागरिकों और नेपाल के सुरक्षा बलों के साथ किए गए अमानवीय और जघन्य अपराधों को आम माफी नहीं दी जा सकती है। इसके लिए नेपाल सरकार ने बार बार अंतराष्ट्रीय जगत के सामने प्रतिबद्धता भी व्यक्त की

है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संक्रमणकालीन न्याय संपादन के लिए गठित सत्य निरूपण आयोग और लापता व्यक्तियों की जांच के लिए आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ ही न्याय प्रदान करने के लिए प्रभावी ढंग से काम किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि संक्रमणकालीन न्याय आयोगों के पुनर्गठन में और कोई देरी नहीं होगी। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि देश ने द्वंद्व काल के पृष्ठ को बदल दिया है और लोकतंत्र को गले लगा लिया है। किसी भी भ्रम या बहाने के तहत हत्या, हिंसा, धार्मिक अतिवाद या अराजकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब हम गठबंधन सरकार में हैं। हमारे पास एकता और राष्ट्र निर्माण की विरासत है और हम एक संप्रभु, एकीकृत नेपाल को नई पीढ़ी को सौंपेंगे। हम राष्ट्रीय गरिमा से समझौता नहीं करेंगे या अपनी सीमाओं को कम करने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने नेपाल जैसे विविध देश में सामाजिक सद्भाव के महत्व पर प्रकाश डाला और पूर्व सैन्य और पुलिस कर्मियों से देश के मार्गदर्शक सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव के बिना राष्ट्रीय एकता संभव नहीं है। सरकार इस मिशन का नेतृत्व कर रही है और हमें अपने पूर्व सैनिकों और सुरक्षा समुदाय से अटूट समर्थन की आवश्यकता है।

यूक्रेन के प्रति नरम पड़े ट्रम्प, कहा- युद्ध के लिए जेलेंस्की जिम्मेदार नहीं

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्र्म्प के यूक्रेन के प्रति सुर बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए जेलेंस्की जिम्मेदार नहीं हैं। वह जल्द ही यूक्रेन के साथ एक मिनरल्स डील (खनिज उत्पादन से संबंधित) पर हस्ताक्षर करने की तैयारी कर रहे हैं। इस समय इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी अमेरिका की यात्रा पर हैं।मेलोनी के साथ वार्ता के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि वह जेलेंस्की को युद्ध के लिए जिम्मेदार नहीं मानते। लेकिन इस बात से भी खुश नहीं हूं कि उस क्षेत्र में युद्ध हो रहा है। साथ ही उन्होंने जल्द ही युक्रेन के साथ मिनरल्स डील पर हस्ताक्षर करने की बात कही। ट्रम्प ने यह बयान इटली की प्रधानमंत्री के सामने दिया है, इसलिए भी इसे खासा अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति की शपथ लेने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रम्प युद्ध को लेकर जेलेंस्की पर खासे हमलावर रहे हैं। उन्होंने बीते दिनों व्हाइट हाउस में जेलेंस्की को युद्ध के लिए जिम्मेदार बताया था। इस दौरान ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच वाकयुद्ध तक हो गया था। उसके बाद जेलेंस्की ने ट्रम्प को यूक्रेन आकर रूस द्वारा मचाई गई तबाही को देखने का न्यौता दिया था।

ईरान को कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे : बेंजामिन नेतन्याहू

एजेंसी

यरूशलम । प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दोहराया कि इजरायल ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने नहीं देगा। उनका यह बयान तेहरान और अमेरिकी प्रशासन के बीच नए परमाणु समझौते पर नए सिरे से बातचीत की खबरों के बीच सामने आया। नेतन्याहू के कार्यालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा, ÷प्रधानमंत्री ने एक से अधिक बार स्पष्ट किया है- इजरायल ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने नहीं देगा। कार्यालय ने कहा कि नेतन्याहू ने 'ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ अनगिनत प्रत्यक्ष और गुप्त अभियान चलाए हैं' और 'ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ वैश्विक अभियान का नेतृत्व किया है।' ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने पिछले ओमान की राजधानी मस्कट में अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव

विटकॉफ से तेहरान के परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे पर मुलाकात की। दोनों पक्षों ने इस बैठक को 'रचनात्मक' बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मार्च की शुरुआत में कहा था कि संयुक्त अरब अमीरात के माध्यम से ईरानी नेताओं का एक पत्र मिला है, जिसमें तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता का प्रस्ताव दिया गया था। ईरान बाद में अप्रत्यक्ष वार्ता पर सहमत हो गया।इजरायल और पश्चिमी सरकारें लंबे समय से ईरान पर परमाणु हथियार क्षमता हासिल करने का आरोप लगाती रही हैं। हालांकि तेहरान इस आरोप का खंडन करता आया है। नेतन्याहू का यह बयान शनिवार को रोम में अमेरिका और ईरानी प्रतिनिधिमंडलों के बीच ओमानी मध्यस्थता वाली दूसरे दौर की वार्ता से पहले आया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर मध्यस्थता के जरिए समझौता करने के ट्रंप के प्रयास नेतन्याहू की सैन्य कार्रवाई का उपयोग करके इस मुद्दे से निपटने की लंबे समय से चली आ रही नीति के विपरीत प्रतीत होते हैं।

अमेरिकी विश्वविद्यालय में गोलीबारीः 2 की मौत, 6 घायल

एजेंसी

वाशिंगटन । फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी (एफएसयू) कैंपस में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। घायलों और हमले के आरोपी को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने संदिग्ध को गोली मारने के बाद पकड़ लिया। लियोन काउंटी के शेरिफ वाल्टर मैकनील ने बताया कि हमले के आरोपी का नाम फीनिक्स इकनर है, जिसकी उम्र 20 साल है। वह एफएसयू का छात्र है और एक डिप्टी शेरिफ का बेटा है। जांच में पता चला कि संदिग्ध ने अपनी मां के पुराने हथियार का इस्तेमाल किया, जो अब भी उसकी मां के नाम पर है। यह हथियार मौके पर मिला। उसके पास एक शॉटगन भी थी। शेरिफ ने बताया कि डिप्टी शेरिफ पिछले 18 सालों से एजेंसी के लिए काम कर रहे हैं और उन्होंने हमेशा शानदार तरीके से अपनी सेवा दी है। शेरिफ मैकनील ने कहा कि अफसोस की बात है कि डिप्टी शेरिफ के बेटे ने हथियार का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि

आरोपी शूटर लियोन काउंटी शेरिफ कार्यालय की युवा सलाहकार टीम का लंबे समय से हिस्सा रहा है और उसने कई ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा लिया था। शेरिफ ने कहा कि वह लियोन काउंटी शेरिफ कार्यालय से काफी जुड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में जान गंवाने वाले दोनों लोग छात्र नहीं थे। अभी तक उनके नाम नहीं बताए गए हैं। तल्हासी पुलिस ने करीब 3:15 बजे दोपहर में बताया कि कैंपस को सुरक्षित कर लिया गया है, लेकिन जांच के लिए अभी भी कई पुलिस एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं। एफएसयू ने ट्वीट कर बताया कि अब कोई खतरा नहीं है। विश्वविद्यालय ने कहा कि छात्र संघ और कैंपस के कुछ अन्य भवनों में जाने से बचना चाहिए, क्योंकि उन्हें अभी भी अपराध स्थल माना जा रहा है। एफएसयू ने बताया कि पुलिस ने दोपहर करीब 12:01 बजे छात्र संघ क्षेत्र में सक्रिय शूटर की सूचना मिलने पर कार्रवाई की। पुलिस ने बाद में बताया कि हमलावर ने सुबह करीब 11:50 बजे गोलीबारी शुरू की। स्कूल ने कैंपस में मौजूद लोगों के लिए चेतावनी जारी करते हुए कहा, 'सुरक्षित स्थान पर जाएं और अगले निर्देशों का इंतजार करें।'विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को सभी दरवाजे और खिड़कियां बंद करने और उनसे दूर रहने की सलाह दी है।

ईरान-यूएस वार्ता से पहले सऊदी रक्षा मंत्री की तेहरान यात्रा, रिश्तों में नया मोड़

एजेंसी

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर होने वाली वार्ता से ठीक पहले सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान आधिकारिक यात्रा पर तेहरान पहुंचे। इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान उन्होंने ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से मुलाकात की और सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअजिज का विशेष संदेश सौंपा।

यूक्रेन में भारतीय दवा कंपनी के वेयरहाउस पर हमला : रूस ने दी सफाई, कहा– नहीं था निशाना

एजेंसी

कीएव। यूक्रेन की राजधानी कीएव में स्थित भारतीय दवा कंपनी कुसुम हेल्थकेयर के वेयरहाउस पर हुए हमले को लेकर रूस ने सफाई दी है। भारत स्थित रूसी दूतावास ने एक आधिकारिक बयान जारी कर यूक्रेन के आरोपों को खारिज किया है। यूक्रेन ने दावा किया था कि 12 अप्रैल को रूस ने ड्रोन हमले के ज़रिए इस भारतीय स्वामित्व वाले वेयरहाउस को निशाना बनाया, जिससे वहां भयंकर आग लग गई। यह फार्मा वेयरहाउस कुसुम ग्रुप की यूनिट 'ग्लैडफार्म' का हिस्सा है, जो यूक्रेन में दवाओं की आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रूस ने साफ किया है कि उसकी सेनाओं ने किसी भी सिविलियन या विदेशी संपत्ति को निशाना नहीं बनाया। दूतावास के अनुसार, उस दिन की सैन्य कार्रवाई विशेष रूप से यूक्रेनी सैन्य प्रतिष्ठानों पर केंद्रित थी, जिनमें विमान संयंत्र, सैन्य एयरबेस ढांचा, बख्तरबंद वाहन

मरम्मत केंद्र और ड्रोन असेंबली वर्कशॉप शामिल थे। रूसी पक्ष ने यह भी कहा कि संभवतः यूक्रेनी एयर डिफेंस सिस्टम की कोई मिसाइल लक्ष्य चूक गई, और वही आबादी वाले इलाके में गिर गई, जिससे वेयरहाउस में आग लग गई। बयान में यह भी जोड़ा गया कि 'इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं।'

यूक्रेन ने इसे जानबूझकर किया गया हमला बताया है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि कुसुम ग्रुप ने युद्ध के दौरान यूक्रेनी नागरिकों को मानवीय सहायता दी थी, जो इस हमले का संभावित कारण हो सकता है। भारत की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि भारतीय दूतावास स्थिति पर नज़र बनाए हुए है और यूक्रेन में रह रहे भारतीय नागरिकों व कंपनियों की सुरक्षा को लेकर सतर्क है। कुसुम हेल्थकेयर एक जानी-मानी भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनी है, जिसकी उपस्थिति यूक्रेन, कज़ाकिस्तान और भारत सहित कई देशों में है। कंपनी यूक्रेन में औषधीय जरूरतों की पूर्ति के लिए लंबे समय से कार्यरत है और वहां की स्वास्थ्य प्रणाली में अहम योगदान दे रही है। इस घटना ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच विदेशी कंपनियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है, खासतौर पर उन कंपनियों की जो मानवीय आधार पर युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में सेवाएं दे रही हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011–41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संविधान पर हमला बर्दाश्त नहीं, लोकतंत्र के चारों स्तंभों का सम्मान जरूरी :प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद प्रमोद तिवारी ने समाचार एजेंसी खास बातचीत में सुप्रीम कोर्ट द्वारा वक्फ कानून पर केंद्र सरकार से जवाब तलब करने, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पर विपक्ष का पक्ष और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के न्यायपालिका को लेकर दिए गए बयान पर टिप्पणी की। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा न्यायपालिका पर की गई टिप्पणी पर प्रमोद तिवारी ने कहा कि महामहिम राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों में सर्वोच्च हैं। मैं उनकी बातों पर कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करूंगा। लेकिन यह जरूर कहूंगा कि भारत का संविधान स्पष्ट है। लोकतंत्र चार स्तंभ पर टिका है- विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और पत्रकारिता। हर स्तंभ के पास अपने-अपने अधिकार हैं और उनका हनन नहीं होना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 142 और 145 पर न्यायालयों ने समय-समय पर अलग-अलग राय दी है और उन सभी का सम्मान है। वक्फ संशोधन कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा वक्फ बोर्ड की नियुक्तियों पर रोक लगाए जाने और केंद्र सरकार से जवाब मांगे जाने के फैसले का तिवारी ने समर्थन किया।

दिल्ली में अवैध ढाबों पर मनजिंदर सिंह सिरसा का सख्त एक्शन, तुरंत सील करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरु गोविंद सिंह अस्पताल के पास रघुबीर नगर इलाके का दौरा किया। वहां, उन्होंने सड़कों और आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान मनजिंदर सिंह सिरसा एक्शन मोड में दिखे। उन्होंने अधिकारियों को अवैध ढाबों और कोयले के तंदूरों को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। इस मौके पर मनजिंदर सिंह सिरसा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि अवैध ढाबे, पार्किंग और प्रतिबंधित कोयले के तंदूर, जो प्रदूषण फैलाने का काम कर रहे हैं, उन्हें हटाने का अधिकारियों को आदेश दिया है। आज ही इन्हें सील किया जाए और उनके मीटर काटे जाएंगे। हमें दिल्ली को विकसित और खूबसूरत दिल्ली बनाना है। प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार प्रदूषण को लेकर बड़े कदम उठाने जा रही है। दिल्ली के अंदर बाहर से प्रवेश करने वाले 10 से 15 साल पुराने किसी भी वाहन को प्रवेश करते ही एक संदेश मिलेगा, जिसमें चेतावनी दी जाएगी कि उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं है। हम वाहनों को पहले से संदेश भेजकर सलाह देंगे कि वे ऐसे वाहन दिल्ली में न लाएं। हम 1000 वाटर स्प्रिंकलर लगा रहे हैं, जो जियोटैग होंगे। लाउडस्पीकर को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि लाउडस्पीकर के संबंध में सभी धर्मों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए। यह धर्म की राजनीति नहीं है। सभी धर्मों को सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित दिशा-निर्देश मानने होंगे।

नाबालिग लड़के की चाकू घोंपकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

नई दिल्ली । उत्तर पूर्वी दिल्ली में सीलमपुर के जे-ब्लॉक में 17 वर्षीय एक लड़के की बेरहमी से चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान उसी इलाके के निवासी राजवीर के बेटे कुणाल के रूप में हुई है। नाबालिग लड़के पर करीब 7:38 बजे हमला हुआ था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, चाकू घोंपने की घटना की सूचना सीलमपुर थाने को मिली थी। इसके बाद कुणाल को तुरंत इलाज के लिए जेपीसी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों की पूरी कोशिश के बावजूद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद, गहन जांच के लिए क्राइम टीम को मौके पर भेजा गया। सीलमपुर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने हमलावरों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमें तैनात की हैं। वरिष्ठ अधिकारी जांच की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है। हत्या के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और संभावित गवाहों से पूछताछ कर रही है।

विपक्ष के नेताओं पर रेड पड़ना सामान्य सी बात, हैरान होने की जरूरत नहीं : सोमनाथ भारती

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक और पेशे से वकील सोमनाथ भारती ने 'आप' नेता दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई की छापेमारी को आम सी बात करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन काल में विपक्षी पार्टियों के नेताओं पर रेड पड़ना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने बात करते हुए अंग्रेजी के मशहूर वाक्यांश को कोट किया। बोले, जब एक कुत्ता इंसान को काटे तो खबर नहीं है, और जब एक इंसान कुत्ते को काटे तो यह खबर है। इसी तरह बीजेपी शासन काल में विपक्षी नेताओं पर रेड पड़ना खबर नहीं है। लेकिन, अगर भाजपा के नेताओं पर रेड पड़े तो खबर जरूर होगी। हां, जब विपक्षी पार्टियों के नेताओं पर ये एजेंसियां रेड करना बंद कर दें, तो खबर जरूर बनेगी। यह तो सामान्य है। यह एजेंसियां उनके हथियार हैं। यह रोज की बात है। इसमें किसी को हैरान नहीं होना चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि गुजरात में भाजपा की सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर नकारात्मक माहौल है।

वक्फ से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का कांग्रेस ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का कांग्रेस ने स्वागत किया है। इसके साथ ही पार्टी ने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम प्रशासनिक कदम नहीं बल्कि वैचारिक हमला है। केंद्र सरकार जिसे सुधार बता रही है, दरअसल वह अधिकारों पर प्रहार है। वक्फ को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी और कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के चेयरमैन एवं सांसद इमरान प्रतापगढ़ी यहां आज पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

सिंघवी ने कहा कि हमारे संविधान के अनुच्छेद 26 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि हर व्यक्ति को पूरा अधिकार है कि वह अपने धर्म का अभ्यास, निर्वहन और उसका प्रचार-प्रसार कर सकता है। वह धर्म से जुड़ी संस्थाओं का संचालन व प्रबंधन कर सकता है और उनके चुनावों में नामित हो

सकता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की पांच खंडपीठों के पूर्व के निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी धार्मिक वर्ग की संस्थाओं की स्वायत्तता को इस हद तक कम करना कि वह समाप्त हो जाए, असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम की धारा 11 में चुनावित श्रेणी को हटाकर शत-प्रतिशत नामांकन का प्रावधान स्वायत्तता के सिद्धांत के विरुद्ध है। वक्फ संशोधन अधिनियम के प्रावधान 9 और 14 पर सुप्रीम कोर्ट के प्रतिबंध का हवाला देते हुए सिंघवी ने कहा कि वक्फ अधिनियम का प्रावधान 9 कहता है कि केंद्रीय वक्फ परिषद के 22 सदस्यों में से 12 लोग गैर मुस्लिम हो सकते हैं। प्रावधान 14 कहता है कि वक्फ बोर्ड के 11 सदस्यों में से सात गैर मुस्लिम हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अधिनियम में एक अजीब प्रावधान है, जिसके तहत यदि बोर्ड के शत-प्रतिशत सदस्य भी अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित करते हैं, तो भी उसे तब तक नहीं हटाया जा सकता जब तक कि सरकार ऐसा न करे। यह प्रावधान लोकतांत्रिक सिद्धांतों और स्वायत्तता के खिलाफ है। अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि वक्फ बोर्ड का सीईओ गैर-मुस्लिम भी हो सकता है, जो कि एक हास्यास्पद है। सिंघवी ने कहा कि नए कानून के हिसाब से वक्फ बाय यूजर का कोई कानूनी अस्तित्व ही नहीं है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अभी तक जो घोषित या पंजीकृत वक्फ संपत्ति हैं, उनकी यथास्थिति बनी रहेगी। सिंघवी ने आगे कहा कि अधिनियम में एक अजीबोगरीब प्रावधान है कि अगर कोई वक्फ संपत्ति के बारे में आरोप लगाकर विस्तार से एक चिट्ठी लिख कर कलेक्टर को भेज देता है।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशी धरे गए

एजेंसी

नई दिल्ली । दक्षिण पश्चिमी जिले की साउथ कैंपस पुलिस ने इलाके में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशियों को पकड़ा है। पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि इन्हें विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समक्ष पेश करने के बाद उन्हें निर्वासन केंद्र भेज दिया है। इनको बांग्लादेश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आरोपितों की पहचान राबिउल इस्लाम, पत्नी सीमा, बेटा अब्राहम, पापिया खातून, सादिया सुल्ताना, सुहासिनी, आर्यन व रिफत अरा मोयना नामक बांग्लादेशियों के रूप में हुई है। पुलिस इनसे पूछताछ कर इनके अन्य साथियों के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस के मुताबिक 15 अप्रैल को साउथ कैंपस पुलिस को सत्या निकेतन इलाके में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। पुलिस ने तत्काल मौके पर जाकर आरोपित राबिउल इस्लाम को पकड़ा। पूछताछ में इससे पता चला कि वह साल 2012 में त्रिपुरा बॉर्डर से होकर अवैध रूप से भारत आया। तभी से वह दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में रह रहा था। साल 2016 में सीमा नामक लड़की से शादी करने के बाद पत्नी सीमा व बाद में बेटे अब्राहम के साथ यहां बस गया। वह दिल्ली में साफ सफाई व घरेलू सहायक का काम करता था। इसकी पत्नी भी घरेलू सहायिका थी। जांच में इसके पास से आधार कार्ड भी बरामद हुआ। उसने पुलिस को बताया कि उसके कुछ रिश्तेदार दिल्ली के कटवारिया सराय व मोती बाग इलाके में पहले से रह रहे थे। वह काम व अन्य बहाने से अक्सर वहां आया करता था। इसके बाद आरोपित की निशानदेही पर पुलिस ने पांच अन्य आरोपितों को जिले के विभिन्न इलाकों से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए बांग्लादेशियों में शामिल पापिया खातून को उसके बांग्लादेशी पति ने छोड़ दिया। इसके बाद साल 2007 में वह घोजा डोंगा बॉर्डर से होते हुए अवैध तरीके से भारत में प्रवेश कर गई।

विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार के साथ मिलकर काम करेगा केंद्र : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली सरकार के साथ मिलकर काम करेगी ताकि दिल्ली वालों के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा और जीवन की सुगमता सुनिश्चित की जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, कल यमुना की सफाई और पुनरुद्धार के साथ-साथ दिल्ली में पेयजल संबंधी समस्याओं के समाधान पर एक बैठक की अध्यक्षता की। केंद्र सरकार दिल्ली सरकार के साथ मिलकर काम करेगी ताकि दिल्ली के मेरे भाइयों और बहनों के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा और 'जीवन की सुगमता' सुनिश्चित की जा सके। प्रधानमंत्री ने यमुना नदी की मौजूदा स्थिति का आकलन, इसकी सफाई और कायाकल्प के लिए चल रही भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक में नदी को साफ करने के लिए एजेंसी-वार कार्य योजना की समीक्षा की गई। कार्य योजना में अल्पकालिक गतिविधियां (3 महीने), मध्यम अवधि की गतिविधियां (3 महीने से 1.5 वर्ष) और दीर्घकालिक गतिविधियां (1.5 से 3 वर्ष) शामिल थीं। नाली प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवेज प्रबंधन, सेप्टेज और डेयरी अपशिष्ट प्रबंधन, औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन, अपशिष्ट जल उपचार बुनियादी ढांचे की कमी की पहचान और निगरानी उपायों, यमुना नदी में प्रवाह में सुधार, बाढ़ के मैदानों की सुरक्षा, हरित नदी तट विकास और

सार्वजनिक आउटरीच के लिए की जाने वाली कार्रवाइयों पर विशिष्ट समयसीमा के साथ चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान यमुना नदी की सफाई का वादा किया था।

केजरीवाल की राजनीति अब घोटालों और फरेब की पहचान बन चुकी है: चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अब सारा देश देख रहा है कि स्वयंभू ईमानदार केजरीवाल ही इस देश में भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा चेहरा बन चुके हैं। उनकी पूरी पार्टी एक संगठित घोटालों का गिरोह बन गई है।चुघ ने कहा कि दुर्गेश पाठक के आवास पर सीबीआई द्वारा की गई छापेमारी कोई साधारण कार्रवाई नहीं बल्कि केजरीवाल के नेतृत्व में चल रही भ्रष्टाचार की साजिश का पर्दाफाश है। यह वही दुर्गेश पाठक हैं, जो गोवा विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी की राजनीतिक जिम्मेदारी संभाल रहे थे, और दिल्ली के शराब घोटाले से निकाले गए अवैध धन को 'चंदा' बताकर गोवा चुनाव में पानी की तरह बहाया। अरविंद केजरीवाल उस गिरोह के सरगना हैं, जिन्होंने ईमानदारी का झूठा चोला पहनकर देश को ठगने का काम किया है। आम आदमी पार्टी अब आम नहीं, बल्कि अपराधियों की पार्टी बन गई है। दिल्ली में मीडिया से बातचीत में तरुण चुघ ने कहा कि वर्ष

2016 में कनाडा में आयोजित एक संदिग्ध धन संग्रह कार्यक्रम और उसमें शामिल विदेशी नागरिकों के नाम पर किया गया फर्जी लेनदेन यह साबित करता है कि यह केवल चुनावी धांधली नहीं बल्कि देश की चुनावी व्यवस्था पर सुनियोजित हमला था। एक ही मोबाइल नंबर और एक ही ईमेल से सैकड़ों बार पैसा भेजा गया, एक ही पहचान पत्र का बार-बार उपयोग हुआ और इन सबकी योजना आम आदमी पार्टी द्वारा ही बनाई गई थी। तरुण चुघ ने कहा कि जब जांच एजेंसियां ऐसे भ्रष्ट नेताओं पर कार्रवाई करती हैं तो आम आदमी पार्टी तुरंत राजनीतिक प्रतिशोध की दुहाई देकर बचाव में उतर आती है परन्तु अब जनता यह समझ चुकी है कि शोर मचाने वाले ही सबसे बड़े दोषी हैं।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने बंगाल हिंसा को बताया 'शर्मनाक', ममता बनर्जी की भूमिका पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पश्चिम बंगाल में वक्फ अधिनियम को लेकर हुई सांप्रदायिक हिंसा को 'शर्मनाक' और इसे सीएम ममता बनर्जी के कामकाज पर लगा धब्बा बताया। बातचीत में सीएम गुप्ता ने कहा, 'जिस तरह से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री खुद लोगों के बीच दरार पैदा करने में लगी हैं, वह निंदनीय है।' पश्चिम बंगाल में अस्थिर स्थिति की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 'बहुत शर्मनाक है, अगर राज्य में इस प्रकार का माहौल है और उसमें खुद मुख्यमंत्री शामिल होकर जनता को बांटने का काम कर रही हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले में सांप्रदायिक हिंसा का खामियाजा भुगतने वाले हिंदू परिवारों के प्रति सहानुभूति जताई। उन्होंने कहा, 'जो हिंदू परिवार हैं, उनके ऊपर इतना अत्याचार और इतनी दर्दनाक स्थिति है कि लोगों को वहां से जाना पड़े तो एक महिला मुख्यमंत्री के लिए इससे ज्यादा शर्म की बात नहीं हो सकती है।' सीएम रेखा गुप्ता की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मुर्शिदाबाद में स्थिति की समीक्षा के लिए एक समिति के गठन का निर्देश दिया है। सीएम गुप्ता ने अपने पूर्ववर्ती और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कई मुद्दों को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया और उन्हें अवसरवादी करार दिया। मुख्यमंत्री बोलीं, 'वह अवसरवाद की राजनीति में माहिर हैं। वह केवल उन्हीं मुद्दों पर बयान देते हैं, जो उनके अनुकूल हों।' उन्होंने कहा कि केजरीवाल अपने बच्चों के नाम की कसम खाते हैं और फिर से गलत कामों में लिप्त हो जाते हैं और दागी लोगों से हाथ मिला लेते हैं। मुख्यमंत्री ने केजरीवाल के इस दावे पर आश्चर्य व्यक्त किया जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि अधिकारी उनकी सरकार को स्वतंत्र रूप से काम नहीं करने दे रहे हैं। सीएम गुप्ता ने कहा, ÷सरकार का मुखिया उनका लीडर होता है, तो देखना होता है कि वह उनसे काम लेना चाहता है या नहीं लेना चाहता। अधिकारी भी काम करना चाहते थे, उपराज्यपाल भी काम करना चाहते थे और केंद्र भी पूरा समर्थन दे रहा था। अब किसी की आदत ऐसी ही हो जाए, कि हमेशा कोसना है और मदद लेनी ही

एसआरसीसी में तीन दिवसीय क्रॉसरोड्स उत्सव का समापन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम कॉमर्स कॉलेज (एसआरसीसी) के छात्र संघ ने क्रॉसरोड्स उत्सव का आयोजन किया, जिसका समापन था। तीन दिवसीय इस उत्सव में छात्रों का उत्साह दिखाई दिया। यह उत्सव छात्रों के लिए बेहद उत्साहवर्धक रहा। इसमें कॉलेज के छात्रों के साथ-साथ अन्य महाविद्यालयों के छात्रों ने भी भाग लिया। इस उत्सव के दूसरे दिन छात्रों में ऐसा उत्साह था कि कड़कती धूप में दिन के बारह बजे वह मौत का कुआं देखने के लिए घंटों लाइनों में लगे रहे जिसमें कई बच्चों के धूप के कारण तबियत भी बिगड़ गई। श्याम और यश ने बताया कि कैसे बच्चे दो घंटे लाइनों में लगे रहे बिना ये सोचे कि तबियत खराब हो जाएगी। लंबी लाइन और धूप के वजह से दो बच्चों की हालत ज़्यादा खराब हो गई। उल्लेखनीय हैं कि क्रॉसरोड्स दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित वार्षिक कॉलेज सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है। वर्ष 1976 में शुरू हुए इस उत्सव ने हर गुजरते संस्करण के साथ नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। यह अप्रैल के महीने में आयोजित होने वाला 3 दिवसीय उत्सव है।

प्लेसमेंट 2024-25: आईआईटी दिल्ली के यूजी छात्रों को अब तक 850 अनूठे ऑफर मिले

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के स्नातक (यूजी) छात्रों को अब तक करीब 850 जॉब ऑफर मिले हैं। चालू वर्ष में ऑफर की संख्या पिछले तीन वर्षों में मिले

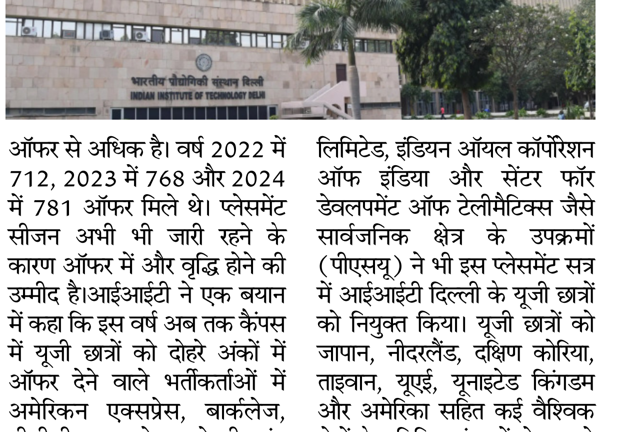

ऑफर से अधिक है। वर्ष 2022 में 712, 2023 में 768 और 2024 में 781 ऑफर मिले थे। प्लेसमेंट सीजन अभी भी जारी रहने के कारण ऑफर में और वृद्धि होने की उम्मीद है।आईआईटी ने एक बयान में कहा कि इस वर्ष अब तक कैंपस में यूजी छात्रों को दोहरे अंकों में ऑफर देने वाले भर्तीकर्ताओं में अमेरिकन एक्सप्रेस, बार्कलेज, बीसीजी, ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड, ड्यूश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गूगल, ग्रेविटन रिसर्च कैपिटल, मीशो, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, पेयू, स्क्वायरपॉइंट कैपिटल और टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने भी इस प्लेसमेंट सत्र में आईआईटी दिल्ली के यूजी छात्रों को नियुक्त किया। यूजी छात्रों को जापान, नीदरलैंड, दक्षिण कोरिया, ताइवान, यूएई, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका सहित कई वैश्विक क्षेत्रों के प्रतिष्ठित संगठनों से 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।संस्थान द्वारा किए गए एक एग्जिट सर्वे के अनुसार, 2024 में स्नातक करने वाले लगभग 30 प्रतिशत छात्रों ने विविध करियर विकल्प चुने (स्व-रोजगार/स्टार्ट-अप/उद्यमिता 7 प्रतिशत, उच्च अध्ययन 6 प्रतिशत, और सिविल/इंजीनियरिंग सेवाओं और अन्य के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं 17 प्रतिशत)। 2025 में स्नातक करने वाले यूजी छात्रों के बीच भी इसी तरह की प्रवृत्ति की उम्मीद है।

NAME CHANGE
I, Atul Kumar Jain S/O Mahavir Jain R/O Flat M-, 1st floor Royal Tower 4 Siddharth Vihar Residency Ghaziabad Uttar Pradesh 201009 have changed my name to Atul Jain for all future purposes.

NAME CHANGE
I, LOVE PRIYA S/O PURAN CHAND R/O RZ-114, BLOCK-A, KHUSHI RAM PARK, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059, have changed the name of my minor son KANISHK aged 16 years and he shall hereafter be known as KANISHK KUMAR.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Dwarika Nath Ram S/o Shri Dukhi Ram R/o RZ-33/1/195, Gali No. 14 D, Durga Park, South West Delhi, Delhi-110045 declare that name of mine has been wrongly written as Dwaraka Nath Ram in my Service Book. The actual name of mine is Dwarika Nath Ram.

NAME CHANGE
I, CHARVI D/O LOVE PRIYA R/O RZ-114, BLOCK-A, KHUSHI RAM PARK, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059,have changed my name and shall hereafter be known as CHARVI KAUR.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, PREM KUMARI Wife of JC-878481L Rank-NB/SUB Name-FOOL SINGH residing at VILL-SITARA, PO-PALA, TEHSIL-KUMHER, DIST-BHARATPUR, RAJASTHAN-321201, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 29/12/1984 instead of my correct date of birth as 31/12/1985 vide Affidavit dated 18/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JHUMBRABAI Mother of No. JC 462117P Rank- SUB, Name-TAKALE BABASAHEB PANDURANG, R/O VILL- BHOYARE PATHAR, POST-BHOYARE PATHAR, TEH-NAGAR, DIST-AHMEDNAGAR, STATE- MAHARASHTRA, PIN-414005, have changed my name from JHUMBRABAI to TAKALE JHUMBRABAI PANDURANG for all future purposes. Vide affidavit dated 15.04.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, YADAV SOPAN KHASHABA is legally father of No. JC462534F Rank-NB/SUB Name-YADAV PRAMOD SOPAN, R/O AT VIJAY-NAGAR, POST MADHAVNAGAR, TEH - MIRAJ, DIST - SANGLI, State - MAHARASHTRA, PIN-416406,have changed my name from YADAV SOPAN KHASHABA to SOPAN KHASHABA YADAV and date of birth from 14/08/1954 to 02/06/1953 for all future purposes. Vide affidavit dated 15.04.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, YADAV MALAN SOPAN is legally mother of No. JC462534F Rank- NB/SUB Name- YADAV PRAMOD SOPAN, R/O AT VIJAY-NAGAR, POST MADHAVNAGAR, TEH MIRAJ, DIST -SANGLI, State MAHARASHTRA, PIN 416406, have changed my name from YADAV MALAN SOPAN to MALAN SOPAN YADAV and date of birth from 14/08/1961 to 01/01/1956 for all future purposes. Vide affidavit dated 15.04.2025 Before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
My client Mohammad Saleem S/o Abdul Gaffar Khan R/o H. No. 184 Block -A, Gali No.4, Phase-5, Prem Nagar, Najafgarh, New Delhi-110043 has disowned their son Muhammad Arif and Daughter in law Neha from all their moveable, immovable properties & severed all relations with both of them due to their mis-behavior and mis-conduct. Myself and my family shall not be responsible towards all their future acts and deeds.
Vinod Sehrawat Advocate
Ch. No. 718-719, Layers Chamber Block Dwarka Courts, New Delhi-75
Mobile : 9213428612

NAME CHANGE
It is for general information that I DEVPALLI KEVIN GEORGE S/O DEVPALLI SUNDAR RAO R/O 374, Shree Awas Sector-18-B, Dwarka N.S.I.T. Dwarka S.O. South West Delhi, Delhi-110078, declare that name of mine, father and mother name have been wrongly written as D KEVIN GEORGE, D SUNDAR RAO and D SINDHYA RAO in my 12th class educational documents. The actual name of mine my father and mother are DEVPALLI KEVIN GEORGE, DEVPALLI SUNDAR RAO and DEVPALLI SINDHYA RAO respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, IRFAAN KHAN S/O MOD ASHFAK KHAN residing at J 3/137 J-EXTN, LAXMI NAGAR, EAST DELHI-110092 have changed my name to IRFAN KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, RESHMA is Spouse of No. JC 462117P Rank- SUB Name-TAKALE BABASAHEB PANDURANG, R/O VILL- BHOYARE PATHAR, POST- BHOYARE PATHAR, TEH-NAGAR, DIST-AHMEDNAGAR, STATE- MAHARASHTRA, PIN-414005, have changed my name from RESHMA to RESHMA BABASAHEB TAKALE for all future purposes. Vide affidavit dated 15.04.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-16019578A Rank-HAV/CLK (SD) Name-SHYAMU SINGH residing at VILL-HAZIRPUR, PO-SIKANDRA, TEHSIL-SIKANDRA, DIST-KANPUR (DEHAT), UTTAR PRADESH-209715, have changed my mother's name from BHAGWATI DEVI to BHAGWATI for all future purposes vide Affidavit dated 18/04/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, JC-767696P Rank-SUB Name-VIKASH KUMAR residing at VPO-KANHAIYACHAK, DIST-KHAGARIA, BIHAR-851216, in my service record my daughter's (SAKSHI KUMARI) date of birth wrongly mentioned as 12/01/2006 instead of her correct date of birth as 12/01/2007 vide Affidavit dated 18/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NOTICE
Public at large is hereby informed that Mr. Mukesh Bansal is the GPA holder of UPPER GROUND FLOOR WITH OUT ROOOF RIGHT, PROPERTY NO-3558, AREA MEASURING 150 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO-173 , SITUATED AT VILLAGE CHOWKRI MUBARAKABAD TRI NAGAR DELHI 110035. Initially, Sale Deed dated 26/05/1962 executed by Mr. Budhu in favour of Mr. Kanhiya Lal in respect of Plot no. 18, area measuring 200 sq. yds. As Doc no. 5725, Vol. no. 756. later, who executed Sale Deed dated 08/09/1970 in favour of Mr. Ram Swarup Saini in respect of Plot no. 18, area measuring 200 sq. yds. later, who executed GPA dated 26/12/1991 in favour of Mr. Roshan Lal in respect of Plot no. 18, area measuring 150 sq. yds., Later, ATS and Will Dated 30/12/1991 executed by Mr. Ram Swarup Saini in favour of Mrs. Santosh Devi in respect of Plot no. 18, area measuring 150 sq. yds., thereafter, GPA dated 03/03/1998 executed by Mr. Roshan Lal in favour of Mr. Mukesh Bansal in respect of Plot no. 18, area measuring 150 sq. yds, Finally, ATS and Will dated 03/03/1998 executed by Mrs. Santosh Devi in favour of Mr. Mukesh Bansal in respect of Plot no. 18, area measuring 150 sq. yds. Now, Mr. Mukesh Bansal shall sell the said property to the intended purchaser further Who intends to mortgage the said property with Bajaj Housing Finance Ltd. (BHFL) Whosoever, is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 18/4/2025
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

Missing
My father Shri Hukam Singh S/o

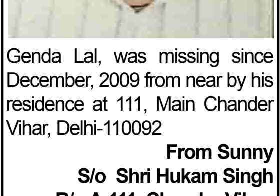

Genda Lal, was missing since December, 2009 from near by his residence at 111, Main Chander Vihar, Delhi-110092
From Sunny
S/o Shri Hukam Singh
R/o A-111, Chander Vihar,
Mandawali Fazalpur Delhi-110092 contact:9990414733

सार्वजनिक सूचना
सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अशोक चौधरी एवं श्रीमती शांति देवी, निवासी बी-ब्लॉक 319, गली नंबर 22, जे.जे. कॉलोनी, चौखंडी, पश्चिम दिल्ली - 110018, ने अपने पुत्र श्री चंदन कुमार, उनकी पत्नी जो उपरोक्त पते पर ही रहता है, को अपने सभी चल-अचल संपत्तियों से बेदखल एवं डिबार कर दिया है। यह निर्णय उनके द्वारा पुत्र की लगातार दुर्व्यवहार एवं गलत आचरण के कारण लिया गया है। उन्होंने श्री चंदन कुमार से सभी प्रकार के व्यक्तिगत, कानूनी एवं सामाजिक संबंध समाप्त कर दिए हैं। अत:, आम जनता को चेतावनी दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति श्री चंदन कुमार, उनकी पत्नी से संबंधित किसी भी प्रकार के लेन-देन या व्यवहार स्वयं के जोखिम, खर्च एवं परिणामों पर करेगा, जिसके लिए मेरे मुवक्किल उत्तरदायी नहीं होंगे।
RAHUL KUMAR Advocate
Office: RZC 1/43, Vinod Puri, Vijay Enclave, South West District, Delhi-110045
Mobile: 9636661847

खंड शिक्षा अधिकारी ने किया स्कूलों का निरीक्षण

नारनौल। खंड शिक्षा अधिकारी शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार ने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोद प्राथमिक विद्यालय गोद तथा अन्य विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने तथा सरकारी विद्यालयों में अधिक से अधिक छात्रों के नामांकन पर विशेष बल देते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना बहुत आवश्यक है। शिक्षक अपने शिक्षण कार्य से इस काम को बखूबी निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में अधिक से अधिक बच्चों के नामांकन में विद्यालय स्टाफ सदस्य अपना पूर्ण सहयोग करें तथा घर-घर जाकर बच्चों को सरकारी विद्यालय में नामांकन के लिए प्रेरित करें तथा सरकार द्वारा सरकारी विद्यालयों में दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं व सरकारी योजनाओं के बारे में अवगत करवाए, ताकि अभिभावकों व छात्रों का रुझान सरकारी विद्यालय की ओर बढ़े। उन्होंने निरीक्षण के दौरान विद्यालय की सुविधाओं के बारे में जानकारी ग्रहण की तथा आवश्यकता निर्देश दिए। उन्होंने अध्यापकों द्वारा बच्चों के नामांकन बढ़ाने में सहयोग के लिए संतुष्टि जाहिर की। इस अवसर पर गोद विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय करीरा में तीन दिवसीय संकुल स्तरीय कबड्डी व योग (बालिका) परीक्षण कार्यक्रम आयोजित

कनीना। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय करीरा में 15 से 17 अप्रैल तक चल रही तीन दिवसीय 14, 17 व 19 आयु वर्ग संकुल स्तरीय कबड्डी व योग (बालिका) परीक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। मुख्यातिथि ने संबोधित करते हुए कहा कि खेलों में हार जीत होती रहती है। कोई भी खेल हो उसको खेल भावना से खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल ही नहीं बल्कि कोई भी कार्य हो अगर उसको पूरी लगन के साथ किया जाता है तो उसमें एक दिन विजय जरूर हासिल होती है। इस मौके पर उन्होंने क्षेत्रीय स्तरीय कबड्डी व योग (बालिका) के लिए चयनित बच्चों को पुरस्कृत किया। विद्यालय के प्राचार्य राजीव कुमार सक्सेना ने विद्यालय पहुंचने पर मुख्यातिथि का अभिनन्दन किया। प्राचार्य ने बताया कि 15 से 17 अप्रैल तक 14, 17 व 19 आयु वर्ग के संकुल स्तरीय कबड्डी व योग (बालिका) परीक्षण का आयोजन किया है। इस संकुल स्तरीय खेल परीक्षण में नवोदय विद्यालय समिति के जयपुर संभाग के करनाल क्लस्टर के 12 विद्यालय यमुनानगर, जींद, हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, पंचकूला, अम्बाला, भिवानी, रोहतक, चुरू, श्रीगंगानगर-2 व करनाल नवोदय के बच्चों ने भाग लिया।

तावडू उपमंडल में लाखों की आबादी होने पर भी शहर में पार्किंग की सुविधा नहीं, लोग परेशान

तावडू। शहर में दुकानदार और बाजार में आने वाले ग्राहकों को वाहन खड़ा करने के लिए पार्किंग की सुविधा नहीं है। जिसको लेकर रोजाना वाहनों के मालिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पिछले लंबे समय से क्षेत्रवासी शहर में वाहन पार्किंग की मांग करते आ रहे हैं। बाजार में आने वाले वाहन चालकों को अपना वाहन पार्क करने के लिए सदर थाना तावडू की पार्किंग का इस्तेमाल करना पड़ता है। इससे पुलिस प्रशासन को भी असुविधा हो रही है। शहर की समाजसेवी संस्थाओं द्वारा इस समस्या को अनेकों बार प्रशासन के सम्मुख रखा। लेकिन प्रशासन ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। जिस कारण शहर के विभिन्न चौक-चौहराहों पर वाहनों के खड़े होने से जाम की स्थिति हमेशा बनी रहती है। पुलिस प्रशासन इनका गुस्सा तिपहिया वाहन चालकों पर उतारकर इतिश्री कर देता है। जबकि शहर में दुकानदारों द्वारा दुकान के आगे लगभग 10 से 15 फुट तक अतिक्रमण किया हुआ है। प्रशासन भी समय-समय पर इस अतिक्रमण को हटाता रहता है। इधर अतिक्रमण दस्ता अतिक्रमण हटाता है और वापिस आने तक पुनः अतिक्रमण हो जाता है। जिसकी समुचित व्यवस्था न होने के कारण वाहन चालक वाहनों को दुकानों के आगे खड़ा कर देते हैं। वहीं टैंपो चालक भी सवारियों को बैठाने के लिए वाहनों के आगे टैंपो खड़ा कर देते हैं।

किसानों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिएः डॉक्टर चौधरी

तावडू। फसलों की कटाई का अंतिम चरण चल रहा है और कटाई के दौरान उड़ने वाली धूल से सांस व चर्म रोग के रोगियों में बढ़ोतरी हो रही है। जिसको लेकर किसानों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। यह विचार डॉक्टर राम अवतार चौधरी ने रखे। उन्होंने कहा कि आज आधुनिकता की दौड़ में जहां मजदूरों का अभाव हो गया है। वहीं किसान फसलों की कटाई मशीनों से करा रहा है। जिससे फसलों की कटाई व उठाई करते समय धूल के कण हवा में भारी संख्या में मिल रहे है। जिससे सांस व चर्म रोग के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने किसानों व मजदूरों से अपील करते हुए कहा कि काम करते समय ज्यादा से ज्यादा सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि फसलों की कटाई करते समय चेहरे को कपडे से बांध ले। शाम को सोने से पहले चेहरे को ठंडे पानी से धोयें। धूल से उड़ रहे कणों से आंखों में गिरने से एलर्जी न हो इसलिए पानी के छींटों से आंखों को दिन में कई बार धोएं।

यूएचबीवीएन के 39477 और डीएचबीवीएन के 18240 गलत बिल अगले एक महीने में होंगे ठीक- अनिल विज

● बिजली चोरी के मामलों की लंबित स्थिति देखने और भुगतान के लिए विकसित होगा ऑनलाइन पोर्टल- अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन करने के साथ-साथ नई बुलंदियों को छूने के लिए राज्य की बिजली कंपनियों को ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने नए मंत्र देते हुए संबंधित अधिकारियों को विभिन्न दिशानिर्देश दिए हैं जिसके तहत हरियाणा के नागरिकों को निर्बाध और पूर्ण वोल्टेज वाली बिजली 24 घंटे उपलब्ध होगी। श्री विज ने बताया कि यूएचबीवीएन द्वारा 39477 और डीएचबीवीएन द्वारा 18240 गलत बिल बनाए गए हैं, इन बिजली के बिलों को अगले में एक महीनें में ठीक किया जाएगा। इसके अलावा, एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाएगा जिससे बिजली चोरी के मामलों की लंबित स्थिति देखी जा सकेगी और भुगतान किया जा सकेगा तथा भुगतान के लिए एसएमएस का विकल्प भी दिया जाएगा। इसी प्रकार, उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर बिजली का बिल जमा करने के लिए जल्द ही जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। श्री विज ने बताया कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) के 538.13 करोड तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के 1500 करोड रूपए की डिफाल्टर बकाया राशि है जिसे वसूलने के लिए अधिकारियों को लक्ष्य दिए गए है। इस लक्ष्य के तहत यूएचबीवीएन द्वारा अप्रैल, 2025 में 100 करोड, मई 2025 में 200 करोड तथा जून 2025 में 238 करोड रूपए की डिफाल्टर राशि को वसूला जाएगा। इसी प्रकार, डीएचबीवीएन द्वारा अप्रैल, 2025 में 300 करोड, मई

2025 में 600 करोड तथा जून 2025 में 600 करोड रूपए डिफाल्टर राशि को वसूला जाएगा।

श्री विज ने यह निर्देश गत दिवस चण्डीगढ में बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक के दौरान दिए। श्री अनिल विज ने इस बैठक में बिजली कंपनियों को घाटे उभारने, बिजली चोरी को रोकने व मामलों के समाधान, खराब ट्रांसफार्मर को बदलने, उपभोक्ताओं को सुविधाएं उपलब्ध करवाने, लंबित राशि को वसूलने, डिफाल्टर उपभोक्ताओं के कनैक्शन, उपभोक्ताओं के आधार को बिजली कनैक्शन से लिंक करने, डिफाल्टर राशि को वसूलने के लिए लक्ष्य, गलत बिजली बिल पर कार्यवाही/सुधार, बिजली अदालतें, तारों/फीडर की जांच करने बारे, कॉल सेंटर तथा लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रकार के माध्यमों के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाने के बारे में निर्देश अधिकारियों को दिए। इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री अनिल विज ने संबंधित अधिकारियों को सरकारी कनेक्शन की डिफॉल्टर राशि के संबंध में निर्देश दिए कि संबंधित सरकारी विभागों से संपर्क किया जाए और मुख्यालय स्तर पर फाइल प्रस्तुत की जाए ताकि त्वरित बिजली बिलों की बकाया राशि की वसूली की जा सके। इसी प्रकार, उन्होंने पुराने डिफॉल्टर (पुराने पीडीसीओ कनेक्शन) के संदर्भ में निर्देश दिए कि पहले चरण में उन उपभोक्ताओं को नोटिस जारी किए जाएं जिनकी भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अंतर्गत डिफॉल्टर राशि यूएचबीवीएन में 80,000 रूपए से अधिक और डीएचबीवीएन में एक लाख रूपए से अधिक है। बैठक में यह भी बताया गया कि पुराने पीडीसीओ (परमानेंट डिसकनैक्ट आर्डर) मामलों में आर-एपीडीआरपी प्रणाली में डुप्लिकेट बिलों के कारण वास्तविक लंबित राशि कहीं कम है। इस संबंध में श्री अनिल विज ने निर्देश दिए कि डुप्लिकेट/इंनफिलेटेड बिलों की पहचान कर तत्काल सुधार किया जाए।

भारतीय छात्रों को अमेरिकन सरकार द्वारा डिपोर्ट करने के खिलाफ भारत सरकार अमेरिका में वकील करे नियुक्तः अभय सिंह चौटाला

● हरियाणा में बेरोजगारी पूरे देश में सबसे अधिक है : अभय सिंह चौटाला

एजेंसी

चंडीगढ़। अमेरिकन सरकार द्वारा भारत के छात्रों को जबरन डिपोर्ट किए जाने पर इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला ने आवाज उठाते हुए कहा कि अमेरिका हमारे देश के युवाओं के साथ ज्यादती कर रहा है और भारत की सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है। विभिन्न कोर्स की पढ़ाई करने अमेरिका गए भारतीय छात्रों की संख्या लगभग 25 लाख है और उसमें से लाखों बच्चे हरियाणा के हैं। अगर स्टूडेंट वीजा पर पढ़ाई करने अमेरिका गए बच्चों को पढ़ाई पूरी होने से पहले ही डिपोर्ट कर दिया जाएगा तो उनका भविष्य पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगा। भारत से जो बच्चे स्टूडेंट वीजा पर पढ़ाई करने जाते हैं उनमें से ज्यादातर बच्चे गरीब घरों से होते हैं और स्टडी लोन लेकर जाते हैं। अभय सिंह चौटाला ने मांग की कि भारत सरकार जब भारत में वांटेड लोगों को वापिस लाने के लिए

विदेशों में वकील हायर कर सकते हैं तो यह भारत सरकार का कर्तव्य बनता है कि पढ़ाई करने अमेरिका गए भारतीय छात्रों के भविष्य को बचाने के लिए उन्हें डिफेंड करे और भारतीय एंबेसी को निर्देश दे कि उन बच्चों के लिए वकील नियुक्त करें। उन्होंने बताया कि अभी एक केस सामने आया है जिसमें एक छात्र के मां बाप ने 2 करोड़ 18 लाख रूपए खर्च करके स्नातक की डिग्री करने अमेरिका भेजा।

उस छात्र को अमेरिकन सरकार ने डिग्री पूरी होने से पहले ही डिपोर्ट करने के आदेश दे दिए। वो बच्चा कोर्ट में गया तब उसे राहत मिली। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि हाल ही में जिन बच्चों को अमेरिका ने बेड़ियां और हथड़ियां पहना कर भारत डिपोर्ट किया था उनकों भी भारत सरकार को डिफेंड करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बेरोजगारी पूरे देश में सबसे अधिक है और अमेरिका ऐसे ही पढ़ने गए बच्चों को डिपोर्ट करता रहेगा तो प्रदेश में बेरोजगारी और ज्यादा बढ़ेगी।

सोनीपत की कई कॉलोनियों में पानी की किल्लत को लेकर मेयर राजीव जैन ने कर्मचारियों को लगाई फटकार

एजेंसी

सोनीपत । तारा नगर, भगतपुरा, चार मरला, आठ मरला समेत अनेकों कालोनियों में पिछले दो दिन से आ रही पेयजल की किल्ल्त की शिकायतों के चलते नगर निगम मेयर राजीव जैन अचानक पुरानी हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी सिथत बूस्टिंग स्टेशन पंहुचे और वंहा पर ड्यूटी दे रहे कर्मचारियों को फटकार लगाई। भविष्य में शिकायत मिली तो कड़ी कार्रवाई होगी। मौके पर मौजूद नगर निगम के कनिष्ट अभियंता अमित ने बताया कि इलेक्ट्रिक पैनल में फाल्ट आ गया है जिस कारण 220 हॉर्स पावर कि मोटर नहीं चल रही और दो घंटे में फाल्ट ठीक करके पानी कि आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। राजीव जैन ने कहा कि साथ में सवा सौ हॉर्स पॉवर की दो मोटरों को चालू करने के लिए कहा तो अधिकारी ने बताया कि इनका भी कनेक्शन इसी इलेक्ट्रिक पैनल से है। राजीव जैन ने निर्देश दिए कि कनेक्शन अलग अलग पैनल से किये जाएँ ताकि आपात सिथति में छोटी मोटरों से पानी की आपूर्ति जारी रह सके।

उन्होंने दो दिन पहले जाजल में बिजली की लाइन ख़राब होने के कारण 7 घंटे पानी की आपूर्ति बंद रहने पर स्पस्टीकरण माँगा तो की और कहा कि भविष्य में बिजली का फाल्ट आने पर जनरेटर चलना चाहिए। इसके बाद राजीव जैन ने मुखी हस्पताल के पास सिथत दोनों बूस्टिंग स्टेशन की व्यवस्था जांची

कनिस्ट अभियंता ने बताया कि आंधी से फाल्ट आ गया था। मेयर ने कहा कि जाजल रेनीवेल पर तो जनरेटर की सुविधा भी उपलब्ध है तो क्यों नहीं चलाया। उन्होंने फोन पर जाजल रेनीवेल की देखरेख करने वाले ठेकेदार रामजीलाल से भी बात जिसमे एक मोटर एक माह से ख़राब मिली। राजीव जैन ने गर्मियों के मौसम को देखते हुए मोटर को तुरंत ठीक करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मियों में पेयजल आपूर्ति सुचारु रूप से चलती रहे इसके लिए सभी इंतजाम पूरे किये गए।

जिला व उपमंडल स्तर पर सप्ताह में दो दिन आयोजित होगा समाधान शिविर : उपायुक्त मीणा

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारी नागरिकों की शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर करना सुनिश्चित करें। वीरवार को लघु सचिवालय स्थित काफ्रैंस हॉल में आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने आम जन की शिकायतों की सुनवाई करते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा समाधान शिविर आयोजित करने का मकसद अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि आयोजित समाधान शिविर में कुल 15 शिकायतें प्राप्त हुई थी। जिनकी समाधान के लिए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आने वाली शिकायतों का जल्द से जल्द

समाधान करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के दिशा निर्देश अनुसार हर सोमवार व वीरवार को जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर तावडू, फिरोजपुर-झिरका व पुन्हाना में सुबह 10 से 12 बजे तक नागरिकों की शिकायतों का निवारण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समाधान शिविर में प्राप्त होने वाली शिकायतों की उच्च अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही है इसलिए अधिकारी किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरते। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार लोगों की शिकायतों का हल निकालने के लिए समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं इसलिए समाधान शिविर में आने वाली हर नागरिक की समस्या को गंभीरता से लेकर उसका समाधान करना है। उन्होंने अधिकारियों का निर्देश दिए कि लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द निपटान करना सुनिश्चित करें और शिकायत का निपटान होने पर प्रार्थी को भी सूचित किया जाए।

कचरा प्रबंधन नहीं करने वाले बीडब्ल्यूजी पर निगम ने कार्रवाई को और अधिक किया तेज

गुरुग्राम। ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 के तहत दी गई जिम्मेदारियों की पालना ना करते हुए कचरा प्रबंधन नहीं करने वाले बल्क वेस्ट जनरेटरों (बीडब्ल्यूजी) पर नगर निगम ने कार्रवाई को और अधिक तेज कर दिया है। इसके तहत 9 बीडब्ल्यूजी पर 2.25 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग के अनुसार नगर निगम की बीडब्ल्यूजी मॉनिटरिंग सेल के इंस्पेक्टर अपने-अपने जोन में उन सभी बीडब्ल्यूजी पर कार्रवाई कर रहे हैं, जो अपने यहां से निकलने वाले कचरे का प्रबंधन नहीं कर रहे हैं। टीम द्वारा एक ही दिन में 9 बीडब्ल्यूजी पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इनमें पुलिस लाईन, इलैक्ट्रोनिक सिटी स्थित थ्रेप्सी सॉल्यूशंस, दा पीटीएस सोसायटी, बेलवेड्रे टावर्स, वन हॉरिजन सेंटर, टू हॉरिजन सेंटर, एनके इंडिया रबर कंपनी, दा मिलेनिया-2 सोसायटी व हनीवैल इंडिया इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के चालान शामिल हैं। मॉनिटरिंग सेल के इंस्पेक्टर ने उक्त स्थानों का औचक निरीक्षण किया तथा पाया कि संबंधित बीडब्ल्यूजी द्वारा कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी नहीं निभाई जा रही है। इसके तहत ना तो कचरे को अलग-अलग किया जा रहा है और ना ही सही ढंग से उसका निष्पादन किया जा रहा है।

बेसहारा पशुओं के रखरखाव की उचित व कारगार व्यवस्था हो सुनिश्चितः उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

● गौ-वंश संरक्षण को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला की सड़कों, अन्य मार्गों सहित बाजारों व शहरों में आवारा पशु नहीं घूमने चाहिए। बेसहारा पशुओं के रखरखाव के लिए उचित व कारगार व्यवस्था की जाए। गौवंश का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। अगर कहीं पर गौवंश की तस्करी करने या उन्हें मारने जैसी घटना की जानकारी मिलती है, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाए। उपायुक्त लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हाल में जिला टास्क फोर्स की बैठक में संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला में गौवंश के अवैध परिवहन, तस्करी व उनके मारने जैसी घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कई बार देखने में आया है कि पशुपालक दूध निकालने के बाद अपने पशुओं को घूमने के लिए खुला छोड़ देते हैं, जोकि गलत है। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करते हुए पाया जाता है तो उस

पर उचित जुर्माना लगाया जाएगा। जिला में जितनी भी अपंजीकृत गौशालाएं हैं, उन सभी को पंजीकृत किया जाए। जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों या बाजारों में जो आवारा पशु घूम रहे हैं, उन्हें पकड़कर उनका पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। जिला में आवारा घूम रहे सभी पशुओं की ईयर टैगिंग कर बारह अंकों वाला यूनिक नंबर लगाया जाए, ताकि इन पशुओं की पहचान व उनका रखरखाव सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को प्रोत्साहन देने के लिए गौ-चारण या शामलात भूमि गौशालाओं को उपलब्धता करवाई जाए, ताकि आवारा पशुओं का पुनर्वास करने व उनके लिए चारे आदि के प्रबंध हेतु वित्तीय सहायता मिल सके।

जिलाभर में मंडियों और खरीद केंद्रों पर 30666.40 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि नूंह जिला की अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर अब तक 30666.40 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। उन्होंने खरीद एजेंसियों को खरीद की गई गेहू की फसल के नियमित उठान कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि गेहूं फसल की खरीद प्रक्रिया में नूंह अनाज मंडी में 13454.20 मीट्रिक टन, तावडू में 4256.70 मीट्रिक टन, पुन्हाना में 11838.70 मीट्रिक टन, फिरोजपुर-झिरका में 143.90 मीट्रिक टन, पिनगवां में 972.90 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा वेयर हाउस द्वारा 26677.10 मीट्रिक टन तथा हेफेड द्वारा 1267.60 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है। उपायुक्त ने बताया कि प्राइवेट मिलर्स द्वारा 2721.70 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा वेयर हाउस द्वारा नूंह अनाज मंडी में 13370.4 मीट्रिक टन, तावडू अनाज मंडी में 1362.8 मीट्रिक टन, पुन्हाना अनाज मंडी में

10929.3 मीट्रिक टन, पिनगवां अनाज मंडी में 972.9 मीट्रिक टन, फिरोजपुर-झिरका अनाज मंडी में 41.7 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि हेफेड द्वारा तावडू अनाज मंडी में 1267.60 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। उन्होंने बताया कि अनाज मंडियों में अब 15607.85 मीट्रिक टन गेहूं का उठान कार्य हो चुका है। उपायुक्त ने बताया कि नूंह अनाज मंडी मंडी में अब तक 7400 मीट्रिक टन गेहूं, तावडू अनाज मंडी में 1671.55 मीट्रिक टन गेहूं, फिरोजपुर-झिरका अनाज मंडी में 18.30 मीट्रिक टन गेहूं, पुन्हाना अनाज मंडी में 6000 मीट्रिक टन गेहूं का उठान कार्य हो चुका है। उपायुक्त ने संबंधित विभाग व एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे खरीद केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए समूचित प्रबंध सुनिश्चित करें तथा उठान कार्य में तेजी लाए।

एडीसी ने समाधान शिविर में सुनीं जन समस्याएं

● प्रत्येक सोमवार व वीरवार को 10 से 12 बजे तक रख सकते हैं व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याएं

● सीवर साफ करने के बाद मलबा न उठाने पर जन स्वास्थ्य विभाग के तीन अधिकारियों पर लगाया जुर्माना

एजेंसी

नारनौल। सरकार सार्वजनिक सेवाओं को लेकर गंभीर है। अगर कोई अधिकारी सार्वजनिक सेवाओं तथा समाधान शिविर में आने वाली जन समस्याओं के प्रति लापरवाही करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। यह निर्देश अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने आज लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में कहीं। समाधान शिविर में आज कुल 77 शिकायतें प्राप्त हुई। एडीसी ने बताया कि पिछले दिनों नारनौल शहर में जन स्वास्थ्य

विभाग द्वारा सीवर की सफाई की गई थी। इस दौरान अधिकारियों ने मलबा नहीं उठाया। इस तरह की लापरवाही से न केवल राहगीरों को परेशानी होती है बल्कि बीमारी फैलने का भी डर होता है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों पर 500-500 रुपए का व्यक्तिगत जुर्माना लगाया गया है। इनमें जन स्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन, एसडीओ तथा जूनियर इंजीनियर शामिल है। यह जुर्माना केवल चेतावनी है। अगर ऐसी लापरवाही दोबारा मिलती है तो और अधिक जुर्माना लगेगा। एडीसी ने सभी अधिकारियों को चेतावनी दी कि वे इस तरह की लापरवाही करेंगे तो व्यक्तिगत तौर पर जुर्माना भोगेंगे।

मुख्य अभियंता विजय ढाका से मिली ठेकेदार यूनियन, उठाई समस्याएं और रखीं कई अहम मांगें

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम की ठेकेदार एसोसिएशन ने नगर निगम के नव नियुक्त मुख्य अभियंता विजय ढाका से मुलाकात की। एसोसिएशन के प्रधान मनीष सैदपुर के नेतृत्व में हुई इस शिष्टाचार भेंट के दौरान यूनियन ने उन्हें गुरुग्राम की जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी और साथ ही शहर के विकास कार्यों और ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में बारिश के दौरान जलभराव की समस्या, कार्यों की गुणवत्ता, बिलिंग प्रक्रिया में देरी, बार-बार आपत्तियों का लगना, टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता सहित कई मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। यूनियन ने एक मांग-पत्र भी सौंपा जिसमें मुख्य मांगों में शामिल था कि कार्यकारी अभियंता के पास बिल हों, फ़ाइलों का समय निर्धारित किया जाए, बिल समय पर बनें, टेंडर अलॉटमेंट निर्धारित समय पर हो और टेंडर फीस राशि समान हो। मुख्य अभियंता विजय ढाका ने सभी मांगों और समस्याओं को गंभीरता से सुना और समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने ठेकेदारों से भी आग्रह किया कि कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो, विशेष रूप से बरसात के मौसम में जलभराव जैसी समस्याओं से बचा जा सके। विजय ढाका ने यह भी कहा कि उनका नगर निगम गुरुग्राम से पुराना नाता रहा है और वे ज़्यादातर ठेकेदारों और उनकी कार्यशैली से परिचित हैं। इसलिए वह इस नए दायित्व को चुनौती नहीं बल्कि एक अवसर के रूप में देखते हैं। इस अवसर पर यूनियन के प्रधान मनीष सैदपुर ने बैठक को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि कई समस्याओं का समाधान मौके पर ही हो गया है और शेष पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूनियन गलत ठेकेदारों या अधिकारियों का समर्थन कभी नहीं करती और जो भी दोषी पाया जाएगा उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। यूनियन ने आयुक्त अशोक गर्ग के नाम एक पत्र भी सौंपा, जिसमें पहले से लंबित मांगों को दोहराया गया।

अमेरिका व चीन की तनातनी से शिखर पर पहुंचा सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर जारी तनातनी के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में जबरदस्त तेजी नजर आ रही है। 24 कैरेट सोना आज पहली बार 96 हजार के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज पहली बार 88 हजार रुपये के ऊपर पहुंचा हुआ है। सर्राफा बाजार में आज चांदी के भाव में भी तेजी बनी हुई नजर आ रही है। आज की तेजी के कारण सोना 970 रुपये से लेकर 1,010 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में आए इस उछाल के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना महंगा होकर 96,180 रुपये से लेकर 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 88,160 रुपये से लेकर 88,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी भी आज 300 रुपये महंगी हुई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 96,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 88,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 96,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सिरसाः मंडियों में 2.19 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की आवक

सिरसा। हरियाणा में सिरसा जिला की अनाज मंडियों में गेहूं और सरसों की खरीद का कार्य जारी है, अब तक दो लाख 19 हजार 718 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। डीएफएससी मुकेश कुमार ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों व खरीद केंद्रों में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 25 हजार 158 हजार मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा एक लाख 42 हजार 550 मीट्रिक टन तथा हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा 52 हजार 10 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। उन्होंने बताया कि कालांवाली अनाज मंडी में 23,614 मीट्रिक टन, ऐलनाबाद अनाज मंडी में 14,351 मीट्रिक टन, सिरसा अनाज मंडी में 15,708 मीट्रिक टन, नाथूसरी चौपटा मंडी में 7466 मीट्रिक टन, डबवाली मंडी में 12602 मीट्रिक टन, बड़ागुढ़ा में 6131 मीट्रिक टन, बप्पां में 4535 मीट्रिक टन, डिंग में 8334 मीट्रिक टन, कुत्ताबढ में 3225 मीट्रिक टन, ओढां में 5111 मीट्रिक टन, जीवन नगर मंडी में 9020 मीट्रिक टन और रानियां में 12406 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। साथ ही जिला की अन्य मंडियों में भी गेहूं व सरसों की खरीद भी जारी है। उन्होंने बताया कि जिला की सभी मंडियों में फसल खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पानी, बिजली व शौचालय आदि सुविधाओं के सुचारू रूप से उपलब्ध करवाने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

टीसीएस और वियानई ने व्यापारिक निर्णयों में सहयोग के लिए की साझेदारी

मुंबई। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की अग्रणी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने जनरेटिव एआई (जेनएआई) पर आधारित निर्णय बुद्धिमत्ता को सशक्त बनाने के लिए वियानई सिस्टम्स के साथ साझेदारी की है। टीसीएस ने बताया कि इस सहयोग के तहत वह अपने ग्राहकों को वियानई के अत्याधुनिक हीला प्लेटफॉर्म की क्षमताओं का लाभ उठाने का अवसर देगा, जिससे वे डेटा के साथ संवाद करके वास्तविक समय की व्यावसायिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। टीसीएस इस साझेदारी के तहत हीला को विशेष रूप से वित्तीय सेवाओं और अन्य प्रमुख क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित करेगा। इसमें एंटरप्राइज सिस्टम के साथ एकीकरण, परिनियोजन के बाद समर्थन और कस्टम एआई सेवाएं शामिल होंगी।टीसीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) के. कृतिवासन ने कहा,÷यह साझेदारी उद्यम निर्णय लेने के भविष्य को परिभाषित करती है, जहां डेटा को सहज, बुद्धिमान और सुलभ बनाकर सीएक्सओ को सटीक और तेज निर्णय लेने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से व्यवसायों को वास्तविक समय की बुद्धिमत्ता अनलॉक करने, जटिलताओं को कम करने और मानव-केंद्रित नवाचार को गति देने में मदद मिलेगी।

तोशिबा की ग्रिडडीबी क्लाउड डेटाबेस सेवा अब वैश्विक स्तर पर उपलब्ध

नई दिल्ली। तोशिबा डिजिटल सॉल्यूशंस कॉर्पोरेशन ने अपनी ग्रिडडीबी क्लाउड डेटाबेस सेवा को वैश्विक स्तर पर लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह सेवा अब दुनिया भर के 26 देशों और क्षेत्रों में ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। पहले केवल जापान में उपलब्ध इस सेवा का उद्देश्य डिजिटल परिवर्तन (डीएक्स) की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करना है, जो बड़े डेटा और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के प्रबंधन की चुनौती से निपटने में मदद करता है। ग्रिडडीबी क्लाउड को विशेष रूप से उन कंपनियों के लिए डिजाइन किया गया है, जो बड़े पैमाने पर डेटा संग्रहण और विश्लेषण की आवश्यकता महसूस कर रही हैं ताकि वे व्यावसायिक अवसरों की पहचान कर सकें और नए व्यापारिक मॉडल विकसित कर सकें। यह सेवा ग्राहकों को डेटा अवसंरचना के रूप में क्लाउड आधारित प्रबंधित सेवा प्रदान करती है।

एफआईयू-आईएनडी और आरबीआई ने बेहतर समन्वय एवं सूचना आदान-प्रदान के लिए किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। । वत्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने धन शोधन निवारण अधिनियम और इसके तहत बनाए गए नियमों की जरूरतों के प्रभावी कार्यान्वयन में निरंतर समन्वित प्रयासों के हिस्से के रूप में राजधानी नई दिल?ली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि एफआईयू-आईएनडी और आरबीआई ने बेहतर सहयोग और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए समझौता किया है। यह समझौता ज्ञापन मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम और अनुपालन की दिशा में एक दूसरे के सहयोग वाले प्रयासों को बेहतर करेगा। इस समझौते पर एफआईयू-आईएनडी के निदेशक विवेक अग्रवाल और आरबीआई के विनियमन विभाग के कार्यकारी निदेशक आर. एल. के. राव ने हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू के अनुसार एफआईयू-आईएनडी और

आरबीआई आपसी हित के क्षेत्रों में एक-दूसरे के साथ सहयोग करेंगे, जिसमें एमओयू के प्रत्येक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के साथ बातचीत करने के लिए एक नोडल अधिकारी और एक वैकल्पिक नोडल अधिकारी की नियुक्ति करना शामिल है। समझौता ज्ञापन के मुताबिक एफआईयू-आईएनडी और आरबीआई निम्नलिखित के साथ आपसी हित के क्षेत्रों में एक दूसरे का सहयोग करेंगः-

-समझौता ज्ञापन में जुड़े सभी पक्ष दूसरे पक्ष के साथ बातचीत करने के लिए एक नोडल अधिकारी और एक वैकल्पिक नोडल अधिकारी नियुक्त करेंगे।

-अपने-अपने डेटाबेस में मौजूद प्रासंगिक खुफिया जानकारी और सूचनाएं साझा करना।

-पीएमएल नियमों के अंतर्गत विनियमित संस्थाओं/रिपोर्टिंग संस्थाओं की ओर से एफआईयू-आईएनडी को रिपोर्ट करने की प्रक्रिया और तरीके को निर्धारित करना। विनियमित संस्थाओं/रिपोर्टिंग संस्थाओं के लिए आउटरीच और प्रशिक्षण का आयोजन करना।

-भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से विनियमित विनियमित संस्थाओं/ रिपोर्टिंग संस्थाओं में मनी लॉन्ड्रिंग के निवारण/ आतंकवाद के वित्तपोषण का प्रतिरोध (एएमएल/सीएफटी) कौशल का अपग्रेडेशन।

-संबंधित वित्तीय उप-क्षेत्रों में धन शोधन/ आतंकवाद वित्तपोषण (एमएल/टीएफ) जोखिम और कमजोरियों का आकलन।

-संदिग्ध लेन-देन के लिए रेड फ्लैग संकेतकों की पहचान। -आरबीआई की ओर से विनियमित रिपोर्टिंग संस्थाओं द्वारा पीएमएलए, पीएमएल नियमों और आरबीआई निर्देशों के तहत उनके दायित्वों के अनुपालन की निगरानी और मॉनिटरिंग करना।

संरक्षणवादी नीतियों के बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की आशंका : सीतारमण

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि संरक्षणवादी नीतियों के बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की आशंका है, लेकिन भारत उपयुक्त नीतियों और दीर्घकालिक निवेश के साथ वैश्विक व्यवधानों से निपट लेगा। वैश्विक व्यापार युद्ध को लेकर जारी चिंताओं बीच सीतारमण ने कहा कि सरकार का ध्यान मजबूत घरेलू आधार बनाने पर रहेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ नियमों पर आश्वासन दिया कि भारत अपनी नीतियों के साथ इन 'वैश्विक व्यवधानों' से निपट लेगा। उन्होंने कहा कि भारत इन वैश्विक व्यवधानों से बाहर निकलने के लिए काम करेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि हाल की वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के वित्तीय बाजारों ने उल्लेखनीय मजबूती दिखायी है। उन्होंने बाजारों में खुदरा निवेशकों के भरोसे की सराहना भी की।

कीड़े युक्त मिठाई बेचने पर महिला का दुकान पर हंगामा, दुकानदार ने मांगी माफी

एजेंसी

बिजनौर। धामपुर में बालाजी स्वीट्स पर कीड़े युक्त बरफी बेचने पर हंगामे का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक युवती दुकानदार पर अपना गुस्सा जता रही है कि वह कीड़े युक्त सड़ी हुई मिठाई क्यों बेच रहा है। दुकानदार कह रहा है कि वह दुकान पर नहीं था, इसलिए गलती हो गई है, जबकि एक अन्य महिला कहते हुए सुनाई दे रही है कि मैं कुछ समय पहले आई थी तब आप भी मौजूद थे, दुकानदार फिर गलती मानते हुए कहता है कि गलत माल हटा दिया गया है ।

उल्लेखनीय है कि जनपद में मिठाई से लेकर सड़े-गले फल व मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री होना आम बात है । खाद्य विभाग शिकायत मिलने पर कार्रवाई कर खानापूर्ति कर देता है । भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे खाद्य विभाग के अधिकारी कितने प्रभावशाली हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि निवर्तमान जिलाधिकारी ने विभाग की कार्यशैली से नाराज

होकर शासन को दो बार पत्र लिखा जिस पर कोई एक्शन नहीं हुआ। इस विभाग में डटे अधिकारियों का बाल बांका नहीं हुआ 7 जनपद में मुजफ्फरनगर क्षेत्र से नकली सफेद बंगाली रसगुल्ले बड़ी मात्रा में सप्लाई किए जाते हैं जिसकी जानकारी विभाग को भी है पर कभी कभार कार्यवाही कर औपचारिकता पूरी कर दी जाती है। कमोवेश इससे बुरी स्थिति फल मण्डी की है जहां खुलेआम सड़े-गले फल बेचे जा रहे हैं ।

सीसीपीए ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए कोचिंग सेंटरों को नोटिस जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कुछ कोचिंग संस्थानों को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम और कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने के लिए नोटिस जारी किया है। सीसीपीए ने भ्रामक दावों और अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए आईआईटी-जेईई और एनईईटी की तैयारी करा रहे कुछ कोचिंग सेंटरों को नोटिस भेजा है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस संबंध में सीसीपीए ने 49 नोटिस जारी किए हैं। सीसीपीए ने 24 कोचिंग सेंटरों पर कुल 77.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही सीसीपीए ने उन्हें भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार प्रथाओं को बंद करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने कहा कि सीसीपीए ने इससे पहले यूपीएससी सीएसई, आईआईटी-जेईई, एनईईटी, आरबीआई, नाबार्ड सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सेवाएं देने वाले कोचिंग सेंटरों के खिलाफ कार्रवाई की थी। इससे यह सुनिश्चित करने की उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन में कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन नहीं किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि आईआईटी-जेईई और एनईईटी जैसी परीक्षाओं के परिणामों की हाल ही में घोषणा के बाद सीसीपीए ने पाया कि कोचिंग केंद्र कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए दिशानिर्देश, 2024 का पालन नहीं कर रहे हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने ऐसे कोचिंग सेंटरों को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए दिशा-निर्देश, 2024 का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है। मंत्रालय के मुताबिक सीसीपीए ने जांच के दौरान अनुचित व्यापार प्रथाओं का भी पता लगाया है, जिसमें वादा की गई सेवाएं प्रदान नहीं करना, प्रवेश रद्द करना लेकिन शुल्क वापस नहीं करना, सेवा में कमी, शुल्क का आंशिक/गैर-वापसी शामिल है। ऐसे में सीसीपीए ने सभी कोचिंग सेंटरों को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है। प्राधिकरण ने कहा कि यह आवश्यक है कि उनका प्रतिनिधित्व सटीक, स्पष्ट हो और भ्रामक दावों या उपभोक्ताओं से महत्वपूर्ण जानकारी को छिपाने से मुक्त हो। इसके अलावा सीसीपीए ने कहा कि कोचिंग सेंटरों को सफलता की गारंटी का आश्वासन देने से बचना चाहिए। कोचिंग सेंटरों को अपने विज्ञापनों में छात्र का नाम, रैंक।

फिच ने भारत के जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने वैश्विक व्यापार युद्ध से जुड़ी 'गंभीर' चिंताओं को देखते हुए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया है। फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 10 आधार अंक घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष के लिए रेटिंग एजेंसी ने अपने अनुमानों को बरकरार रखा है। फिच ने जारी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य (जीईओ) के अपने विशेष तिमाही अपडेट में कहा, ''अमेरिकी व्यापार नीति के बारे में पूरे विश्वास के साथ कुछ भी कहना मुश्किल है। व्यापक स्तर पर नीति अनिश्चितता, व्यापार निवेश की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रही हैं। शेयर की

कीमतों में गिरावट से घरेलू संपत्ति कम हो रही है और अमेरिकी निर्यातकों को जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।'' फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के जीडीपी के वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। फिच ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत समेत विभिन्न देशों पर अंधाधुंध व्यापार शुल्क लागू करने से वैश्विक व्यापार युद्ध में बढ़ोतरी के बीच ताजा आंकड़े जारी किए हैं। फिच ने अपने मार्च जीईओ से 2025 में विश्व विकास अनुमानों में 0.4 फीसदी अंकों की कटौती की तथा चीन और अमेरिका की वृद्धि में 0.5 फीसदी अंकों की कटौती की है। फिच रेटिंग्स ने विश्व विकास के पूर्वानुमानों को भी कम कर दिया है। एजेंसी ने इस वर्ष विश्व विकास दर 2 फीसदी से नीचे आने का अनुमान जताया है। कोरोना महामारी को छोड़कर यह 2009 के बाद से सबसे कमजोर वैश्विक विकास दर होगी। भारत के बारे में फिच ने वित्त वर्ष 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान में 10 आधार अंकों की कटौती कर क्रमश÷ 6.2 फीसदी और 6.4 फीसदी कर दिया है, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.3 फीसदी पर बरकरार रखी गई है। फिच रेटिंग्स के मुताबिक अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर वर्ष 2025 तक 1.2 फीसदी पर सकारात्मक रहने की उम्मीद है। फिच के अनुमानों के अनुसार चीन की वृद्धि दर इस वर्ष और अगले वर्ष दोनों में 4 फीसदी से नीचे रहने की उम्मीद है, जबकि यूरोजोन में वृद्धि 1 फीसदी से काफी नीचे अटकी रहेगी।

हीरो मोटोकॉर्प के 4 संयंत्रों में 17-19 अप्रैल तक नहीं होगा उत्पादन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरा मोटोकॉर्प लिमिटेड आपूर्ति में संतुलन बनाए रखने के लिए अपने चार संयंत्रों में 17 से 19 अप्रैल तक उत्पादन रोकेगी। कंपनी इस दौरान चारों संयंत्रों में रखरखाव गतिविधियों को भी अंजाम देगी। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के चार संयंत्रों धारूहेड़ा, गुरुग्राम, हरिद्वार और नीमराणा में 17 से 19 अप्रैल तक उत्पादन अस्थायी रूप से बंद रहेगा। इन संयंत्रों में 21 अप्रैल को परिचालन फिर से शुरू होगा, जबकि तिरुपति और हलोल संयंत्रों में उत्पादन जारी रहेगा। इस दौरान परिचालन को और मजबूत करने के लिए रखरखाव और सुविधा संवर्द्धन की दिशा में काम किया जाएगा। कंपनी ने आश्वासन दिया है कि इस रोक से खुदरा मांग पर कोई असर नहीं पड़ेगा और किसी भी स्थगित उत्पादन को अगले महीने पूरा कर लिया जाएगा।

जीतन राम मांझी ने भुवनेश्वर में सीटीटीसी और फार्मास्युटिकल क्लस्टर का दौरा किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी ने भुवनेश्वर में केंद्रीय टूल रूम और प्रशिक्षण केंद्र (सीटीटीसी) का दौरा किया। इसके बाद उन्होंने मंचेश्वर औद्योगिक एस्टेट में फार्मास्युटिकल क्लस्टर का दौरा किया, जो एमएसएमई मंत्रालय की एमएसई-सीडीपी योजना के तहत स्थापित एक सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री को इस यात्रा के दौरान सीटीटीसी के महाप्रबंधक एल. राजशेखर ने सीटीटीसी, इसकी प्रमुख पहलों और उल्लेखनीय उपलब्धियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। मंत्रालय के मुताबिक सीटीटीसी एमएसएमई मंत्रालय के तहत एक

स्वायत्त निकाय है, जिसे मंत्रालय के तहत अन्य सभी प्रौद्योगिकी केंद्रों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। मंत्रालय ने बताया कि सीटीटीसी कई प्रतिष्ठित ग्राहकों को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। इनमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और टाटा मोटर्स लिमिटेड शामिल हैं। इसने चंद्रयान-3 (इसरो) और एलसीए-तेजस परियोजना (एडीए) के लिए महत्वपूर्ण घटकों का निर्माण करके भारत के एयरोस्पेस मिशनों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सीटीटीसी वर्तमान में आगामी गगनयान मिशन के लिए घटकों का निर्माण कर रहा है।मांझी ने भुवनेश्वर के मंचेश्वर औद्योगिक एस्टेट में फार्मास्युटिकल क्लस्टर (सीएफसी) का भी दौरा किया, जिसे मंत्रालय की एमएसई-सीडीपी योजना के तहत स्थापित किया गया है। यह ओडिशा सरकार द्वारा समर्थित है, जिसका उद्देश्य भुवनेश्वर और कटक क्षेत्र में फार्मास्युटिकल विनिर्माण क्षेत्र की सेवा करना है। उत्कल फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (यूपीएमए) इस परियोजना के लिए विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के साथ अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (एमएसएमई) डॉ. रजनीश (आईएएस), अपर विकास आयुक्त (एमएसएमई) सुधा केशरी (आईईएस), ओडिशा सरकार के उद्योग निदेशक डी. प्रशांत कुमार रेड्डी (आईएएस), विकास आयुक्त (एमएसएमई) कार्यालय के निदेशक मिलिंद धर्मराव रामटेके (आईएएस) भी थे।

सरकार ने कोयला आयात निगरानी प्रणाली पोर्टल के लिए पंजीकरण शुल्क को तर्कसंगत बनाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोयला आयात निगरानी प्रणाली (सीआईएमएस) पोर्टल के लिए पंजीकरण शुल्क को तर्कसंगत बना दिया है। सरकार ने पंजीकरण शुल्क को संशोधित कर 500 रुपये प्रति खेप कर दिया है, जो 15 अप्रैल, 2025 से लागू हो गया है।

कोयला मंत्रालय मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि व्यापार में आसानी को बढ़ावा देने और आयात निगरानी प्लेटफॉर्म पर एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए सीआईएमएस पोर्टल के पंजीकरण शुल्क को युक्तिसंगत बनाया गया है। पंजीकरण शुल्क को संशोधित कर 500 रुपये प्रति खेप कर दिया गया है। यह पहले की शुल्क संरचना की जगह लेगा, जो प्रति खेप 500 रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक थी। मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना और आयात निगरानी प्लेटफार्मों में एकरूपता सुनिश्चित करना है। कोयला आयात निगरानी में पारदर्शिता और दक्षता को मजबूत करने के लिए एक अहम चरण के रूप में कोयला आयात निगरानी प्रणाली (सीआईएमएस) को लागू किया है।

उसने कहा कि कोयला आयात प्रतिस्थापन में वास्तविक समय की निगरानी और सूचित निर्णय लेने को सक्षम करके, यह पहल आत्मनिर्भर भारत सुनिश्चित करने के सरकार के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण चरण है। उल्लेखनीय है कि कोयला आयात निगरानी प्रणाली (सीआईएमएस) एक डिजिटल प?लेटफॉर्म है, जिसे कोयला आयात की रिपोर्टिंग को कारगर बनाने, प्रभावी नीति निर्माण और क्षेत्रीय विश्लेषण के लिए समय पर और सटीक डेटा सुनिश्चित करने के लिए विकसित किया गया है। पंजीकरण शुल्क को युक्तिसंगत बनाने से सीआईएमएस को इस्पात आयात निगरानी प्रणाली (एसआईएमएस), अलौह आयात निगरानी प्रणाली (एनएफआईएमएस) और कागज आयात निगरानी प्रणाली (पीआईएमएस) जैसी समान आयात निगरानी प्रणालियों के साथ युक्तिसंगत किया गया है। यह सभी एक समान शुल्क मॉडल के तहत कार्य करती हैं।

डेलॉयट का सैप और एडब्ल्यूएस के साथ नियर जीरो कॉस्ट माईग्रेशन प्रोग्राम

एजेंसी

नई दिल्ली। डेलॉयट इंडिया ने सैप और अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के साथ गठबंधन में नियर जीरो कॉस्ट माईग्रेशन प्रोग्राम शुरू किया है। कंपनी ने आज यहां कहा कि यह सैप के मौजूदा ईआरपी ग्राहकों को सैप एस/4एचएएमए क्लाउड के साथ एआई पॉवर्ड राइज में परिवर्तन की गति में तेजी लाने के लिए डिज़ाईन की गई एक संयुक्त पहल है। यह प्रोग्राम माईग्रेशन की प्रक्रिया को तेज करेगा एवं उसे सरल बनाएगा, जिससे व्यवसायों को बेहतर क्षमताएं और सैप क्लाउड ईआरपी के फायदे तथा सस्टेनेबल एवं हाई परफॉर्मेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राप्त हो सकेंगे। नियर जीरो माईग्रेशन प्रोग्राम एक एक्सक्लुसिव ऑफर है, जो भारत में जुलाई 2025 तक उपलब्ध रहेगा।

इसमें भाग लेने वाले उद्यमों को संरचनाबद्ध मार्गदर्शन, प्रमाणित सुझाव, सुरक्षा के सिद्धांत तथा सुगम परिवर्तन के लिए हर कदम पर बेहतर सपोर्ट प्रदान की जाएगी। यह प्रोग्राम संगठनों को अपने ईआरपी में परिवर्तन लाने तथा अपफ्रंट लागत को कम करने में समर्थ बनाता है। यह व्यवसायों को डेलॉयड, सैप और एडब्लूएस के लागत-प्रभावी और संयुक्त संसाधनों का उपयोग करते हुए परिवर्तन को सुगम बनाने और इसमें लगने वाले समय में कमी लाने का अद्वितीय अवसर है।

लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, शुरुआती गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में तूफानी तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे कारोबारी दिन जोरदार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में बिकवाली के दबाव के की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की गिरावट और बढ़ गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। इसके बाद आज पूरे दिन खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण इंट्रा-डे में सेंसेक्स 1,951 अंक और निफ्टी 573 अंक उछल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.96 प्रतिशत और निफ्टी 1.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, फार्मास्यूटिकल, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 419.49 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 415 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.49 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,106 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,429 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,520 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 157 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,557 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,638 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 919 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और 6 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 76.27 अंक की कमजोरी के साथ 76,968.02 अंक के स्तर पर खुला।

कारोबार की शुरुआत होने के बाद पहले घंटे के दौरान बिकवाली का दबाव बनने की वजह से यह सूचकांक 378.52 अंक की कमजोरी के साथ 76,665.77 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 1,951 अंक उछल कर 1,572.48 अंक की तेजी के साथ 78,616.77 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1,508.91 अंक की बढ़त के साथ 78,553.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 35.35 अंक फिसल कर 23,401.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

गर्मियों में किशमिश को खाने का जान लीजिए तरीका नहीं तो हो सकता है नुकसान

किशमिश की तासीर गर्म होती है. इसलिए गर्मियों में आप जब भी इसे खाते हैं तो किस तरीके से खाते हैं वह ज्यादा महत्वपूर्ण है. कच्चे किशमिश शरीर का तापमान बढ़ाने के साथ-साथ पेट को गर्म कर सकता है. वहीं गर्मियों में जब भी आप किशमिश खाएं तो भिगोए हुए किशमिश ही खाएं. यह आपको ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित होगा.

गर्मी का मौसम आ चुका है इस दौरान शरीर में पानी की कमी न हो इसलिए हमें अपना खानपान और लाइफस्टाइल पर खास ध्यान देना चाहिए. क्योंकि यह मौसम ऐसा जिसमें तबीयत के खराब होने का खतरा ज्यादा रहता है. गर्मी में आप ड्राई फ्रूट्स खाते हैं तो आपको कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए. आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए विस्तार से बताएंगे कि इस मौसम किशमिश किस तरीके से खाने चाहिए?

किशमिश सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. मार्केट में कई तरह के किशमिश मिलते हैं. जिसे आप कई तरीके से खा सकते हैं. गर्मियों में अक्सर भिगोए हुए किशमिश खाने चाहिए जोकि आपके हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. दरअसल, किशमिश की तासीर गर्म होती है ऐसे में इसे कच्चा खाएंगे तो आपके शरीर का तापमान बढ़ सकता है. जानें गर्मी में इस ड्राई फ्रूट को खाते हुए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

एक दिन में कितने किशमिश खाने चाहिए?

ड्राई अंगूर यानी किशमिश में काफी ज्यादा आयरन, फाइबर और पोटैशियम होता है. इसे खाने से हीमोग्लोबीन भी बढ़ाता है. किशमिश पुरुषों के हेल्थ के लिए भी काफी अच्छा होता है. जयपुर की आयुर्वेद एक्सपर्ट डॉ. किरण गुप्ता ने बताया कि चाहे बच्चे हो या बड़े गर्मी में भी लोग 10 किशमिश खा सकते हैं. पर ध्यान रहे कि इसे भिगोना जरूरी है. इससे ज्यादा आप खाएंगे तो यह आपकी सेहत के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है.

किशमिश वाली पानी

गर्मियों में कभी भी आप किशमिश खाते हैं तो कच्चा न खाएं क्योंकि इसे पानी में भिगोकर खाएं. इसके लिए आप पूरी रात किशमिश को साफ पानी में भिगोकर रख दें और फिर उसे छानकर अच्छे तरीके से पी लें. किशमिश का पानी आपके पेट और पाचन के लिए के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है.

किशमिश पानी पीते हुए समय और मात्रा का ध्यान रखें

किशमिश का पानी सुबह खाली पेट पीने की सलाह दी जाती है. यह पूरे हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. गर्मियों के दौरान काफी ज्यादा ड्राई फ्रूट्स नहीं खाना चाहिए. भिगोए हुए किशमिश को आप अपने सलाद के ऊपर डालकर भी खा सकते हैं.

वजन कंट्रोल

भीगे हुए किशमिश में काफी ज्यादा मात्रा में फाइबर होता है जो आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ लगता है. अनहेल्दी स्नैकिंग की जगह किशमिश खा सकते हैं. गर्मियों में भिगोए हुए किशमिश खाते हैं तो आपका शरीर पुरे हाइड्रेटेड रहता है. किशमिश में विटामिन सी और बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन काफी ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं. इसमें फेनोलिक केमिकल होते हैं जो एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं. इससे इम्युनिटी मजबूत होता है. स्ट्रॉन्ग इम्युनिटी कई सारी बीमारियों से लड़ने में मदद करती है.

2014 से 15 प्रतिशत बढ़े प्राइवेट स्कूल, लगातार बढ़ा रहे फीस

दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों की फीस में की गयी अत्यधिक वृद्धि को लेकर जो विवाद छिड़ा है, उससे देश की शिक्षा व्यवस्था के बारे में और भी भयावह जानकारी मिलती है। सरकारी स्कूलों की संख्या कम होती जा रही है और शिक्षकों तथा बुनियादी ढांचे की कमी के कारण उनमें शिक्षा की स्थिति खराब होती जा रही है। इससे प्राइवेट स्कूलों के पनपने और समृद्ध होने के लिए परिस्थितियां बनती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार हमेशा से देश में शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा देती रही है। हाल ही के आंकड़ों से पता चलता है - 2014-15 से 2023-24 के दौरान प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और उन्होंने पिछले तीन वर्षों में अपनी फ़ीस में 50-80 प्रतिशत की वृद्धि की है। दूसरी ओर, पिछले एक दशक के दौरान देश में सरकारी स्कूलों की संख्या में 8 प्रतिशत की कमी आयी है, जिनमें से अधिकांश भाजपा शासित राज्यों में हैं।

दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों की फीस में की गयी अत्यधिक वृद्धि को लेकर जो विवाद छिड़ा है, उससे देश की शिक्षा व्यवस्था के बारे में और भी भयावह जानकारी मिलती है। सरकारी स्कूलों की संख्या कम होती जा रही है और शिक्षकों तथा बुनियादी ढांचे की कमी के कारण उनमें शिक्षा की स्थिति खराब होती जा रही है। इससे प्राइवेट स्कूलों के पनपने और समृद्ध होने के लिए परिस्थितियां बनती हैं, जो केवल उन्हीं छात्रों को शिक्षा देते हैं जिनके माता-पिता या अभिभावक आर्थिक रूप से संपन्न हैं या कम से कम जो किसी तरह से फीस वहन कर सकते हैं, हालांकि बहुत मुश्किल से। यह इस देश के बच्चों के सार्वभौमिक और समान शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन करता है और अपेक्षाकृत गरीब परिवारों के बच्चों के लिए असमान शिक्षा स्तर बनाता है। अभिभावकों तथा माता-पिता में यह डर प्राइवेट स्कूलों के प्रति उनके आकर्षण को बढ़ाता है।

अभी पिछले फरवरी महीने में ही केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा को बताया था कि 2014-15 और 2023-24 के बीच सरकारी स्कूलों की संख्या में 8 प्रतिशत की कमी आई है और प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल संख्या की बात करें तो सरकारी स्कूलों की संख्या में 89,441 की कटौती की गयी, जबकि प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 42,944 की वृद्धि हुई। वर्तमान में देश में 10,17,660 सरकारी स्कूल हैं, जबकि प्राइवेट स्कूलों की संख्या 3,31,108 है।

सदन में दिये गये आंकड़ों से पता चला है कि भाजपा शासित दो राज्यों- मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने सर्वाधिक सरकारी स्कूल बंद किये। मध्य प्रदेश ने 29,410 सरकारी स्कूल बंद किये हैं और उत्तर प्रदेश ने 25,126 सरकारी स्कूल बंद किये हैं। इन दोनों राज्यों ने मिलकर देश में हुई कटौती में 60.9 प्रतिशत का योगदान दिया है। पिछले दशक के दौरान उत्तर प्रदेश में 19,305 प्राइवेट स्कूलों की वृद्धि देखी गयी, जो देश में प्राइवेट स्कूलों की कुल वृद्धि का 44.9 प्रतिशत है। मध्य प्रदेश में सरकारी स्कूलों में गिरावट 24.1 प्रतिशत रही, उसके बाद जम्मू-कश्मीर में 21.4 प्रतिशत, ओडिशा में 17.1 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 16.4 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 15.5 प्रतिशत, झारखंड में 13.4 प्रतिशत, नागालैंड में 14.4 प्रतिशत, गोवा में 12.9 प्रतिशत और उत्तराखंड में 8.7 प्रतिशत रही।

प्राइवेट स्कूलों के मामले में, कुल 10 राज्यों ने 14.9 प्रतिशत की औसत वृद्धि को पार कर लिया। बिहार में प्राइवेट स्कूलों में 179.14 प्रतिशत, ओडिशा में 80.36 प्रतिशत, तथा उत्तर प्रदेश में 24.96 प्रतिशत की वृद्धि हुई।तीन राज्य/केंद्र शासित प्रदेश जहां प्राइवेट स्कूलों की संख्या में गिरावट आयी, वे थे मेघालय में 5.36 प्रतिशत, एनसीटी दिल्ली में 2.88 प्रतिशत और हिमाचल प्रदेश में 0.27 प्रतिशत। यह कहने की जरूरत नहीं है कि इन राज्यों में सरकारी स्कूली शिक्षा की उपलब्धियां अधिक हैं, खासकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में। अन्य राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारी स्कूल शिक्षा के मामले में पिछड़े हुए हैं, जिसके कारण वहां प्राइवेट स्कूलों का दबदबा बढ़ता जा रहा है।इससे ही समझा जा सकता है कि पिछले एक दशक में देश भर में प्राइवेट स्कूलों को सरकारी स्कूलों से ज्यादा अहमियत कैसे मिल रही है। इससे प्राइवेट स्कूल छात्रों से अत्यधिक फीस वसूलने में सक्षम हो जाते हैं।एक तरफ परिवारों की वास्तविक आय में गिरावट और दूसरी तरफ प्राइवेट स्कूलों द्वारा अत्यधिक फीस वृद्धि की पृष्ठभूमि में इस साल की स्थिति विशेष रूप से अभिभावकों के लिए परेशानी भरी हो गयी है।

हाल ही में लोकल सर्किल द्वारा किये गये एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि देश में पिछले तीन वर्षों में प्राइवेट स्कूलों की फीस में 50-80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लगभग 93 प्रतिशत अभिभावकों ने फीस वृद्धि को नियंत्रित न करने के लिए सरकारों को दोषी ठहराया है। सर्वेक्षण में देश भर के 309 जिलों को शामिल किया गया। आठ प्रतिशत अभिभावकों ने बताया कि ट्यूशन फीस में वृद्धि 80 प्रतिशत से अधिक है। तमिलनाडु और महाराष्ट को छोड़कर देश में कोई भी राज्य प्राइवेट स्कूल की फीस को नियंत्रित नहीं करता है।शैक्षणिक सत्र 2025-26की शुरुआत होते ही देशभर से प्राइवेट स्कूलों द्वारा अत्यधिक फीस वृद्धि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की खबरें आ रही हैं। दिल्ली में, अभिभावकों का विरोध राजनीतिक हो गया है, क्योंकि राज्य में भाजपा सत्ता में आ गयी है और फरवरी 2025 का चुनाव हारने वाली आप विपक्ष में है। आप को सरकारी स्कूलों की शिक्षा को अधिकांश प्राइवेट स्कूलों से भी बेहतर बनाने का श्रेय दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की संख्या में कमी आयी है। आप ने प्राइवेट स्कूलों में हाल ही में की गयी फीस वृद्धि को लेकर भाजपा शासन पर हमला करते हुए दावा किया है कि सत्तारूढ़ भाजपा और गैर-सहायता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संघ के अध्यक्ष के बीच संबंध है, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली के स्कूलों में अत्यधिक फीस वृद्धि हुई है। यह मुख्यमंत्री से जुड़े %हितों के टकराव% का एक खुला मामला है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, %एक ही संगठन और उसके मुखिया, जिसका मुख्य एजंडा दिल्ली भर में स्कूल फीस बढ़ोतरी को बढ़ावा देना है, भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के चुनाव अभियान में शामिल थे।% जवाब में, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आप फरवरी के चुनाव में हार से निराश है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस बढ़ोतरी के खिलाफ उचित कार्रवाई का वायदा किया है।

प्राइवेट स्कूलों द्वारा अतार्किक फीस बढ़ोतरी का मुद्दा पूरे भारत में एक समस्या है और इसलिए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले केंद्र के साथ-साथ राज्यों द्वारा उचित नीति प्रतिक्रिया और कानून बनाकर निपटाया जाना चाहिए। केंद्र की वर्तमान शिक्षा नीति सरकारी स्कूली शिक्षा के लिए हानिकारक और प्राइवेट स्कूलों या शिक्षा के निजीकरण के लिए फायदेमंद प्रतीत होती है।

संपादकीय

गुजरात से बड़ी लड़ाई का संकेत देते राहुल

पिछले माह यानी मार्च में, तत्पश्चात मात्र 6 दिन पहले कांग्रेस की अहमदाबाद में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी आये ही थे, मंगलवार-बुधवार को वे फिर से गुजरात में थे। वे आये थे एक ऐसे राज्य की पार्टी इकाई में प्राण फूंकने पहुंचे जो पिछले साढ़े तीन दशकों से सत्ता से बाहर है। यहां पार्टी का केवल एक सांसद है तथा सिर्फ 17 विधायक हैं।दरअसल कार्यकर्ताओं में जोश भरने के साथ-साथ राहुल गांधी जमीनी स्तर तक पार्टी का रूप-रंग बदलते दिखाई दे रहे हैं। राज्य के चुनाव अभी दूर हैं (2027 में होंगे) लेकिन संगठन की जो नयी कार्यप्रणाली यहां राहुल विकसित कर रहे हैं, वह अन्य सूबों में भी लागू हो सकती है। होनी ही चाहिये। पिछले दौरे पर राहुल ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मैराथन मुलाकातें की थीं। उसके बाद कार्यकर्ताओं को दिये सम्बोधन में उन्होंने भितरघात करने वाले कांग्रेसियों को साफ कर दिया था कि %वे भारतीय जनता पार्टी की बी-टीम बनकर काम करने की बजाय संगठन से बाहर चले जायें। इस बात को उन्होंने इस दौरे में दोहराया है। उन्होंने पिछली बार गुजरात में ही कहा था कि पार्टी से कुछ ऐसे लोगों को निकाल बाहर करने की जरूरत है जो भारतीय जनता पार्टी से मिले हुए हैं। साफ है कि उनकी यह चेतावनी गुजरात के नेताओं तक सीमित न होकर सभी राज्य इकाइयों के लिये अलार्म होगी।मंगलवार को अहमदाबाद कांग्रेस कार्यालय में उन्होंने जिला अध्यक्षों तथा पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की थी जिसमें 5 सदस्यों की एक टीम बनाई गई जो 45 दिनों में आलाकमान को जमीनी रिपोर्ट देगी। इसके बाद नये जिलाध्यक्ष नियुक्त होंगे। इसका मानदण्ड उनकी सक्रियता, पार्टी के प्रति निष्ठा एवं दृढ़ वैचारिक प्रतिबद्धता होगी। बुधवार को राहुल ने मोडासा जिले के अरावल्ली में संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की जिसका उद्देश्य जिला कांग्रेस समितियों और उनके अध्यक्षों को सशक्त और जवाबदेह बनाना है। इस नई प्रणाली से पार्टी के संगठन को मजबूती मिलने की आशा है। याद हो कि अहमदाबाद सीडब्ल्यूसी में राहुल ने कहा था कि जिला अध्यक्ष ही संगठन की नींव बनें। वे ही पार्टी की मुख्य ताकत होने चाहिये। जिला कमेटी और जिला अध्यक्ष को शीर्ष नेतृत्व पार्टी की बुनियाद बना रहा है। पार्टी इकाई ने अधिवेशन के बाद गुजरात के 33 जिलों और 8 प्रमुख शहरों के अध्यक्षों की नियुक्ति हेतु 42 केंद्रीय और 183 प्रदेश स्तर के पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं।उन्होंने इस बात को दोहराया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को हराने की ताकत केवल कांग्रेस में है; और जीत का रास्ता गुजरात से होकर जाता है। बुधवार की बैठक में राहुल ने कहा कि, %देश में चल रही लड़ाई सिर्फ राजनीतिक नहीं वरन भाजपा-संघ और कांग्रेस के बीच विचारधाराओं की लड़ाई भी है। उन्होंने याद दिलाया कि %गुजरात ने ही पार्टी को दो सबसे बड़े नेता- महात्मा गांधी और सरदार पटेल दिए हैं परन्तु हमें लंबे समय से गुजरात में नाकामी मिल रही है। राहुल का यह बतलाना कि कई सूत्रों से उन्हें जानकारी मिली है कि वरिष्ठ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा रचनात्मक नहीं बल्कि विनाशकारी है। साथ ही, टिकट वितरण प्रक्रिया में स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं को शामि न किया जाना भी नुकसानदेह साबित हुआ है।

गुजरात के तीनों ही दौरे (अधिवेशन समेत) पा को अनेक महत्वपूर्ण संकेत व संदेश दे रहे हैं। हर बा राहुल का यह कहना कि भाजपा को हराने की ताक कांग्रेस रखती है, न सिर्फ कार्यकर्ताओं में जोश भर र है वरन उन्हें 2027 की तैयारियां अभी से करने के लि प्रेरित भी करता है।

यह केवल गुजरात की बात नहीं वरन लगभग ह राज्य में यही दिखता है कि चुनाव सिर पर आने त कांग्रेस की तैयारियां नहीं रहतीं। अंतिम समय त उम्मीदवार घोषित नहीं होते तथा जिसे भी प्रत्या बनाकर उतारा जाता है, प्रतिस्पर्धी खेमा जो पार्टी टिक से वंचित रह जाता है वह या तो निष्क्रिय हो जाता अथवा भाजपा को प्रत्यक्ष-परोक्ष मदद करता है। य कोई समझे कि राहुल की यह चेतावनी केवल गुजरा इकाई के लिये है तो वह गलतफहमी में है।. पार्टी भीतर से जो संकेत मिल रहे हैं वे यही बताते हैं

दिल्ली विश्वविद्यालय में गोबर विमर्श

परंपरा और संस्कृति के नाम पर भरा जा रहा है, जो हर किस्म की चेतना से घबराते हैं, नए विचारों से दूर भागते हैं। अभी हाल में दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्राचार्या ने कमरे की दीवारों पर गोबर लीपा ताकि ठंडक बनी रहे। जबकि इस कॉलेज की छात्राओं की शौचालय, पुस्तकालय, स्वच्छ पेयजल, कैंटीन या अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर जो मांगें हैं, उसके समाधान की कोशिशें नहीं की जा रही हैं।ऐसा लग रहा है कि अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया को अपने कदमों में झुकाने की हसरत पाले दूसरी बार सत्ता में आए हैं। जिस लोकतंत्र पर अमेरिका की जनता को इतना अभिमान रहा है, उसकी धज्जियां उड़ाने में ट्रंप कोई कसर नहीं छोड़ रहे। पाकिस्तानी शायरा फहमीदा रियाज़ याद आती है-

तुम बिल्कुल हम जैसे निकले,
अब तक कहां छुपे थे भाई।
वो मूरखता वो घामड़-पन,
जिस में हम ने सदी गंवाई।
आख़िर पहुंची द्वार तुहारे,
अरे बधाई बहुत बधाई।।

फहमीदा रियाज़ ने ये नज़्म भारत और पाक में लोगों की एक जैसी सोच पर लिखी थी, लेकिन फिलहाल अमेरिका से हर बात में तुलना करने को आतुर भारतीय ये सोचकर खुश हो सकते हैं, जो हाल हमारे यहां लोकतंत्र का हो रहा है, वही अमेरिका में नजर आ रहा है। हालांकि वहां हार्वर्ड विश्वविद्यालय जैसी मजबूती लोकतंत्र के भविष्य को भी मजबूत करने के संकेत देती है। भारतीय विश्वविद्यालय इस मामले में कमजोर साबित हो रहे हैं। उनकी प्रतिष्ठा राजनीति का औजार बन कर खत्म होती जा रही है और समाज इस मामले में लगभग बेज़ार दिख रहा है। बस लक्ष्मीबाई कॉलेज में प्राचार्य कक्ष में गोबर लीपने जैसी कुछ घटनाएं बता रही है कि अभी पोंगापंथ के आगे वैज्ञानिक नजरिए ने पूरी तरह से घुटने नहीं टेके हैं।डोनाल्ड ट्रंप अपने कई फैसलों को लेकर विवादों में रहे और उनके पूर्ववर्ती जो बाइडेन ने कह भी दिया कि सौ दिनों में काफी विनाशकारी फैसले ट्रंप ने लिए हैं। नए टैरिफ को लेकर पूरी दुनिया से अदावत, रूस-यूक्रेन के बीच मध्यस्थता के नाम पर अपनी टांग अड़ाना, प्रवासी नागरिकों के लिए नियमों को कठिन करना, ऐसे कई फैसले ट्रंप ने लिए जिससे उनकी मजबूती साबित हो। ट्रंप ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय को भी अपने आगे झुकाने के लिए दांव चला और अपनी मांगों की एक सूची विश्वविद्यालय को भेजी, जिसमें कहा गया कि-ट्रंप प्रशासन की इन

मांगों को पूरा करने पर ही हार्वर्ड विश्वविद्यालय को संघीय अनुदान मिलना जारी रहता। लेकिन विश्वविद्यालय ने अपनी स्वतंत्रता या अपने संवैधानिक अधिकारों को नहीं छोड़ने का ऐलान करते हुए इन मांगों को मानने से इंकार कर दिया। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने साफ कर दिया कि व्हाइट हाउस उस पर नियंत्रण की तैयारी कर रहा है, इसलिए वह इन मांगों को नहीं मानेगा। इस तनातनी का परिणाम ये निकला कि ट्रंप प्रशासन ने करीब 2 अरब अमेरिकी डॉलर का वित्तीय अनुदान रोक दिया है।

इतनी बड़ी रकम से वंचित रहने पर विवि के कामकाज और प्रबंधन पर तात्कालिक असर तो पड़ेगा, लेकिन कम से कम भविष्य के लिए न झुकने का रास्ता तैयार हो चुका है। इस फैसले ने साबित कर दिया है कि क्यों हार्वर्ड दुनिया के नामचीन विश्वविद्यालयों में शुमार होता है, और ये भी समझ आ रहा है कि क्यों ट्रंप को इससे दिक्कतें हो रही हैं। आखिर मोदीजी को भी तो इसी तरह जेएनयू, एएमयू जैसे शिक्षा संस्थानों से दिक्कतें हुईं। वैसे अपनी हीनभावना की ग्रंथि के इलाज के लिए श्री मोदी एक बार हार्वर्ड को भी निशाने पर ले चुके हैं। याद कीजिए किस तरह नोटबंदी के फैसले पर डॉ.मनमोहन सिंह ने इसके दुष्परिणामों का अनुमान लगाया था तो मोदी ने कहा था कि बड़े विद्वान, कुछ हार्वर्ड से, कुछ ऑक्सफोर्ड से...कुछ ने कहा कि जीडीपी में 2 प्रतिशत की गिरावट आएगी, अन्य ने कहा कि (नोटबंदी के बाद) 4 प्रतिशत की गिरावट आएगी...लेकिन देश ने देखा है कि हार्वर्ड के लोग क्या सोचते हैं और कड़ी मेहनत करने वाले लोग क्या सोचते हैं।

वहीं इससे पहले 2014 में भी नरेन्द्र मोदी ने यूपीए सरकार की अर्थव्यवस्था को लेकर कहा था कि %वित्त मंत्री हार्वर्ड से हैं। प्रधानमंत्री अर्थशास्त्री हैं और उनके पास भी एक बडे विश्वविद्यालय की डिग्री है। मेरे पास हार्ड वर्क (कठोर परिश्रम) है। हार्वर्ड जाने का कोई मतलब नहीं है। जो मायने रखता है, वह कठोर परिश्रम है। जो साधारण से स्कूल में पढ़ा हो, चाय बेची हो और हार्वर्ड के दरवाजे तक न देखे हो, उस एक आदमी ने दिखा दिया कि अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए क्या करना चाहिए।इस किस्म के बड़बोलेपन का कोई इलाज नहीं है, हालांकि अब देश देख रहा है कि बेतुके शब्दाडंबर करने का नुकसान देश को हुआ और आज तक अर्थव्यवस्था डांवाडोल है। वैसे 2017 में जब नरेन्द्र मोदी ने हार्वर्ड पर टिप्पणी की थी तो उस वक्त हार्वर्ड के छात्र प्रतीक कंवल ने बाकायदा चिठ्ठी लिखकर कहा था कि %भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को विकसित करने के लिए, आपको ऐसे लोगों की मदद की आवश्यकता होगी जो अलग दृष्टिकोण लेकर आएं। अर्थशास्त्रियों और विश्वसनीय शैक्षणिक संस्थानों का मज़ाक उड़ाना हमें दुनिया से अलग-थलग कर देगा।पता नहीं उस चिठ्ठी का मर्म नरेन्द्र मोदी ने समझा या नहीं, लेकिन 2017 से 2025 तक हमने देश के शैक्षणिक संस्थानों में सिलसिलेवार गिरावट ही देखी है। 2016 में जेएनयू प्रसंग को अब भी भाजपा विपक्ष को निशाने पर लेने के लिए इस्तेमाल करती है और टुकड़े-टुकड़े गैंग जैसे शब्द उसके शब्दकोष में स्थायी जगह बना चुके हैं। शैक्षणिक संस्थाओं में दकियानूसी, कट्टर और रुढ़िवादी सोच के शिक्षकों को परंपरा और संस्कृति के नाम पर भरा जा रहा है, जो हर किस्म की चेतना से घबराते हैं, नए विचारों से दूर भागते हैं। अभी हाल में दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्राचार्या ने कमरे की दीवारों पर गोबर लीपा ताकि ठंडक बनी रहे।जबकि इस कॉलेज की छात्राओं की शौचालय, पुस्तकालय, स्वच्छ पेयजल, कैंटीन या अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर जो मांगें हैं, उसके समाधान की कोशिशें नहीं की जा रही हैं। कक्षा की दीवार पर गोबर लीप कर प्राचार्या महोदया ने निश्चित ही भाजपा के सामने अपने अंकों को बढ़ाने की कोशिश की, हालांकि दिल्ली विवि छात्रसंघ के अध्यक्ष रौनक खत्री ने इसका तुरंत ही सही प्रतिवाद किया। पहले रौनक खत्री ने ऐलान किया था कि वे भी अब गोबर लीपने प्राचार्या के कक्ष में आएंगे और वहां के एसी को छात्रों के लिए दे देंगे और अगले दिन रौनक खत्री बाकायदा गोबर लेकर पहुंच भी गए। उनके आने से पहले प्राचार्या महोदया तो कहीं चली गई, लेकिन अन्य शिक्षिका ने उन्हें रोकने की पूरी कोशिश की, मगर वे सफल नहीं हुईं। रौनक खत्री ने इस दौरानकॉलेज की छात्राओं से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना भी।छात्रसंघ अध्यक्ष का यह विरोध सामयिक और सटीक है, क्योंकि अगर मुंहजबानी प्राचार्या के कृत्य का विरोध किया जाता तो उसका असर नजर नहीं आता, अब कम से कम छात्रों को ऐसे मूढ़तापूर्ण कार्यों पर आवाज उठाने और बिना बेहूदगी के विरोध करने का हौसला मिलेगा। यह देखकर अच्छा लगा कि रौनक खत्री या उनके साथियों ने न शिक्षकों से दुर्व्यवहार किया, न किसी किस्म के उपद्रव का माहौल बनाया। अन्यथा छात्रों के विरोध अक्सर जोश-जोश में गलत रास्ते पर चले जाते हैं और फिर सत्ता को दखलंदाजी का और मौका मिलता है।जेएनयू, बीएचयू, एएमयू, जादवपुर विवि, हैदराबाद विवि, आईआईटी, आईआईएम ऐसे तमाम प्रतिष्ठित भारतीय शिक्षा संस्थान ऐसी ही दखलंदाजियों का शिकार होकर बर्बादी के रास्ते पर हैं। नरेन्द्र मोदी नालंदा की पुनर्प्रतिष्ठा की बात करते हैं,

अकेलेपन को करें एंजॉय

अकेलापन शायद ही किसी को अच्छा लगता हो, लेकिन यह भी सच ही है कि जो लोग ज्यादा सामाजिक होते हैं या फिर जिन्हें सामाजिकता से ज्यादा प्यार होता है, उनके पास अपने लिए भी वक्त नहीं होता है। लेकिन अगर आप ज्यादा सामाजिक नहीं हैं या फिर आप इससे दूर भागते हैं और अकेले हैं तो कोई बात नहीं। आप अपने अकेलेपन को भी एंजॉय कर सकते हैं। क्योंकि हर परिस्थिति हमेशा बुरी नहीं होती है। पूरी बात हमारे नजरिए पर निर्भर है कि हम क्या सोचते हैं। इसलिए अगली बार अकेलापन को सकारात्मक नजर से देखें।

सीखें खुद से प्यार करना...

जब आप अकेले रहते हैं तो आपने यह महसूस किया होगा कि आपके आस-पास कोई ?सा शख्स नहीं होता है कि जो आपको देख रहा हो। आप पूरी तरह से मुक्त होते हैं हर तरह के बंधन से। आप वो सारी चीजें कर सकते हैं जो आप करना चाहते हैं। पहले आप वो चीजें इसलिए नहीं कर पाते थे क्योंकि लोग आपके आस-पास रहते थे। लेकिन चूंकि आप अकेले हैं तो हर वो चीज करें जिसकी आपको ख्वाहिश थी। नाचे,गाएं,मनपसंद खाना खाएं। यह थोड़ा अजीब है लेकिन इसमें मजा आएगा। आप कहीं जाएं और लोगों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें कि वो क्या करते हैं (अक्सर लोगों को लगता है कि वो जो काम कर रहें हैं उसे कोई नोटिस नहीं कर रहा है) आप पार्क में या किसी मॉल में जाइए लोगों के व्यवहार को देखिए। आप पाएंगे कि हर व्यक्ति अलग-अलग लोगों से कैसे व्यवहार करता है। इस चीज में आपको मजा आएगा लेकिन अगर नहीं आता है तो कोई बात नहीं,किसी शांत और प्रकृतिमय जगह जाएं। जहां पशुओं-पक्षियों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें,मजा आएगा।

...तो हो जाएं थोड़ा क्रिएटिव

अकेलेपन का यह मतलब बिल्कुल भी नहीं है कि आप लेजी हो जाएं,दिनभर सुस्ती के साथ बिस्तर पर लेटे रहें। बल्कि यही मौका होता है जब आप अपने अंदर की रचनात्मकता को निखार सकते हैं। अगर आपको कुकिंग का शौक है तो कोई डिश,जो आप रोज बनाते हैं उसे अलग तरीके से बनाइए। लिखने का शौक है तो क्यों न कुछ लिखें। अगर कोई विषय नहीं मिल रहा है तो अपने आपको केंद्रित करके भी कुछ लिख सकते हैं। तूलिका से अगर प्यार है तो आड़ी-टेढ़ी रेखाओं से ही सही कुछ तस्वीर ही खींच दें।

जा रही हैं ब्यूटी पार्लर...

आज ब्यूटी पार्लर जाना आम बात हो गई है पर कई बार हम वहां जाते तो हैं अपनी खूबसूरती में चार चांद लगवाने पर अनजाने में ढेर सारी बीमारियां साथ लेकर चले आते हैं। ब्यूटी के मामले में लापरवाही से काम लेना उचित नहीं है। जब भी पार्लर जाएं, वहां कुछ बातों का ध्यान रखें...

पेडीक्योर के समय

खतरा : फंगल इंफेक्शन, मस्से

सावधानी : पैर रखने वाले बरतन को अच्छी तरह से स्टरलाइज्ड करवाएं वरना पैरों में इंफेक्शन होने का भय रहता है। इस बात का ध्यान रखें कि क्यूटिकल स्टिक दोबारा इस्तेमाल आप पर न हो।

समाधान : पर्सनल झावां और क्यूटिकल स्टिक अपने साथ ले जाएं। ऐसे पार्लर पर जाएं जहां फ्रेश या एक ही बार इस्तेमाल की जाने वाली पेडी पैडल का उपयोग किया जाता है।

आई ब्रो बनवाते समय

खतरा : त्वचा रोग, हर्पीज

सावधानी : आई ब्रो निकालने के लिए चिमटी का इस्तेमाल किया जाता है। मामूली सी दिखने वाली चिमटी बहुत सारी बीमारियों से भरी होती है। जब ब्यूटी थेरेपिस्ट चिमटी का इस्तेमाल करे तो उससे चिमटी स्टरलाइज कर लेने को कहें, नहीं तो आप इंफेक्शन का शिकार हो सकती हैं।

समाधान : ब्यूटी पार्लर में यह जरूर चेक करें कि ट्रे में रखें टूल्स स्टरलाइज्ड है या नहीं। हो सके तो अपने सामने चिमटी को स्टरलाइज्ड करवाएं। चिमटी को खौलते पानी में उबाला गया है तो बेशक इसका इस्तेमाल करें। अपने साथ पर्सनल चिमटी ले जाएं।

जब फेशियल करवाएं

खतरा : इम्पेटिगो डर्माटाइटिस (त्वचा रोग)

सावधानी : कई लोगों द्वारा इस्तेमाल किए गए तौलिए से त्वचा में संक्रमण होने का खतरा रहता है। इसमें चेहरे पर सूजन या जलन हो सकती है। एक ही फेशियल प्रॉडक्ट्स को अंगुलियों में डुबोकर हर किसी के चेहरे पर लगाने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

समाधान : इस्तेमाल किए जाने वाले तौलिया या गाउंस साफ - सुथरी हों। दूसरों द्वारा इस्तेमाल न की गई हों। फेशियल करते वक्त थेरेपिस्ट को हाथों को अच्छे से धोने या हाथों पर दस्ताने चढ़ाने के लिए कहें। ध्यान रहे कि दस्ताने नए हों, पहले से काम में लिए न हों। थेरेपिस्ट के हाथों में घाव, सूजन या इंफेक्शन हो तो उससे फेशियल न करवाएं ताकि उसके हाथ से कीटाणु आपके शरीर में न पहुंचें।

वैक्सिंग के वक्त

खतरा : दाद, खाज या जलन

सावधानी : वैक्सिंग के वक्त जरूर चेक कर लें कि फ्रेश स्पैचुला का इस्तेमाल किया जा रहा है या नहीं।

समाधान : पार्लर वाली से नया स्पैचुला इस्तेमाल करने को कहें। तिल, मस्से, दाद, खुजली पर वैक्स न करवाएं।

नीम की पत्तियां निखारे त्वचा

नीम की पत्तियां आपको आसानी से हर जगह मिल जाएंगी। इनका इस्तेमाल भी मुश्किल नहीं है। आपको बस करना यह होगा...

नीम की पचास पत्तियों को दो लीटर पानी में डालकर खूब उबाल लें। उस उबले पानी को ठंडा करके एक बॉटल में रख लें। रोज नहाते वक्त उस पानी की थोड़ी मात्रा नहाने वाले पानी मिलाएं। त्वचा में कोई संक्रमण नहीं होगा।

नीम के इस पानी का उपयोग आप चेहरा साफ करने के लिए भी कर सकती हैं। रात में सोने से पहले एक कॉटन बॉल को नीम के पानी में डुबोएं उसके बाद उस पानी से चेहरे को साफ करें। ?सा करने से चेहरा तो साफ होगा, साथ ही मुंहासे और ब्लैकहेड्स की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। नीम की छाल और जड़ भी सेहत के लिहाज से बहुत प्रभावी होते हैं। इनका पाउडर बनाकर बालों में लगाने से रूसी और जूं की समस्या नहीं होती है। क्योंकि नीम अपने आप में एक बहुत ही अच्छा एंटीबैक्टेरियल होता है।

पाँवों को भी है देखभाल की जरूरत

खूबसूरत मुलायम पैरों का सौंदर्य में उतना ही महत्व है जितना कि चेहरे का। चेहरे व शरीर के अन्य अंगों की तरह पैरों की भी देखभाल की जानी चाहिए। अपने दिनभर के रूटीन से थोड़ा सा समय निकाल कर पैरों की देखभाल में लगाएं और देखें कि आपके पैर कितनी जल्दी मुलायम और सुंदर बन जाते हैं।

फुरसत के समय या टीवी देखते समय अच्छी क्रीम या तेल के हल्के हाथों से गोलाई में पैरों की मालिश करें। थोड़ी देर में तेल त्वचा में रम जाएगा। इससे थके?हारे पैरों को आराम मिलेगा और रूखी त्वचा मुलायम बनी रहेगी। नहाते समय प्यूमिक स्टोन से पैरों की अच्छी तरह सफाई करें ताकि कटी?फटी त्वचा उतर जाए। नहाने के बाद कोई अच्छा बॉडी लोशन या क्रीम पैरों पर लगाएं।

अगर पैरों में पसीना ज्यादा आता हो तो गुनगुने पानी में नींबू की कुछ बूंदें डालें। इसमें पैरों को डुबो कर रखें। पंद्रह मिनट के बाद पैरों को पोंछ लें। थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी में गुलाबजल डाल कर पेस्ट बनाकर पैरों पर पतली परत लगाएं और सूखने पर उसे धो लें। पसीने की समस्या से बचने के लिए पैरों पर अच्छी तरह पाउडर लगाकर जूते पहनें।

गर्म पानी में नमक डाल कर उसमें कुछ देर के लिए पैरों को डाल कर रखें। इससे थके पैरों को आराम मिलता है। मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा सा दही डाल कर पेस्ट बना कर पैरों में लगा लें और सूखने पर धो दें। इससे पैर मुलायम हो जाएंगे। पैरों की त्वचा ज्यादा सूखी हो तो गुनगुने पानी में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिला लें। पंद्रह मिनट तक अपने पैरों को इसमें भिगो कर रखें फिर पोंछ कर किसी अच्छी क्रीम से मालिश करें।

पैरों को मुलायम बनाने के लिए मलाई में कुछ बूंदें नींबू की मिलाएं और इससे पैरों की मालिश करें। दो चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच गुलाबजल में एक चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को एक बोतल में बंद करके रोज सोने से पहले लगाएं। इससे पैरों की त्वचा मुलायम बनी रहेगी।

आपके पैर ठंडे रहते हैं तो सोने से पहले जैतून के तेल से मालिश करें। पैरों के अंदर धंसे नाखूनों की समस्या उन्हें गलत ढंग से काटने से होती है। नाखूनों को सीधा और चौड़ाई में काटें। नेलपालिश लगे हुए पैर सुंदर लगते हैं पर बीच-बीच में नेलपालिश का प्रयोग बंद कर देना चाहिए ताकि नाखूनों का स्वाभाविक रंग बना रहे। लगातार कुर्सी पर बैठे रहने के कारण पैर खिंच जाते हों तो पैरों को क्लॉकवाइज और एंटी क्लॉकवाइज थोड़ी?थोड़ी देर में घुमाते रहें। जूते?चप्पल हमेशा सही माप के खरीदें जिससे आपके पैरों को उनमें पूरी जगह मिल सके। बहुत देर तक ऊंची एड़ी की सैंडलें नहीं पहनें इनसे थकान ज्यादा होती है और शरीर का संतुलन बिगड़ता है। अगर हील पहननी ही हो तो प्लेटफॉर्म हील ही खरीदें। नंगे पांव हरी घास पर टहलना भी पैरों के लिए लाभदायक होता है।

जानिए क्यों जरूरी है लिवर हमारे शरीर के लिए

WHO की मानें तो लीवर की बीमारी भारत में मौतों की 10वीं सबसे बड़ी वजह है। यह हमारे शरीर का सबसे बड़ा अंग है और एक फैक्टरी की तरह काम करता है, जहां हम जो भी खाते हैं, वो प्रोसेस होता है। यह हमारे खाने के जरिए शरीर में पहुंचने वाले ग्लूकोज, फैट, वगैरह को प्रोसेस करता है। इसलिए यह हमारे शरीर का सबसे जरूरी अंग है, जो खाने को पचाने में मदद करता है। लिवर को जिगर या यकृत भी कहते हैं। 19 अप्रैल को World Liver Day के मौके पर आइए जानते हैं लिवर की सेहत के बारे में कुछ जरूरी बातें

मोटापे और डायबिटीज जैसी लाइफस्टाइल से

जुड़ी बीमारियों का सबसे ज्यादा असर लिवर पर पड़ता है। इससे फैटी लिवर होने का खतरा भी बढ़ जाता है, जो लिवर के डिसफंक्शन और लिवर सिरोसिस का कारण बनता है। अगर आप डायबिटीज या हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं के शिकार हैं, तो उन्हें लेकर सतर्क होना बेहद जरूरी है। डायबिटीज पर सख्त नियंत्रण बेहद जरूरी है, ताकि शुगर लेवल हाई होने की वजह से लिवर को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

आपका खानपान ऐसा होना चाहिए, जिससे मोटापे या डायबिटीज के खतरे को कम किया जा सके। इसलिए फ्रीड या फास्ट फूड का सेवन बेहद सीमित मात्रा में करना चाहिए।

अधिक मात्रा में शराब का सेवन लिवर के लिए काफी नुकसानदेह हो सकता है। 10 से 20 साल तक अधिक मात्रा में शराब का सेवन लिवर को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है।

स्मोकिंग से भी लिवर को काफी नुकसान पहुंचता है। धूम्रपान करने वालों में लिवर कैंसर के मामले अधिक देखने को मिलते हैं। सिगरेट में मौजूद तत्व कार्सोजेनिक (कैंसर कारक) होते हैं। इस मामले में पैसिव स्मोकर्स पर भी बराबर का खतरा होता है।

लिवर की बीमारी के अस्पष्ट कारणों में मितली लगना, भूख खत्म होना और वजन घटना शामिल है। लिवर बिगड़ने का सबसे शुरुआती लक्षण जॉनडिस या पीलिया होता है। हालांकि कभी-कभी लिवर डैमेज के लक्षण में जॉनडिस नहीं भी होता है। लिवर की सेहत पर नजर रखने के लिए liver function test कराने की सलाह डॉक्टर अक्सर देते हैं। आप चाहें तो साल में एक बार या कम से कम दो बार ब्लड टेस्ट कराकर लिवर को हो रहे नुकसान का पता लगा सकते हैं।

अनाज में जिंक की कमी से बढ़ रहा डायरिया, मलेरिया और निमोनिया का खतरा

जलवायु परिवर्तन से अनाज में जिंक (जस्ता) की मात्रा तेजी से घट रही है, जिसका सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ रहा है। अध्ययन में दावा किया गया है कि अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन के कारण अनाज में जिंक कम हो रहा है। जिंक की कमी से डायरिया, मलेरिया तथा निमोनिया जैसी बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है। जिंक शरीर के प्रतिरोधक तंत्र को दुरुस्त भी बनाए रखता है। मैथ्यू स्मिथ, अश्विनी छत्रे, सुपर्णा घोष और सैमुअल एस. म्येर्स द्वारा भारत पर किए गए अध्ययन के अनुसार, वर्ष 1983 में देश में जिंक की कमी के शिकार लोगों का प्रतिशत 17 था, जो 2012 में बढ़कर 25 फीसदी तक पहुंच गया। इसका मतलब यह हुआ कि इन तीन दशकों में 8.2 करोड़ और लोग जिंक की कमी के शिकार हुए।

रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2050 तक पांच फीसदी और भारतीय आबादी जिंक की कमी के चपेट में आ सकती है। वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में खाद्यान्न के उपभोग को लेकर 30 सालों के एनएसएसओ के आंकड़ों, देश के विभिन्न हिस्सों में सात परिवारों के खानपान के पैटर्न का अध्ययन करने के बाद यह नतीजा निकाला है। सभी प्रमुख अनाजों जिसमें चावल, गेहूं, मक्का, जौ तथा फलियां शामिल हैं, उच्च कार्बन उत्सर्जन से प्रभावित हो रही हैं। दक्षिण भारत समेत देश के जिन हिस्सों में चावल का सेवन ज्यादा होता है, वे लोग जिंक की कमी के ज्यादा शिकार हुए हैं। वहीं शहरी आबादी में भी जिंक की कमी पाई जा रही है।

शरीर का पोषक तत्व

जिंक शरीर के लिए जरूरी आठ सूक्ष्म पोषक तत्वों में से एक है। यह शरीर में नहीं बनता है, बल्कि भोजन से ही शरीर को प्राप्त होता है।

इसलिए होती है कमी

कार्बन डाई आक्साइड पौधों के लिए जरूरी है। जितना कार्बन उत्सर्जन ज्यादा होगा, उतने ही पौधों की वृद्धि बेहतर होगी। पौधों की वृद्धि अच्छी हो रही है, लेकिन इससे अनाज के दानों की गुणवत्ता घट रही है।

कितनी कमी

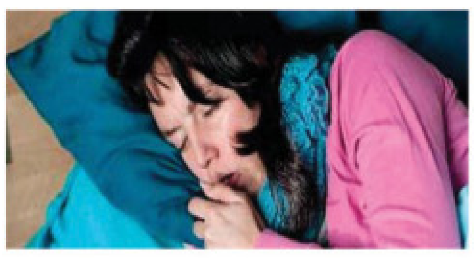

रिपोर्ट के अनुसार, गेहूं, चावल, मक्का, जौ और फलियों में जिंक की कमी 5-11 फीसदी की दर्ज की गई है। यह तुलना 1983 से पहले के आंकड़ों से की गई है।

इस तरह हो समाधान

रिपोर्ट में समस्या का समाधान भी सुझाया गया है। इसके अनुसार, इस समस्या से निपटने के लिए भारत को दो उपाय करने होंगे। एक तो कार्बन उत्सर्जन में कमी लाई जाए। दूसरे, जिंक की कमी से निपटने के लिए राष्ट्रीय पोषण कार्यक्रम में जिंक को अलग से प्रदान करें।

रेसिपी

दही भल्ले

- पानी पूरी- आवश्यकतानुसार
- उबले आलू- 2
- चाट मसाला पाउडर- 1 चम्मच
- नींबू का रस- 1 चम्मच
- बारीक कटा प्याज- 2
- दही- 1/2 कप
- काला नमक- स्वादानुसार
- चीनी- 1 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- आवश्यकतानुसार
- चाट मसाला पाउडर- आवश्यकतानुसार
- हरी चटनी- 1/2 कप
- मीठी चटनी- 1/2 कप
- सेव- 1 कप

विधि

एक बाउल में आलू का छिलका छीलकर मैश करें। उसमें चाट मसाला और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। एक दूसरे बाउल में दही, काला नमक और चीनी डालकर अच्छी तरह से फेंट लें। सर्विंग प्लेट में पानी पूरी रखें और एक-एक करके सारी पानी पूरी के बीच में छेद करें। उसमें थोड़ा-थोड़ा आलू वाला मिश्रण डालें। ऊपर से थोड़ा-थोड़ा प्याज, दही, दोनों चटनियां, सेव, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पत्ती डालें। तुरंत सर्व करें।

करेला चिप्स

- करेला- 4-5 (छीलें और गोल टुकड़े में कटे)
- हल्दी पाउडर- आधा टीस्पून
- धनिया पाउडर- 2 टीस्पून
- सौंफ पाउडर- 2 टीस्पून
- अमचूर पाउडर- आधा टीस्पून
- नींबू का रस- 2 टीस्पून
- जीरा- आधा टीस्पून
- हींग -1 चुटकी
- नमक - स्वादानुसार
- सरसों का तेल - आवश्यकतानुसार

विधि

सबसे पहले करेले को नमक लगाकर करीब 20 मिनट तक रख दें। 20 मिनट के बाद करेले को अच्छी तरह से धोकर एक छलनी में निकाल लें, ताकि एक्स्ट्रा पानी निकल जाए। अब एक कड़ाही में सरसों का तेल डालकर गरम करें। जब तेल गरम हो जाए, तब इसमें करेले को डालकर चारों तरफ से पलटकर क्रिस्पी ब्राउन होने तक फ्राई कर लें और एक प्लेट में निकाल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें। फिर इसमें हींग और जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे, तब इसमें हल्दी पाउडर डालकर हल्का सा भून लें। अब गैस बंद कर दें और इसमें फ्राई किए हुए करेले, अमचूर पाउडर, नमक, सौंफ पाउडर, धनिया पाउडर और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। करेले चिप्स को सर्विंग प्लेट में निकालें और सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी रुचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

❑ ❑ ❑

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

❑ ❑ ❑

कवि (पत्नी से), "तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।"

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

काकुरो पहेली -4029

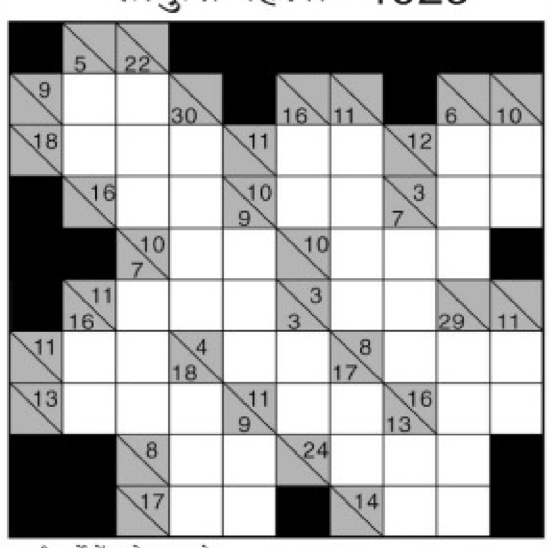

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

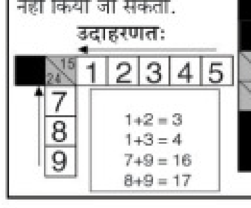

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -4028 का हल

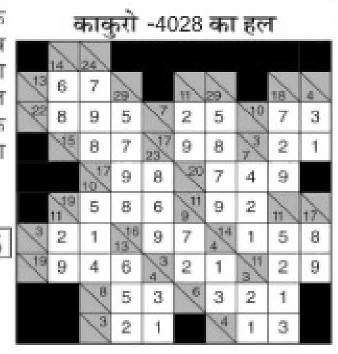

फिल्म वर्ग पहेली- 4029

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली-4028

सूडोकु -4029

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4028 हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली - 4029

बाएँ से दाएँ

1. असभ्यता,मूर्खता-4
3. निर्भय,बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा,शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता,गुलामी-5
14. दानव,दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई,छाया-2
19. आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल,वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा,सूजी-2
30. गुलिस्तां,बाग-3
31. एक ग्रह,शनिश्चर-2
32. दबाना,कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा,अनोखा-3
4. लक्ष्मी,कमला-2
5. खीजना,रोना-4
6. एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष,होशियार-3
10. जमीकंद,एक सब्जी-3
12. धैर्य,संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पेंदा,तला-2
21. पुत्र,बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर,बाण-2

शब्द पहेली 4028 का हल

सीजी पीएससी परीक्षा से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई ने दी पांच ठिकानों पर दबिश, जुटाए साक्ष्य

एजेंसी

रायपुर/महासमुंद। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजी पीएससी) परीक्षा से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ा कदम उठाया। रायपुर और महासमुंद में कुल पांच ठिकानों पर एक साथ दबिश देकर सीबीआई ने कई अहम दस्तावेज और तकनीकी साक्ष्य जुटाए हैं। ऐसे में जल्द ही दो और बड़ी गिरफ्तारियों की संभावना जताई जा रही है। यह छापेमारी गुरुवार की सुबह शुरू हुई और देर शाम तक चली। सीबीआई के अधिकारियों के मुताबिक इस दौरान कई संवेदनशील दस्तावेज और तकनीकी साक्ष्य बरामद किए गए हैं, जो घोटाले की जड़ तक पहुंचने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।सीबीआई की टीम ने छापेमारी की शुरुआत महासमुंद जिले से की, जहां सरकारी डॉक्टर के निवास, अभ्यारण के गेस्ट हाउस और एक स्थानीय कोचिंग संस्थान को निशाना बनाया गया। इसके बाद टीम रायपुर पहुंची और सिविल लाइन स्थित एक प्रतिष्ठित कोचिंग इंस्टीट्यूट, साथ ही फूल चौक इलाके में स्थित एक निजी होटल पर भी दबिश दी। सूत्रों के अनुसार, यह होटल उन अभ्यर्थियों और आरोपितों के ठहरने का स्थान रहा है, जिन पर सीजी पीएससी परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप हैं। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान कंप्यूटर हार्ड डिस्क, मोबाइल फोन, दस्तावेजों के बंडल, और हस्तलिखित नोट्स बरामद किए गए हैं। यह सभी सबूत परीक्षा में हेरफेर, अनुचित मदद और आर्थिक लेन-देन से संबंधित हो सकते हैं।

ईडी ने सुनील स्पंज प्राइवेट लिमिटेड की 77 लाख 51 हजार रुपये की अचल संपत्ति को किया सीज

रायपुर। ईडी ने सुनील स्पंज प्राइवेट लिमिटेड की 77 लाख 51 हजार रुपये की अचल संपत्ति को सीज किया है। यह कार्रवाई पीएमएल एक्ट के तहत की गई है। ईडी ने अपने सोशन नेटवर्किंग प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी है। मनी लॉन्ड्रिंग के तहत संपत्ति कुर्क की गई है।

स्वयंसेवकों को एकता और भाइचारे का संदेश दे अलीगढ़ के लिए रवाना हुए सरसंघचालक

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत कानपुर से अलीगढ़ के लिए रवाना हो गये। इस दौरान संघ से जुड़े पदाधिकारी उन्हें छोड़ने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे। पांच दिवसीय प्रवास पर कानपुर में उन्होंने जहां उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े आरएसएस प्रांत कार्यालय का प्रवेशोत्सव किया तो वहीं बैठकें कर स्वयंसेवकों को एकता व भाइचारे का संदेश दिया। इसके साथ संघ के आयामों में हो रही गतिविधियों की जानकारी ली और आगामी कार्ययोजनाओं की जिम्मेदारी सौंप गये। सरसंघचालक शाम कानपुर पहुंचे थे और विश्राम के बाद सोमवार को उन्होंने कारवालो नगर स्थित आरएसएस के प्रांत कार्यालय का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने देशभर के हिंदुओं को जागरुक करते हुए एकता और भाईचारे का संदेश दिया। साथ ही प्रवास के दिनों में उन्होंने शाखाओं में हिस्सा लेते हुए पदाधिकारियों के साथ बैठक भी की थी। उन्होंने कहा कि संघ का प्रचार विस्तार पहले से काफी बढ़ा है। कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण सहित छह आयामों की बैठक में गतिविधियों की जानकारी और आगामी कार्ययोजना पर भी सहमति बनी। उन्होंने कुटुंब प्रबोधन की बैठक पर संयुक्त परिवार पर अधिक जोर दिया और कहा कि यही हमारी संस्कृति रही जिसके जरिये हम विश्व गुरु कहलाते थे। इस संस्कृति को वापस लाने के लिए स्वयंसेवक लगातार प्रयासरत हैं।

तमिलनाडु और पुडुचेरी में जुलूस और प्रार्थना सभा, यीशु मसीह के बलिदान को किया गया याद

सलेम, पुडुचेरी । गुड फ्राइडे पर तमिलनाडु और पुडुचेरी में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस दिन यीशु मसीह के सूली पर चढ़ने और बलिदान को याद किया जाता है। प्रार्थना सभाएं और विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में ईसाई शामिल हुए। तमिलनाडु के तंजावुर जिले के माधा कोइल स्ट्रीट में गुड फ्राइडे पर 'क्रॉस का रास्ता' जुलूस निकाला गया। यह जुलूस अवर लेडी ऑफ हेल्थ धार्मिक स्थल से शुरू होकर कब्रिस्तान तक गया। जुलूस में शामिल लोगों ने यीशु मसीह के क्रूस पर चढ़ने की घटना को नाटकीय रूप से प्रस्तुत किया। फादर पेरिंगटन के नेतृत्व में पुजारी, नन और सैकड़ों भक्त शामिल हुए। पैरिश काउंसिल ने इस आयोजन को सफल बनाया। भक्तों ने प्रार्थना और चिंतन के साथ ईसा मसीह के बलिदान को याद किया। पुडुचेरी के मिशन रोड पर 'होली जेनाकारिनी कैथेड्रल' में भी जुलूस निकाला गया। फादर फ्रांसिस कैलिस्ट ने क्रॉस उठाकर जुलूस का नेतृत्व किया। जुलूस मिशन रोड से मदर टेरेसा मार्ग होते हुए चर्च पहुंचा। सैकड़ों ईसाइयों ने विशेष प्रार्थना में हिस्सा लिया। पुडुचेरी के सभी चर्चों में पादरियों ने क्रॉस जुलूस और प्रार्थना सभाएं आयोजित कीं।

सुरक्षा बलों के त्याग और तपस्या के कारण ही हम सुरक्षितः अमित शाह

एजेंसी

सिरोही। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सशस्त्र बलों के सुरक्षाकर्मियों के त्याग-तप और बलिदान के कारण आज हम सुरक्षित हैं। 46 डिग्री टेंपरेचर से लेकर प्लस 46 डिग्री टेंपरेचर में रेगिस्तान के अंदर हमारी सीमाओं की वह सुरक्षा अपने जीवन का स्वर्ण काल देकर करते हैं। तभी जाकर हम सुरक्षित, आंतरिक सुरक्षा की बात करते हैं। सेना और सीआरपीएफ को छोड़कर सभी राज्यों की पुलिस भी कानून और व्यवस्था की स्थिति संभालकर हर निर्बल को संरक्षण देने का काम करती है। यह काम एक प्रकार से ढेर सारा तनाव पैदा करने वाला है। नींद की कमी, पानी की कमी, शांत मन

की कमी और हिंसा से जूझने के समय उनका मन तनाव में होता है, ऐसे में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा हमारे सुरक्षा कर्मियों को बाहर लाकर उनका मन, आत्मा और शरीर को शांति का मार्ग प्रशस्त करने का प्रयास करना, अपने आप में एक बहुत बड़ा काम है।गृह मंत्री अमित शाह ब्रह्माकुमारीज़ के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन पहुंचे। यहां उन्होंने डायमंड हॉल में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के सुरक्षा सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय सम्मेलन का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ और प्रभाग की सिल्वर जुबली की लॉचिंग की। संस्थान की इस वर्ष की वार्षिक थीम- विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान का राष्ट्रीय उद्घाटन किया। कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 25 साल से हर एक सुरक्षा बल के अंदर जाकर इतने तनाव को कम करके अपने आत्मा को शांति की और कैसे ले जाना और उसके साथ शांत मन और स्वस्थ शरीर से देश की सुरक्षा को और अच्छे तरीके से करने की दिशा में ब्रह्माकुमारीज़ ने जो प्रयास किया है।

इटारसी की ऑर्डिनेंस फैक्टरी को बम से उड़ाने की धमकी, बम स्क्वाड और पुलिस ने की सर्चिंग

एजेंसी

इटारसी। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले के इटारसी में स्थित रक्षा मंत्रालय की आयुध निर्माणी (ऑर्डिनेंस फैक्टरी) को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। प्रबंधन ने तत्काल पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों को इसकी सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस का भारी भरकम स्टाफ बम स्क्वाड, स्वान दल को लेकर जांच के लिए पहुंचा। हालांकि, जांच में परिसर में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया है। एसडीओपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि ऑर्डिनेंस फैक्टरी को बम से उड़ने की धमकी भरा मेल मिला। सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ता और पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरन सिंह की उपस्थित में शाम तक बम निरोधक दस्ते में जांच की। ऑर्डिनेंस फैक्टरी के 25 फीसदी इलाके की सर्चिंग की पुलिस ने की है। बाकी 75 प्रतिशत जगह की सर्चिंग शुक्रवार सुबह होगी। उन्होंने बताया कि फैक्टरी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस टीम मौके पर मौजूद है और परिस्थिति पर नजर रख रही है। मेल की जांच जारी है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मेल किस स्रोत से भेजा गया और इसमें क्या संदेश था। एसडीओपी मिश्रा के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेजी से की जा रही है। फैक्टरी परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

पटना में महागठबंधन घटक दलों की बैठक में एकजुटता मजबूत करने को लेकर बनी सहमति

एजेंसी

पटना। राजधानी पटना में विधानसभा की रणनीति को अमलीजामा पहनाने के लिए बिहार महागठबंधन में शामिल घटक दलों की पहली बैठक हो गई। करीब तीन घंटे चली इस बैठक में में न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने और घटक दलों की एकजुटता मजबूत करने को लेकर सहमति बनी। महागठबंधन की बैठक राजद कार्यालय में दोपहर 2.15 बजे शुरू हुई। शाम करीब पांच बजे तक चली इस बैठक में तेजस्वी यादव ने सबसे आखिर में अपनी बात रखी। इसमें न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने, घटक दलों की एकजुटता मजबूत करने को लेकर सहमति बनी। सबसे पहले वीआईपी, वाम दलों और कांग्रेस ने अपनी बातें रखीं। फिर आखिर में राजद नेता तेजस्वी यादव ने अपने प्रस्ताव रखे। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ने के लिए राजग के सभी नेता दोषी हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास गृह विभाग है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनसे कोई सवाल नहीं पूछते हैं। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि मोदी ने बिहार को ठगने का काम किया। बिहार ने इतने सांसद दिए, फिर भी कुछ नहीं किया

गया। महागठबंधन की बैठक में सभी घटक दलों के नेताओं ने बिहार के मुद्दों पर बात की। इसमें महिला, युवा, बुजुर्गों, पलायन, गरीबी, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में कानून व्यवस्था खराब है। पुलिस की पिटाई हो रही है, महिलाओं से बर्बरता हो रही है। बिहार में कानून नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। महागठबंधन की बैठक में राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह शामिल नहीं हुए। इसे लेकर सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। राजद कार्यालय में हो रही इस बैठक से जो तस्वीरें आईं, उसमें राजद की ओर से तेजस्वी यादव, संजय यादव, आलोक मेहता समेत अन्य नेता दिखे। मगर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नहीं मौजूद रहे। महागठबंधन की बैठक में कांग्रेस की ओर से प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और पार्टी के विधानमंडल दल के नेता शकील अहमद खान शामिल हुए।

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के उत्पीड़न के खिलाफ बजरंग दल 19 अप्रैल को करेगा राष्ट्र व्यापी प्रदर्शन

एजेंसी

रांची। बजरंग दल के झारखंड प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहा है कि पिछले एक सप्ताह से वक़्फ़ अधिनियम के बहाने पश्चिम बंगाल में हिंदू लक्षित हिंसा और दंगों से हिंदुओं का उत्पीड़न बड़े स्तर पर चल रहा है। हजारों की संख्या में पीड़ित हिंदू परिवार अपने ही राज्य में निर्वासित होने पर विवश हुए हैं। इसके विरोध में 19 अप्रैल को बजरंग दल राष्ट्रव्यापी आक्रोश प्रदर्शन करेगा। यहां पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहा कि पश्चिम बंगाल के प्रभावित इलाके से पलायन कर कई पीड़ित परिवार झारखंड के सीमावर्ती जिलों में अपनी जान बचाकर आश्रय लिए हुए हैं। विहिप उन्हें हरसंभव मदद करने को कृत संकल्प है। राज्य सरकार की किसी भी प्रकार की कार्यवाही हिंदू परिवारों की सुरक्षा के लिए अभी तक दृष्टिगत नहीं हुई है। स्पष्टतः इसके मूल में केवल मुस्लिम तुष्टिकरण की दुर्भावना ही है। उन्होंने कहा कि ऐसी पक्षपाती राज्य सरकार के रहते हिंदू परिवारों के जीवन, सम्मान और सम्पति की रक्षा संभव नहीं है। ऐसी हिंदू विरोधी सरकार को तत्काल निलंबित कर राष्ट्रपति शासन

लागू करने से ही हिंदू समाज के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा संभव है। यह बजरंग दल व विश्व हिन्दू परिषद की मांग है। बजरंग दल के झारखंड प्रांत संयोजक महतो ने कहा कि बजरंग दल व विश्व हिन्दू परिषद इस मांग को लेकर 19 अप्रैल, दिन राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत सम्पूर्ण राज्य के सभी जिला केंद्रों पर आक्रोश प्रदर्शन व धरना देगा। इसके बाद जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस मौके पर विहिप प्रान्त अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, प्रान्त मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र, प्रान्त संयोजक रंगनाथ महतो ने सभी जिला मंत्रियों, सभी जिला संयोजकों एवं जिलों में निवास करने वाले सभी दायित्ववान कार्यकर्ताओं सहित सभी धार्मिक, आध्यात्मिक, राजनैतिक संगठनों को इस कार्यक्रम में भारी संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

प. बंगाल के मालदा में बम विस्फोट, पांच बच्चे घायल

एजेंसी

मालदा। वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा की चर्चा के बीच मुर्शिदाबाद से सटे मालदा जिले में बम विस्फोट हुआ। कालियाचक थाना अंतर्गत बीरनगर-2 ग्राम पंचायत इलाके में हुए विस्फोट में पांच बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना से इलाके में तनाव उत्पन्न हो गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार बीरनगर-2 ग्राम पंचायत इलाके में एक मकान खाली पड़ा है। गुरुवार अपराह्न उस मकान में पांच बच्चे खेल रहे थे। उनमें से एक ने गेंद समझकर बम उठा लिया और खेलने लगा। इसी दौरान बम में विस्फोट हो गया जिसमें पांचों बच्चे घायल हो गए। विस्फोट की तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग दौड़े। घायलों को सीलमपुर ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। हालांकि तीन को प्रारंभिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, लेकिन दो का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। विस्फोट की खबर मिलते ही मालदा जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शमसम जैन के नेतृत्व में कालियाचक थाने से बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने बताया कि पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि यह बम कहां से आया था। इलाके में बमों के भंडारण को लेकर स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है।भाजपा के जिला कमिटी के महासचिव अमलान भादुड़ी ने आरोप लगाया, तृणमूल के उपद्रवी उस खाली पड़े घर में बम रखते थे।

नेशनल हेराल्ड के विज्ञापनों की आड़ में पैसा किसकी जेब में जा रहाः अनुराग ठाकुर

एजेंसी

नाहन। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड को अपना एटीएम बना लिया था। नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक सभी ने नेशनल हेराल्ड को मुद्रामोचक ही समझा और इसे अपनी प्राइवेट जागीर बना कर रखा है। ईडी की चार्जशीट के बाद कांग्रेस के इको सिस्टम को साँप सूँघ गया है।

सांसद अनुराग ठाकुर गुरुवार को सिरमौर के पच्छाद में आयोजित एक भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया।कार्यक्रम और उसके बाद प्रेस वार्ता में पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता

सोनिया गांधी व राहुल गांधी के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर ईडी की चार्जशीट दाखिल होने से कांग्रेस के इको सिस्टम को साँप सूंघ गया है। कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड को अपना एटीएम बना लिया था। अब कांग्रेस इस मुद्दे पर चोर मचाये शोर की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक सबने नेशनल हेराल्ड को मुद्रामोचक ही समझा और इसे अपनी प्राइवेट जागीर बना कर रखा। जिस साप्ताहिक अख़बार का हिमाचल से कोई लेना-देना ही नहीं था, उसे यहां की कांग्रेस सरकार ने करोड़ों रुपये के विज्ञापन दे दिए।पूर्व केन्द्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने साप्ताहिक नेशनल हेराल्ड अख़बार को चांदी के सिक्के दिये, जबकि हिमाचल के रोज़ाना अख़बारों को चवन्नी देना भी ज़रूरी नहीं समझा। उन्होंने सवाल उठाया कि नेशनल हेराल्ड के विज्ञापनों की आड़ में पैसा किसकी जेब में जा रहा है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर हाई कोर्ट की सख्ती : विस्थापितों की वापसी के लिए कमेटी की जाएगी गठित, केंद्रीय बल की तैनाती जारी रहेगी

एजेंसी

कोलकाता । कलकत्ता हाई कोर्ट ने मुर्शिदाबाद के उपद्रवग्रस्त क्षेत्रों में जारी तनाव पर संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को सख्त निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने साफ किया है कि जिन लोगों को हिंसा के कारण अपने घर छोड़ने पड़े, उनकी वापसी सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया जाएगा। साथ ही, इन क्षेत्रों में केंद्रीय बल की तैनाती भी बनी रहेगी। इसके साथ ही कोर्ट ने एनआईए जांच की मांग को लेकर कोई भी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। हालांकि राज्य सरकार को कमेटी गठित करने का निर्देश देने को लेकर माना जा रहा है कि इस तरह की किसी भी जांच को फिलहाल कोर्ट ने सहमति नहीं दी है। हाई कोर्ट की मौखिक टिप्पणी में कहा गया है कि इस कमेटी में राष्ट्रीय मानवाधिकार

आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक-एक प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस कमेटी का मुख्य कार्य विस्थापितों को पुनः उनके घरों में सुरक्षित वापस भेजना होगा।पिछले सप्ताह मुर्शिदाबाद के जंगीपुर, सुती, शमशेरगंज आदि इलाकों में वक्फ कानून में संशोधन के खिलाफ आंदोलन के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इसमें अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पहले ही बीएसएफ की सहायता ली गई थी और अब हाई कोर्ट के निर्देश के अनुसार कुल 17 कंपनियों की केंद्रीय बल की तैनाती की गई है। राज्य पुलिस के महानिदेशक राजीव कुमार स्वयं जिले का दौरा कर चुके हैं और बीएसएफ के साथ मिलकर हालात की समीक्षा कर चुके हैं। बीते 72 घंटे में कोई नई हिंसक घटना सामने नहीं आई है। धूलियन, सुती और शमशेरगंज जैसे इलाकों में धीरे-धीरे जनजीवन सामान्य हो रहा है।

दाऊदी बोहरा समुदाय ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की, वक्फ कानून के लिए धन्यवाद दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। दाऊदी बोहरा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लोक कल्याण मार्ग स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और हाल ही में पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम के लिए उन्हें धन्यवाद किया।प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिनिधिमंडल में व्यापारिक नेता, पेशेवर, डॉक्टर, शिक्षक और दाऊदी बोहरा समुदाय के विभिन्न प्रमुख प्रतिनिधि शामिल थे। उन्होंने अपने संघर्षों के बारे में बताया और बताया कि किस तरह उनके समुदाय के सदस्यों की संपत्तियों पर वक्फ द्वारा गलत तरीके से कब्जा किया गया। उन्होंने वक्फ संशोधन अधिनियम लाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि यह लंबे समय से लंबित मांग थी। उन्होंने

दाऊदी बोहरा समुदाय के साथ प्रधानमंत्री के लंबे समय से चले आ रहे विशेष संबंध और उनके द्वारा किए गए सकारात्मक कार्यों के बारे में बात की। अपने समुदाय के लिए अधिनियम के लाभ के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह अधिनियम न केवल अल्पसंख्यकों के लिए बल्कि अल्पसंख्यकों के भीतर अल्पसंख्यकों के लिए भी लाया है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा उनकी पहचान को पनपने दिया है, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वे समावेश की भावना महसूस करते हैं। 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए उन्होंने भारत को विकसित बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता और हर संभव सहायता व्यक्त की।

उन्होंने मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की, जो इस पहलू पर ध्यान केंद्रित करता है कि सच्चा विकास लोगों पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, एमएसएमई आदि के लिए समर्थन जैसी कई प्रमुख पहलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये विशेष रूप से छोटे व्यवसायों के लिए बहुत मददगार रहे हैं। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और नारी शक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में अन्य उपायों जैसे कदमों की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लाने के पीछे वर्षों के काम के बारे में बात की।

लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचे 13 देशों के 27 प्रतिनिधि

एजेंसी

चंडीगढ़,। लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग से संबंधित 36वें अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे 13 देशों के 27 प्रतिनिधियों ने चंडीगढ़ में हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी से मुलाकात की। कोटे डी आइवर, इक्काडोर, होंडुरास, ग्वाटेमाला, श्रीलंका, मंगोलिया, म्यांमार, नाइजर, नाइजीरिया, मालदीव, तंजानिया, जाम्बिया और जिम्बाब्वे जैसे देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागी लोकसभा के संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। अपने संबोधन में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने समावेशी कानून बनाने की प्रक्रियाओं के महत्व पर बल देते हुए कहा कि किसी भी कानून की रूपरेखा सभी हितधारकों की आवाज सुनकर ही प्रभावी ढंग से तैयार की जा सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कानून की प्रासंगिकता और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए उसमें समाज की आकांक्षाओं, भावनाओं और जरूरतें प्रतिबिंबित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान एक मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ के रूप में कार्य करता है। इसमें सुनिर्धारित प्रक्रियाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि कानून मजबूत होने के साथ-साथ अनुकूलनीय भी हों। उन्होंने भारत में हरियाणा की विशिष्ट स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि हरियाणा देश में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय और कर संग्रह वाला एक छोटा लेकिन प्रगतिशील राज्य है।

स्वयंसेवकों को एकता और भाइचारे का संदेश दे अलीगढ़ के लिए रवाना हुए सरसंघचालक

एजेंसी

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत कानपुर से अलीगढ़ के लिए रवाना हो गये। इस दौरान संघ से जुड़े पदाधिकारी उन्हें छोड़ने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे। पांच दिवसीय प्रवास पर कानपुर में उन्होंने जहां उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े आरएसएस प्रांत कार्यालय का प्रवेशोत्सव किया तो वहीं बैठकें कर स्वयंसेवकों को एकता व भाइचारे का संदेश दिया। इसके साथ संघ के आयामों में हो रही गतिविधियों की जानकारी ली और आगामी कार्ययोजनाओं की जिम्मेदारी सौंप गये। सरसंघचालक रविवार की

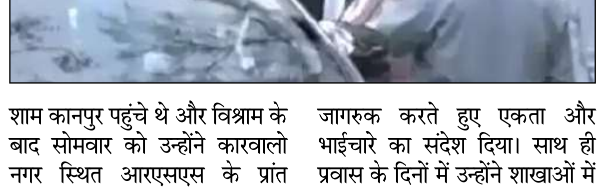

शाम कानपुर पहुंचे थे और विश्राम के बाद सोमवार को उन्होंने कारवालो नगर स्थित आरएसएस के प्रांत कार्यालय का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने देशभर के हिंदुओं को जागरुक करते हुए एकता और भाईचारे का संदेश दिया। साथ ही प्रवास के दिनों में उन्होंने शाखाओं में हिस्सा लेते हुए पदाधिकारियों के साथ बैठक भी की थी। उन्होंने कहा कि संघ का प्रचार विस्तार पहले से काफी बढ़ा है।

कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण सहित छह आयामों की बैठक में गतिविधियों की जानकारी और आगामी कार्ययोजना पर भी सहमति बनी। उन्होंने कुटुंब प्रबोधन की बैठक पर संयुक्त परिवार पर अधिक जोर दिया और कहा कि यही हमारी संस्कृति रही जिसके जरिये हम विश्व गुरु कहलाते थे। इस संस्कृति को वापस लाने के लिए स्वयंसेवक लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने अपने संबोधन ने कहा था कि हम आपसी स्वार्थ में उलझ गए थे, आपस में मतभेद पैदा कर लिये, जिसका लाभ विदेशी ताकतों ने खूब उठाया लेकिन अब हिंदू समाज जाग चुका है। उन्होंने हिन्दू संगठनों द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए देशभर के हिंदुओं को एकजुट होने का संदेश भी दिया। प्रवास के अंतिम दिन बिना किसी कार्यक्रम के उन्होंने संघ से जुड़े लोगों से मुलाकात की और नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन से अलीगढ़ के लिए रवाना हो गए।

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन
कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूंकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?

ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

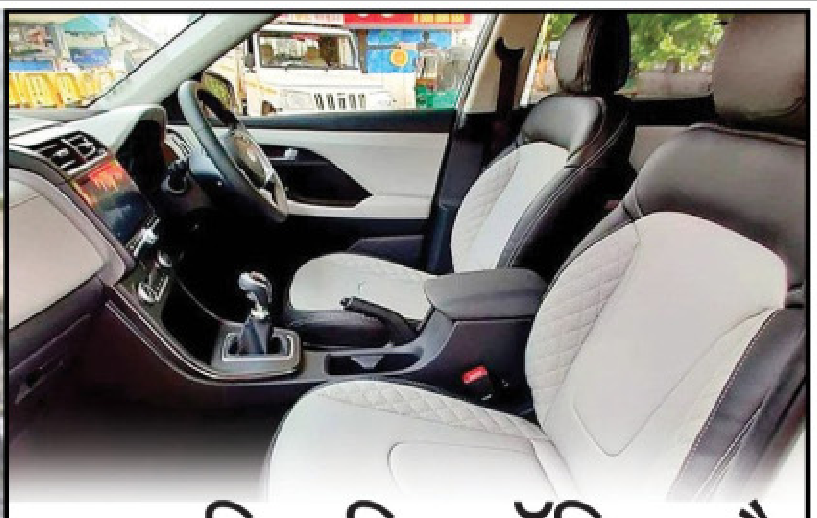

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

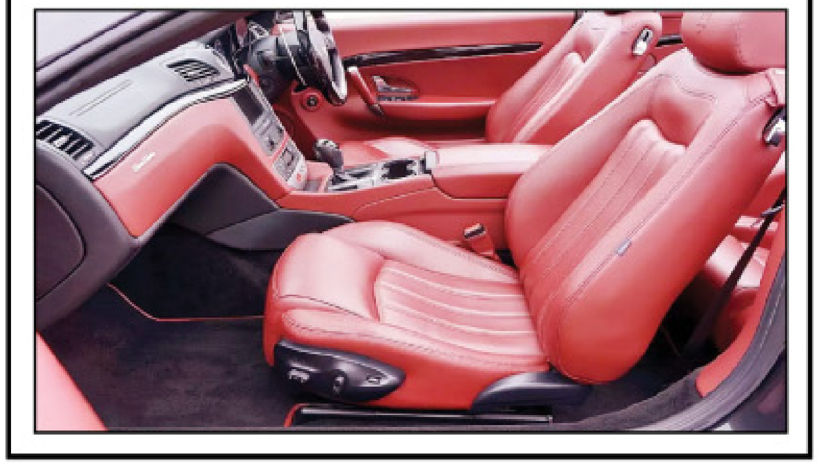

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है:

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है:

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है:

- विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
- उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
- उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- वित्तीय संस्थाए
- बीमा क्षेत्र
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

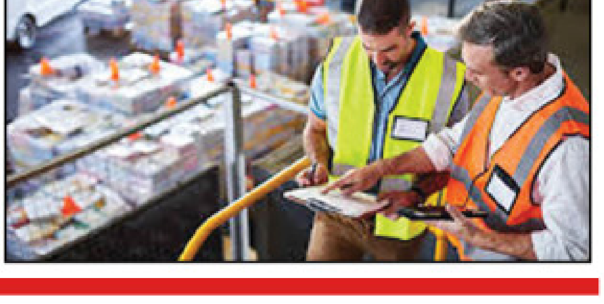

गुरुग्राम में 18 अप्रैल से शुरू होगी पहली ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय 18 अप्रैल से शुरू हो रही ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। यह पहली बार है जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी को फ्रेंचाइजी मॉडल में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें एशिया, यूरोप और अफ्रीका के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। 13 दिनों तक चलने वाली इस लीग की शुरुआत तमिल लायंस और पंजाबी टाइगर्स के बीच रोमांचक मुकाबले से होगी। पुरुषों की छह टीमें मराठी वल्चर्स, भोजपुरी लेपर्ड्स, तेलुगु पैंथर्स, तमिल लायंस, पंजाबी टाइगर्स और हरियाणवी शार्क्स लीग में भाग लेंगी। महिलाओं की लीग 19 अप्रैल से शुरू होगी, जिसमें मराठी फाल्कन्स बनाम तेलुगु चीता का मुकाबला होगा। महिला टीमों में भोजपुरी तेंदुआ, तमिल शेरनी, पंजाबी बाघिन और हरियाणवी ईगल्स भी शामिल हैं। होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी खेल संघ (एचआईपीएसए) की अध्यक्ष कांति डी. सुरेश ने कहा, गुरुग्राम विश्वविद्यालय की तैयारियां प्रशंसनीय हैं। यह लीग कबड्डी को वैश्विक मंच देगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने इसे 'खेल भावना और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव' बताया। देशभर में लीग का प्रचार व्यापक स्तर पर किया गया है। दिल्ली, लखनऊ, हैदराबाद और मुंबई समेत कई शहरों में 30 से अधिक बड़े बिलबोर्ड लगाए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रचार के तहत 18 अप्रैल को न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर डिजिटल अभियान चलाया जाएगा।

प्रदेश स्तरीय फुटबाल टीम में वर्तिका और अलीना का चयन

प्रयागराज। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 25 से 29 अप्रैल तक होने वाली 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी अण्डर 14 फुटबाल प्रतियोगिता के लिए विकर पब्लिक जूनियर हाईस्कूल सदर बाजार की दो छात्राओं का चयन उत्तर प्रदेश की टीम में किया गया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य वीडी शुक्ला ने गुरुवार को बताया कि अशोक रोड निवासी वर्तिका कुशवाहा और मऊसरैया, नेवादा निवासी अलीना का चयन प्रदेश स्तरीय टीम में किया गया है।

दोनों छात्राओं ने विद्यालय के क्रीड़ाध्यापक एवं फुटबालर जितेंद्र कुमार (जैक) से प्रशिक्षण लिया है। दोनों बालिकाओं के चयन पर छावनी परिषद इलाहाबाद के मुख्य अधिशासी अधिकारी मोहम्मद समीर इस्लाम, स्कूल कोऑर्डिनेटर एके सिन्हा, शिक्षिका दीप्ति कुशवाहा, शुभांगिनी शर्मा सहित सभी शिक्षकों ने शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आईपीएल 2025 में पहली बार सपोर्ट स्टाफ पर लगा जुर्माना, दिल्ली कैपिटल्स के कोच मुनाफ पटेल पर कार्रवाई

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में एक नया मामला सामने आया है, जब पहली बार किसी टीम के सपोर्ट स्टाफ सदस्य पर आचार संहिता के उल्लंघन के चलते जुर्माना लगाया गया है। बुधवार (16 अप्रैल) को दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दिल्ली के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल पर कार्रवाई की है। आईपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मुनाफ पटेल ने 'लेवल 1' के तहत अनुच्छेद 2.20 का उल्लंघन किया, जो खेल की भावना के खिलाफ आचरण से जुड़ा है। मुनाफ ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और मैच रेफरी के फैसले को मान लिया है। इसके चलते उनकी 25 प्रतिशत मैच फीस काटी गई और एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया। हालांकि, आईपीएल ने इस मामले का ब्योरा नहीं दिया, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के मुताबिक मुनाफ की चौथे अंपायर से एक रणनीतिक संदेश मैदान में भेजने को लेकर गर्मागर्म बहस हुई थी।

ज्वाला देवी गंगापुरी के दो छात्र खेलो इंडिया यूथ गेम्स में चयनित

प्रयागराज। विद्या भारती से सम्बद्ध ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद के छात्रों का चयन खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हुआ है। अब दोनों खिलाड़ी बिहार राज्य के पांच शहरों में 4 मई से 15 मई तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। विद्यालय के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने बताया कि झारखण्ड के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोराबाडी रांची में विद्या भारती द्वारा आयोजित 68वें नेशनल स्कूल गेम्स में ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद के छात्र आर्य देव ने पोल वाल्ट में गोल्ड मेडल तथा शहंशाह ने जैवलिन में रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल प्राप्त किया था। जिनका चयन खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में हुआ है।

वाराणसी की पूजा यादव ने रचा इतिहास, भारतीय महिला हॉकी टीम में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। वाराणसी के ग्रामीण इलाके से ताल्लुक रखने वाली 21 वर्षीय पूजा यादव ने भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। वह पूर्वांचल क्षेत्र की पहली महिला खिलाड़ी बनी हैं, जिन्हें भारतीय हॉकी टीम में शामिल किया गया है। पूजा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुनी गई 26 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह मिली है। यह दौरा 26 अप्रैल से 4 मई 2025 तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

सेलेक्शन पर बोलीं पूजा — सपनों को दबाएं नहीं, मेहनत करो और उड़ान भरो

अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए पूजा यादव ने कहा, ÷जब मुझे टीम में चुने जाने की खबर मिली, तो यकीन नहीं हुआ। घर से हर कोई मुझे फोन कर बधाई देने लगा। मेरे माता-पिता और भाई-बहन बेहद खुश हैं। पहले कभी सोचा नहीं था कि ऐसा कुछ होगा, लेकिन अब

वे मुझ पर गर्व कर रहे हैं। पूजा ने आगे कहा,मैं गर्व महसूस कर रही हूं कि मैं पूर्वांचल से भारतीय टीम में जगह बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी हूं। मैं चाहती हूं कि मेरी यह कामयाबी गांव-कस्बों की बाकी लड़कियों के लिए भी प्रेरणा बने। उन्हें अपने सपनों को दबाना नहीं चाहिए। अगर परिवार साथ दे और कड़ी मेहनत हो, तो कोई भी मुकाम दूर नहीं।

नेशनल कैंप में सीनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव

पूजा यादव ने 23 मार्च 2025 से बेंगलुरु स्थित साई सेंटर में सीनियर नेशनल कैंप में अभ्यास शुरू किया था। इस दौरान उन्होंने 65 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की सूची में भी जगह बनाई थी। सीनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव को लेकर पूजा ने कहा, ÷यह मेरे लिए शानदार अनुभव रहा। सीनियर खिलाड़ियों को देखना और उनके साथ खेलना मेरे खेल को कई गुना बेहतर कर रहा है। सभी बहुत मददगार हैं और हमें लगातार बेहतर करने की सलाह देते रहते हैं।

नेहा बनीं मेंटर और रूम पार्टनर: पूजा ने बताया कि नेहा दीदी से उन्हें खास प्रेरणा मिली है। मैं मिडफील्डर हूं और हमेशा सुषिला दी और नेहा दी को आदर्श मानती थी। अब उनके साथ प्रैक्टिस करना सपना सच होने जैसा है। नेहा दी मेरी रूम पार्टनर भी हैं और उन्होंने खेल के साथ डाइट, रणनीति और भारतीय टीम में खेलने के अनुभव को लेकर बहुत कुछ सिखाया है।

पूजा का सफर भी बेहद दिलचस्प रहा है। उन्होंने बताया, मैं बचपन में क्रिकेट बहुत खेला करती थी, लेकिन स्कूल में हॉकी खेलने का मौका मिला और वहीं से शौक बना। 2015 में खेलना शुरू किया, पहले राज्य की जूनियर टीम में जगह बनाई और फिर सीनियर टीम में भी शामिल हुई। कई बार जूनियर नेशनल टीम से चूकने के बाद भी मैंने हार नहीं मानी। 2025 की सीनियर महिला नेशनल हॉकी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अब नेशनल कैंप तक पहुंची हूं।

पश्चिमी सिंहभूम ने जमशेदपुर को हराया 77 रनों से

एजेंसी

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) के तत्वावधान में चाईबासा में आयोजित अंतर जिला महिला सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता 2024-25 के अंतिम लीग मुकाबले में मेज़बान पश्चिमी सिंहभूम ने जमशेदपुर को 77 रनों से पराजित कर दिया। इसी के साथ ही पश्चिमी सिंहभूम की टीम ने प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बना ली है। अब फाइनल मुकाबला शनिवार को रांची के खिलाफ होगा। बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम, चाईबासा में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए पश्चिमी सिंहभूम की टीम 40 ओवरों में 160 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से रश्मि गुड़िया ने शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए 52 रन (नौ चौके, एक छक्का) और कप्तान प्रियंका सवैयां ने 48 रन (पांच चौका) जोड़ा। वहीं जमशेदपुर के लिए पल्वजीत कौर ने बेहतरीन गेंदबाज़ी करते हुए चार विकेट लिया, जबकि सिमरन निशा मंसूरी ने तीन और पल्विका राठौड़ ने दो विकेट झटके। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी जमशेदपुर की टीम 39 ओवरों में महज 83 रन पर सिमट गई।

सविता ने 26 और पल्विका ने 10 रन बनाए। शेष बल्लेबाज़ों का प्रदर्शन फीका रहा। पश्चिमी सिंहभूम की ओर से अनामिका कुमारी ने घातक गेंदबाज़ी करते हुए 19 रन देकर चार विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। सीता सिंकु को दो, जबकि इसरानी सोरेन, चाँदमुनी पुरती, प्रियंका सवैयां और अंजलि दास को एक-एक विकेट मिला। मैच के बाद हुए पुरस्कार वितरण समारोह में अनामिका कुमारी को उनकी शानदार गेंदबाज़ी के लिए पांच हजार रुपये नकद देकर सम्मानित किया गया।

फिडे महिला ग्रैंड प्रिक्सः कोनेरू हम्पी की शानदार जीत, दिव्या देशमुख की दमदार वापसी

एजेंसी

पुणे। फिडे महिला ग्रैंड प्रिक्स 2024 के चौथे दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने अपने अनुभव और स्थितिगत ताकत का शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की पोलिना शुवालोवा को पराजित किया है। वहीं दिव्या देशमुख ने भी रोमांचक अंदाज़ में बाजी अपने नाम की, जबकि द्रोणवल्ली हरिका और वैशाली रमेशबाबू का अखिल भारतीय मुक़ाबला बराबरी पर छूटा।

इतालवी ओपनिंग के साथ शुरू हुए इस मुक़ाबले में हम्पी ने पोलिना के ख़िलाफ़ धीरे-धीरे स्थिति मजबूत की। आठवें मोड़ पर पोलिना की एक चूक ने हम्पी को बढ़त दिलाई। 12वीं चाल में रानियों का आदान-प्रदान हुआ और इसके बाद हम्पी ने अपने जुड़े हुए प्यादों और सातवीं पंक्ति तक घुसपैठ करने वाली किश्ती से खेल पर पकड़ बना ली। 26वीं चाल तक तस्वीर साफ हो गई थी और 37 चालों में हम्पी ने बाज़ी अपने नाम कर ली। मैच के बाद हम्पी ने इसे 'आरामदायक खेल' बताया।

दिव्या देशमुख की 70 चालों तक चली जंग-

दिव्या देशमुख ने कारो-कान बचाव एक्सचेंज वेरिएशन में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने

ज़्यादातर समय बढ़त बनाए रखी और अंत में डबल किश्ती और राजा की मदद से 70 चालों के बाद मेलिया सलोमे को हराया। इस जीत के साथ दिव्या भी अंक तालिका में शीर्ष की ओर पहुंच गई हैं। अखिल भारतीय भिड़ंत में द्रोणवल्ली हरिका और वैशाली रमेशबाबू आमने-सामने थीं। ग्रुनफेल्ड बचाव से शुरू हुए इस मुक़ाबले में हरिका ने लंबे समय तक बढ़त बनाए रखी, लेकिन वैशाली ने धैर्य नहीं खोया। 34वीं चाल के बाद हरिका कोई निर्णायक बढ़त नहीं बना सकीं और खेल बराबरी पर समाप्त हुआ। चीन की झू जिनर इस समय 3.5 अंकों के साथ अंक तालिका में सबसे आगे हैं। हम्पी और दिव्या दोनों ही जिनर से केवल आधा अंक पीछे हैं। शुक्रवार को हम्पी और हरिका के बीच एक अहम अखिल भारतीय मुक़ाबला खेला जाएगा, वहीं दिव्या पोलिना से भिड़ेंगी।

सऊदी ग्रां प्री से पहले लुईस हैमिल्टन ने फेरारी को लेकर दिया बयान, कहा- टीम पर सबसे ज्यादा रहती है निगाहें

एजेंसी

जेद्दाह। सात बार के फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियन लुईस हैमिल्टन ने सऊदी अरब ग्रां प्री से पहले फेरारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि फेरारी को अक्सर 'क्राइसिस टीम' कहकर बुलाया जाता है और लोग इसकी मुश्किलों को ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं। हैमिल्टन इस सीज़न में फेरारी टीम के साथ दौड़ रहे हैं और उन्होंने टीम की ताकत और जुनून की भी तारीफ की।

हैमिल्टन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, एक तरह से ये उम्मीद की ही जाती है। फेरारी फॉर्मूला 1 इतिहास की सबसे महान टीम है। ज़ाहिर है, इसके बारे में ज्यादा स्टोरीज़ लिखी जाती हैं और लोग अपनी-अपनी राय देते हैं। सब कुछ हमेशा सुचारू नहीं रहा है। उन्होंने आगे कहा, इस टीम में कई शानदार चीज़ें हैं। हम इसके अंदर की ऊर्जा और जुनून को संभालना चाहते हैं। साथ ही इसे सुरक्षित भी रखना ज़रूरी है, क्योंकि इस टीम पर बाकी टीमों के मुकाबले ज़्यादा ध्यान रहता है। हैमिल्टन ने जेद्दाह कॉर्निश सर्किट को अपना पसंदीदा ट्रैक बताया। हालांकि, इस ट्रैक को इसकी संकरी लेआउट और हाई-स्पीड कॉर्नर्स की वजह से खतरनाक भी माना जाता है।

हैमिल्टन ने कहा, मुझे ये ट्रैक बेहद पसंद है। ये बहुत तेज़ है और ड्राइवरों के लिए काफ़ी चुनौतीपूर्ण भी। गर्मी, तापमान, हाई-स्पीड कॉर्नर्स में जी-फोर्स और तेज़ी से बदलते हालात इसे और मुश्किल बनाते हैं। इसे शब्दों में बयान कर पाना आसान नहीं। हैमिल्टन ने सर्किट की सतह को काफ़ी स्मूद बताया और कहा कि ज़्यादातर रेस में वन-स्टॉप स्ट्रैटेजी ही देखने को मिली है। हालांकि, अगर तापमान बढ़ता है तो टीमें दो पिट-स्टॉप करने पर मजबूर हो सकती हैं, जिससे रेस और रोमांचक बन सकती है।

शंघाई में पहली जीत, लेकिन अभी लंबा सफर

हैमिल्टन ने हाल ही में शंघाई स्प्रिंट रेस में अपनी पहली जीत दर्ज की है, लेकिन रविवार को हुई मेन रेस में बहरैन में वो पांचवें स्थान से आगे नहीं बढ़ सके। मीडियम टायर पर कार का प्रदर्शन बेहतरीन था, लेकिन सेफ्टी कार की एंट्री ने टीम की रणनीति बिगाड़ दी और हार्ड टायर लगाने पड़े, जिससे वो पोडियम की रेस में पिछड़ गए। हैमिल्टन ने कहा कि बहरीन में कार का अनुभव सकारात्मक रहा, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आगे की रेस में उसी तरह का प्रदर्शन दोहराया जा सकेगा। उन्होंने कहा, हर बार कार में बैठने पर पुरानी ड्राइविंग स्टाइल पर लौटना आसान होता है। लेकिन मैं कोशिश कर रहा हूं कि लगातार नई स्टाइल को अपनाता रहूं।

बार्सिलोना ओपनः कार्लोस अल्कराज क्वार्टरफाइनल में, लासलो जिरे को सीधे सेटों में हराया

एजेंसी

बार्सिलोना। स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। खेले गए मुकाबले में उन्होंने सर्बिया के लासलो जिरे को 6-2, 6-4 से हराया। वर्ल्ड नंबर-2 अल्कराज ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए पहले सेट में जिरे को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इस सेट में जिरे एक भी विनर नहीं लगा सके, जबकि अल्कराज ने 8 विनर जमाए। दूसरे सेट में जिरे ने वापसी की कोशिश की और 4-2 की बढ़त भी बना ली। हालांकि इसके बाद अल्कराज ने लय पकड़ते हुए लगातार चार गेम जीते और सेट के साथ मुकाबला भी अपने नाम किया। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, 4-2 से पिछड़ने के बाद मैंने अपनी असली टेनिस खेली।

खुशी है कि सही वक्त पर अपना स्तर बढ़ा सका। उम्मीद है कि आगे भी इसी तरह खेल जारी रखूंगा।

अगले मुकाबले में किससे भिड़ंत?

अब क्वार्टरफाइनल में अल्कराज का मुकाबला वर्ल्ड नंबर-7 एलेक्स डी मिनाउर या ब्रिटेन के जैकब फर्नले में से किसी एक से होगा। यह मुकाबला शुक्रवार को खेला जाएगा।

डेविडोविच फोकीना ने रुब्लेव को चौंकाया

दूसरी ओर, स्पेन के अलेहांद्रो डेविडोविच फोकीना ने वर्ल्ड नंबर-8 आंद्रे रुब्लेव को 7-5, 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। छह मुकाबलों में यह पहली बार था जब डेविडोविच फोकीना ने रुब्लेव को शिकस्त दी। उन्होंने पहले सेट में तीन बार ब्रेक हासिल किया और दूसरा सेट भी शानदार अंदाज़ में 5-4 की बढ़त के बाद बिना कोई पॉइंट गंवाए मैच अपने नाम कर लिया।

खाचनॉफ भी क्वार्टरफाइनल में

एक अन्य मुकाबले में रूस के कारेन खाचनॉफ ने स्पेन के जौमे मुनार को 7-5, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। खाचनॉफ अब डेविडोविच फोकीना से भिड़ेंगे।

आईपीएल 2025 : गुजरात टाइटंसने दासुन शनाका को ग्लेन फिलिप्स की जगह टीम में किया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सीजन में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने बड़ा बदलाव करते हुए श्रीलंका के दासुन शनाका को टीम में शामिल किया है। शनाका को ग्लेन फिलिप्स की जगह टीम में लिया गया है, जो ग्रोइन इंजरी के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं और स्वदेश लौट चुके हैं। ग्लेन फिलिप्स को इस सीजन गुजरात टाइटंस ने 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। हालांकि, उन्हें एक भी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला

और इसी बीच वो ग्रोइन इंजरी का शिकार हो गए। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने उन्हें पूरे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। दासुन शनाका इससे पहले 2023 के सीजन में भी गुजरात टाइटंस की ओर से खेल चुके हैं। उस वक्त उन्हें कुछ ही मुकाबलों में मौका मिला था। अब एक बार फिर फ्रेंचाइजी ने उन पर भरोसा जताया है। शनाका को उनके बेस प्राइस 75 लाख रुपये में टीम में शामिल किया गया है। दासुन शनाका श्रीलंका के अनुभवी ऑलराउंडर हैं। उन्होंने अब तक 102 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी के लिए पहचाने जाने वाले शनाका, गुजरात टाइटंस की प्लेइंग इलेवन में बतौर ऑलराउंडर अहम भूमिका निभा सकते हैं।

पंजाब किंग्स से मुकाबले के लिए आरसीबी तैयार, हमेशा की तरह की है तैयारीः भुवनेश्वर

एजेंसी

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के तगड़े मुकाबलों में एक मैच शुक्रवार, 18 अप्रैल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स के बीच खेला जाएगा। अपने घरेलू मैदान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में पंजाब किंग्स से भिड़ने के लिए आरसीबी तैयार है।

यह बात अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने टीम की तैयारियों और रणनीति को लेकर बात करते हुए कही। पंजाब के खिलाफ तैयारी को लेकर भुवनेश्वर ने कहा, 'हमारी तैयारी हमेशा की तरह है, इसमें कुछ अलग नहीं है। हम जो भी किसी भी टीम के खिलाफ करते हैं, वही करेंगे। चिन्नास्वामी को बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है, लेकिन अब विकेट पहले जैसा नहीं रहा। वजह पता नहीं, लेकिन हां - चाहे पहले बल्लेबाज़ी

करें या गेंदबाज़ी, शुरुआती ओवरों में विकेट को परखेंगे और फिर उसी के अनुसार रणनीति तय करेंगे।' हैजलवुड और अपने गेंदबाजी रोल को लेकर भुवी ने कहा, 'हमारा रोल तय नहीं रहता। आमतौर पर मैं और हैजलवुड नई गेंद से गेंदबाज़ी करते हैं और डेथ ओवर्स में भी। लेकिन यह हर मैच में थोड़ा बदलता है। यह इस पर निर्भर करता है कि शुरुआती ओवरों में क्या स्थिति बनती है और विपक्षी टीम कैसे खेल रही है। अनुभव होने के कारण हम दोनों की कोशिश होती है कि ज़्यादा से ज़्यादा विकेट लें और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करें।'

हैजलवुड के प्रदर्शन पर बात करते हुए भुवी ने कहा, 'वो बहुत अच्छा कर रहा है। सबसे अच्छी बात है कि वो शांत रहता है, यही टी20 फॉर्मेट में सबसे ज़रूरी होता है। जब टीम हारती है, तो घबराना आसान होता है, लेकिन हैजलवुड ने ऐसा नहीं किया। हमने दो मैच हारे, लेकिन वो हमेशा एक जैसा रहा, जीत हो या हार।

वेस्टइंडीज महिला टीम ने बंगलादेश को तीन विकेट से हराया

लाहौर। आलियाह एलीने (चार विकेट) के बाद चिनेल हेनरी (नाबाद 51), स्टेफनी टेलर (36), हेली मैथ्यूज (33) की उपयोगी पारियों के दम पर वेस्टइंडीज महिला टीम ने गुरुवार को विश्वकप क्वालीफायर के 11वें मुकाबले में 24 गेंदे शेष रहते बंगलादेश को तीन विकेट से हराया। बंगलादेश के 227 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की महिला टीम ने 46 ओवर में चिनेल हेनरी (नाबाद 51), स्टेफनी टेलर (36), हेली मैथ्यूज (33), कियाना जोसेफ (31), शेमाइन कैम्पबेले और शबिका गजनबी (20) रनों की उपयोगी पारियों की बदौलत सात विकेट पर 228 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया। बंगलादेश की ओर से मारुफा अख्तर ने दो विकेट लिये।

विल जैक्स के ऑलराउंड प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने हैदराबाद को 4 विकेट से हराया

एजेंसी

मुंबई। आईपीएल 2025 के 33वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को 4 विकेट से हरा दिया है। मैच के हीरो इंग्लिश ऑलराउंडर विल जैक्स रहे, जिन्होंने बल्ले से 36 रन बनाए और गेंदबाजी में दो अहम विकेट झटके। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 162 रन बनाए। ओपनर्स अभिषेक शर्मा (40) और ट्रैविस हेड (28) ने तेज शुरुआत दी, लेकिन मध्यक्रम में रन गति को बनाए रखना मुश्किल हुआ। हेनरिक क्लासेन ने आखिर में 37 रनों की उपयोगी पारी खेली।

मुंबई की ओर से विल जैक्स ने 3 ओवर में सिर्फ 14 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि बुमराह, ट्रेंट बोल्ट और हार्दिक पंड्या को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत संतुलित रही। रोहित शर्मा (26) और रिकलटन (31) ने अहम साझेदारी की। हालांकि, बीच के ओवरों में हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने मैच में जान फूंक दी। उन्होंने 3 विकेट लेकर मुंबई के बल्लेबाजी क्रम को झटका दिया, जिसमें सूर्यकुमार यादव और विल जैक्स जैसे खतरनाक बल्लेबाज शामिल रहे। मुंबई की जीत में तिलक वर्मा ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 21 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि हार्दिक पंड्या ने तेजतर्रार 21 रन बनाए।

हालांकि एक समय मुंबई पर दबाव बना, लेकिन 18.1 ओवर में टीम ने 6 विकेट पर 166 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। हैदराबाद के लिए पैट कमिंस ने 3 विकेट, इशान मलिंगा ने 2, और हर्षल पटेल ने 1 विकेट लिया।

हॉकी चैंपियनशिप में जगराज सिंह का शानदार प्रदर्शन, बोले- 'हम अपने लिए नहीं, पंजाब के लिए खेले'

एजेंसी

झांसी,। हॉकी पंजाब को अपने शानदार प्रदर्शन से 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर मेन नेशनल चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीताने वाले स्टार ड्रैग-फ्लिकर जगराज सिंह ने कहा है कि फाइनल मैच हमने पंजाब के लिए खेला और जीत गए। टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले 28 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में 5 गोल किए और टूर्नामेंट के दूसरे सर्वोच्च गोल स्कोरर बने। फाइनल में उन्होंने हॉकी मध्य प्रदेश के खिलाफ दो गोल दागे और पंजाब को 4-1 की शानदार जीत दिलाई।

जगराज ने अपने प्रदर्शन पर कहा कि ÷कुल मिलाकर यह एक शानदार अनुभव रहा। हमारी टीम मजबूत थी और हमें खुद पर भरोसा था। फाइनल में हमने एक बेहतरीन टीम को हराया, जिससे हम बहुत खुश हैं। जब पहले हाफ में हम एक गोल से पीछे थे, तो ड्रेसिंग रूम में हमने ठान लिया कि यह मैच हमें पंजाब के लिए जीतना है। उसी जज्बे से हमने वापसी की। हॉकी पंजाब का टूर्नामेंट में एकमात्र हार ग्रुप स्टेज में हॉकी मध्य प्रदेश के

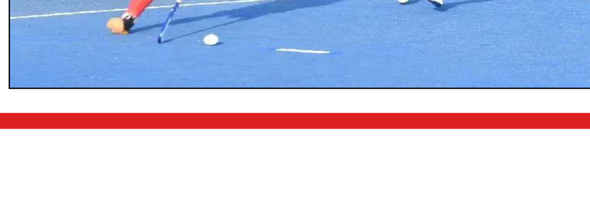

खिलाफ 2-3 से हुई थी। उस पर बात करते हुए जगराज बोले, हमें उस हार से बहुत निराशा हुई थी क्योंकि हम जीत सकते थे। हमने उस मैच की रिकॉर्डिंग देखी, अपनी गलतियों को समझा और तय किया कि अगली बार अगर फिर आमना-सामना हुआ, तो हम पूरी तैयारी से उतरेंगे। जगराज सिंह का प्रदर्शन हाल के महीनों में लगातार उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024/25 में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को चैंपियन बनाया, जिसमें उन्होंने 12 गोल किए और फाइनल में हैट्रिक लगाई। इसके अलावा, वे भारत की एफआईएच हॉकी प्रो लीग (पुरुष) की घरेलू सफलता का भी हिस्सा रहे, जहां भारत ने 8 में से 5 मुकाबले जीते और अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। अपने प्रदर्शन के पीछे का राज बताते हुए जगराज ने कहा, मैंने अपनी ड्रैग-फ्लिक तकनीक पर खूब मेहनत की है। अब मैं गेंद मारने से पहले गोलकीपर की मूवमेंट पढ़ने की कोशिश करता हूं, ताकि अंतिम क्षणों में दिशा बदल सकूं। पावर से ज़्यादा सही एंगल मायने रखता है और मैं उसी पर ध्यान दे रहा हूं।

श्वेता तिवारी, अनीता हसनंदानी से तसनीम शेख तक, ये हैं छोटे पर्दे की 5 ग्लैमरस सास

इंडियन टीवी सीरियल को 'सास-बहू' ड्रामा भी कहा जाता है, क्योंकि हिंदी टीवी चैनल पर ऑन एयर होने वाले ज्यादातर शो में हमें फैमिली ड्रामा देखने मिलता है और ये फैमिली ड्रामा सास और बहू दोनों के बिना अधूरा है. आज हम बात करेंगे टीवी सीरियल में सास का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेसेस की. छोटे पर्दे पर कई ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने सास के किरदार को अनोखे, ग्लैमरस और मॉडर्न अंदाज में दर्शकों की सामने पेश किया है. आइए एक नजर डालते हैं टीवी की दुनिया की वो 5 ग्लैमरस सासू मांओं पर, जिनका स्वैग और स्टाइल लोग आज भी याद करते हैं.

1. श्वेता तिवारी

अपनी खूबसूरती और शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाने वालीं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने कई टेलीविजन सीरियल में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं. 'कसौटी जिंदगी की' और 'मेरे डैड की दुल्हन' इन दोनों सीरियल में श्वेता तिवारी सास के किरदार में भी नजर आई थीं. 'कसौटी जिंदगी की' के समय मिसेस बजाज (श्वेता का किरदार) की साड़ियां फैशन स्टेटमेंट बन गई थीं. तो सोनी टीवी की 'मेरे डैड की दुल्हन' में श्वेता तिवारी एक ग्लैमरस और कूल सास बनी थीं.

2. अचिंत कौर

अचिंत कौर टेलीविजन इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं. उन्होंने कई टीवी सीरियल में दमदार भूमिका निभाई है. सीरियल 'जमाई राजा' में उन्होंने रवि दुबे की सास और निया शर्मा की ऑनस्क्रीन मां का किरदार निभाया था. 'जमाई राजा' की ये मॉडर्न और ग्लैमरस सास सभी को खूब पसंद आई थी.

3. तसनीम शेख

तसनीम शेख ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मोहिनी वीरानी के किरदार से घर-घर में पहचान बनाई. सिर्फ 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' ही नहीं बल्कि 'अनुपमा' में भी उन्होंने सास का किरदार निभाया था. स्ट्रेट बाल, स्लीवलेस ब्लाउज और मॉडर्न साड़ियों से टीवी पर अपना तेजतर्रार अंदाज दिखाने वाले तसनीम को उनके इस लुक ने अलग पहचान दिलाई. भले ही वो टीवी पर अक्सर निगेटिव किरदार निभाती हैं, लेकिन फिर भी उनका ग्लैमरस अंदाज दर्शकों का दिल जीत लेता है.

4. काम्या पंजाबी

काम्या पंजाबी अपनी बेबाक और स्ट्रॉन्ग पर्सनैलिटी के लिए जानी जाती हैं. टेलीविजन पर उन्होंने कई निगेटिव और पॉजिटिव किरदारों को बखूबी निभाया है. सीरियल 'इश्क़ जबरिया' में काम्या सास बनी थीं. सास के किरदार में भी उनका स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज दर्शकों को देखने को मिला है. उनका आत्मविश्वास और फैशन सेंस उन्हें छोटे पर्दे की ग्लैमरस सासों में अलग पहचान दिलाता है.

5. अनीता हसनंदानी

अनीता हसनंदानी छोटे पर्दे की सबसे स्टाइलिश एक्ट्रेस में से एक हैं. 'ये है मोहब्बतें' में शगुन के किरदार में उन्होंने एक ग्लैमरस और मॉडर्न सास की भूमिका निभाई थी. उनका फैशन स्टेटमेंट, मेकअप और हेयरस्टाइल हमेशा ही सुर्खियों में रहा है.

न हिंदू, न सिख, इस धर्म को मानती हैं गोविंदा की पत्नी सुनीता, शराब के लालच में हो गईं थीं कन्वर्ट

बॉलीवुड सुपरस्टार गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा अक्सर ही सुर्खियों में रहती हैं. फिलहाल तो गोविंदा और सुनीता दोनों ही लगातार चर्चा में चल रहे हैं. दरअसल बीते कुछ दिनों से दोनों के तलाक की खबरें आ रही हैं. गोविंदा ने इन पर कुछ नहीं कहा है, जबकि सुनीता ने इस तरह की अफवाहों को खारिज किया है और कहा दूसरों की बातों पर विश्वास मत करो.गोविंदा की पत्नी सुनीता अपने स्वभाव के लिए भी जानी जाती हैं. उनका अक्खड़ मिजाज फैंस के दिल जीत लेता है. सुनीता सुर्खियों में रहने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं. लेकिन कितने लोग उनके धर्म के बारे में जानते हैं? गोविंदा हिंदू हैं तो फैंस को भी ये ही लगता होगा कि उनकी पत्नी भी हिंदू हैं, लेकिन ये सच नहीं है. तो आइए जानते हैं कि आखिर 'हीरो नंबर 1' की वाइफ किस धर्म को मानती हैं?

किस धर्म को मानती हैं सुनीता ?

गोविंदा की पत्नी सुनीता आधी पंजाबी और आधी नेपाली हैं. साल 2024 में उन्होंने 'टाइमआउट विद अंकित' पॉडकास्ट पर कई खुलासे किए थे. सुनीता ने बताया था कि बचपन में ही उन्होंने अपना धर्म बदल लिया था. सुनीता ने बचपन में माता-पिता से छिपकर ईसाई धर्म अपनाया था. उनकी पढ़ाई भी ईसाई स्कूल में ही हुई थी. लेकिन उन्होंने धर्म परिवर्तन के पीछे की वजह का खुलासा भी किया था.

शराब की चाहत में बदला धर्म

सुनीता ने पॉडकास्ट में कहा था, मेरा जन्म बांद्रा में हुआ था. मैं एक ईसाई स्कूल में थी और मेरे सभी दोस्त ईसाई थे. बचपन में मैंने सुना था कि यीशु के खून में वाइन है और मैंने मन में सोचा, 'वाइन का मतलब है शराब'. मैं हमेशा बहुत चालाक थी. शराब पीने में कोई बुराई नहीं है, बस थोड़ी सी शराब पीने के लिए मैंने खुद को ईसाई बना दिया. लेकिन सुनीता हिंदू धर्म में भी आस्था रखती हैं.

1987 में हुई थी गोविंदा-सुनीता की शादी

गोविंदा और सुनीता ने लव मैरिज की थी. सुनीता गोविंदा के मामा आनंद सिंह की साली हैं. एक्टर अपनी मामी की बहन पर ही दिल हार बैठे थे. कुछ साल की डेटिंग के बाद दोनों ने मार्च 1987 में शादी कर ली थी. लेकिन अब शादीके 38 साल बाद दोनों के रिश्ते में अनबन की खबरें हैं, लेकिन सुनीता ने स्पष्ट कर दिया कि इन बातों में कोइ सच्चाई नहीं है .

कितने रोजे रखे, किस तरह की मुस्लिम हो? हिंदू एक्टर से शादी करने पर सोहा अली खान को सुनने पड़ते हैं ताने, छलका दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान इन दिनों फिल्म 'छोरी 2' में नजर आ रही हैं. इसमें उनके साथ नुसरत भरुचा भी अहम रोल में हैं. अपनी इस फिल्म के बीच सोहा अली खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी दूसरे धर्म में शादी और उसे लेकर ट्रोलिंग पर खुलकर बात की है. उन्होंने बताया कि शादी के 10 साल बाद भी लोग उन्हें अपने धर्म की याद दिलाते हुए ट्रोल करते हैं.सोहा अली खान हिंदू परिवार की बहू बनने के बाद अक्सर लोगों के निशाने पर आ जाती हैं. इस मामले पर एक्ट्रेस का दर्द छलक पड़ा. उन्होंने बताया कि वो जब भी दिवाली या होली मनाते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनसे रोजे को लेकर सवाल करने लगते हैं. लोग उन्हें ट्रोल करते हुए कहते हैं कि वो मुस्लिम हैं.

दिवाली मनाती हूं तो रोजे के बारे में पूछते हैं

सैफ अली खान की छोटी बहन सोहा अली खान ने कुणाल खेमू से शादी की थी. दूसरे धर्म में शादी पर अब उन्होंने बड़ी बात कही है. एक्ट्रेस ने स्क्रीन को दिए इंटरव्यू में कहा, मैं थोड़ी मोटी चमड़ी वाली हो गई हूं. यह मुझे परेशान नहीं करता. लेकिन एक बात जो मुझे हैरान करती है वो ये है कि जब मैं कुछ पोस्ट करती हूं, तो लोग मेरे धर्म पर कमेंट करना शुरू कर देते हैं. क्योंकि मैंने एक हिंदू परिवार में शादी की है, मेरी मां का हिंदू सरनेम है और उन्होंने एक मुस्लिम व्यक्ति (मंसूर अली खान पटौदी) से शादी की.

एक्ट्रेस ने आगे कहा, आम तौर पर, अगर हम दिवाली पर कुछ पोस्ट करते हैं, तो लोग पूछते हैं कि मैंने कितने रोजे रखे हैं. अगर हम होली पर पोस्ट करते हैं, तो लोग पूछते हैं कि मैं किस तरह की मुस्लिम हूं. यह मुझे परेशान नहीं करता, लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसे मैं नोटिस करती हूं.

2015 में हुई थी कुणाल-सोहा की शादी

सोहा ने 'तुम मिले', 'रंग दे बसंती', 'घायल- वंस अगेन', 'आहिस्ता आहिस्ता', 'दिल मांगे मोर' जैसी फिल्मों में काम किया है. सोहा अपने पति कुणाल के साथ 'ढूंढते रह जाओगे' में भी काम कर चुकी हैं. इसके सेट पर ही दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था. फिर साल 2015 में शादी रचा ली. कपल ने 2017 में बेटी इनाया नौमी खेमू का वेलकम किया था.

कंगना रनौत

वो एक्ट्रेस जिसे घर में किया कैद, 20 साल बड़े शादीशुदा एक्टर पर आया दिल, फिर बन बैठीं बॉलीवुड की 'क्वीन'

हेमा मालिनी ने उम्र में 13 साल बड़े धर्मेंद्र, सायरा बानो ने 22 साल बड़े दिलीप कुमार और डिंपल कपाड़िया ने उम्र में 15 साल बड़े राजेश खन्ना से शादी की थी. बॉलीवुड की और भी कई हसीनाएं हैं, जिन्होंने खुद से उम्र में कई साल बड़े एक्टर्स का हाथ थामा. जबकि कई एक्ट्रेस ने खुद से बहुत ज्यादा उम्र के एक्टर्स के साथ अफेयर भी चलाया.आज हम आपसे बॉलीवुड की एक ऐसी एक्ट्रेस के बारे में बात कर रहे हैं जो कम उम्र में ही एक शादीशुदा एक्टर के प्यार में पड़ गई थीं. करीब 18 साल की उम्र में उसका दिल खुद से 20 साल बड़े एक्टर पर आ गया था. दोनों के अफेयर ने खूब सुर्खियां भी बटोरी. लेकिन रिश्ता लंबा नहीं चल सका. बाद में एक्ट्रेस ने उस एक्टर पर कई तरह के आरोप लगाए थे और ये भी कहा था कि उन्हें घर में कैद करके रखा गया था. लेकिन कभी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहीं इस हसीना ने बाद में अपनी अदाकारी से फैंस के दिलों को जीता और फिर ये जल्द ही बन बैठी बॉलीवुड की 'क्वीन'.

20 साल बड़े आदित्य के प्यार में पागल थीं कंगना

मशहूर एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने साल 2006 में फिल्म 'गैंगस्टर' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी. इससे पहले उनकी मुलाकात साल 2004 में उम्र में 20 साल बड़े जाने-माने एक्टर आदित्य पंचोली से हुई थी. इसके बाद दोनों को एक दूसरे से प्यार हो गया. उस समय कंगना सिर्फ 18 साल की थीं, जबकि आदित्य की उम्र थी 38 साल. आदित्य पहले से शादीशुदा थे. उन्होंने साल 1986 में जरीना वहाब से शादी की थी. इसके बाद वो दो बच्चों सूरज और सना के पैरेंट्स बने. लेकिन फिर भी आदित्य ने कंगना को डेट करना शुरू कर दिया था.

कंगना ने मारपीट और घर में कैद करने के आरोप लगाए

कंगना और आदित्य लिव इन में रहने लगे थे. दोनों ने एक दूसरे के साथ काफी समय बिताया. लेकिन एक दिन किसी बात पर दोनों की लड़ाई हो गई थी. कहा जाता है कि तब आदित्य ने कंगना पर हाथ भी उठाया था. इसके बाद इस रिश्ते में दरार पड़ गई. ब्रेकअप के बाद कंगना ने आदित्य पर मारपीट करने के आरोप लगाए थे. साथ ही उन्होंने कहा था कि उन्हें आदित्य ने घर में कैद करके रखा था.